किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

दैनिक

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्ष: 4 अंक: 249 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) गुरुवार 18 जून 2026 http://samajjagran.in पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

होर्मुज में बढ़ी जहाजों की आवाजाही ईरानी तेल टैंकरों की गतिविधि तेज

मुख्य समाचार होर्मुज स्ट्रेट अपडेट

नई दिल्ली समुद्री रिपोर्ट (आईएएनएस इनपुट आधारित) होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री यातायात में हाल के दिनों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मैरीटाइम एनालिसिस फर्म विंडवर्ड के अनुसार मंगलवार को कुल 14 जहाज इस महत्वपूर्ण जलमार्ग से गुजरे, जो इस महीने का अब तक का सबसे बड़ा दैनिक आंकड़ा है। विशेषज्ञ इसे शिपिंग उद्योग में धीरे-धीरे लौटते भरोसे का संकेत मान रहे हैं।

रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि अमेरिकी प्रतिबंधों की सूची में शामिल जहाज 'सोफिया 1' ने भी होर्मुज स्ट्रेट को पार किया। यह जहाज पहले अमेरिकी वित्त विभाग द्वारा ईरान के तेल परिवहन नेटवर्क से जुड़ा बताया गया था और इस पर सेकेंडरी प्रतिबंध भी लगाए गए थे।

समुद्री ट्रैकिंग संस्था टैंकरट्रैकर्स के मुताबिक, हालिया पीस डील की घोषणा के बाद ईरान का तीसरा तेल टैंकर भी कथित रूप से अमेरिकी निगरानी और

नाकेबंदी को पार कर आगे बढ़ा है। बताया गया कि नेशनल ईरानियन टैंकर कंपनी का टैंकर 'सोनिया-1' लगभग 10 लाख बैरल कच्चे तेल के साथ रवाना हुआ।

इससे पहले इसी सप्ताह NITC के दो अन्य टैंकर 'डायोना' और 'हीरो-2' भी इस मार्ग से गुजर चुके हैं, जिनमें कुल मिलाकर लगभग 38 लाख बैरल तेल होने की बात कही गई है।

हालांकि रिपोर्ट्स के अनुसार मौजूदा ट्रैफिक अभी भी युद्ध से पहले के स्तर से काफी कम है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक संघर्ष से पहले इस जलमार्ग से प्रतिदिन औसतन करीब 130 जहाज गुजरते थे। शिपिंग कंपनियां अभी भी जोखिम को लेकर सतर्क हैं और कई ऑपरेटर स्थिति के पूरी तरह सुरक्षित होने तक इंतजार कर रहे हैं। उधर, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को ट्रुथ सोशल पर 'पीस डील' की घोषणा करते हुए समुद्री व्यापार को सामान्य करने और तेल आपूर्ति निर्बाध रखने की अपील की थी। रिपोर्ट के अनुसार, इस समझौते पर ईरान की भी सहमति बनी है और दोनों पक्ष 19 जून को जिनेवा में औपचारिक हस्ताक्षर करेंगे। (इनपुटः IANS)

संक्षिप्त समाचार

G7 में मोदी-कार्नी की मुलाकात, FTA जल्द पूरा करने पर जोर

एवियन (फ्रांस)। G7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों, व्यापार और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते को अपनी प्रस्तावित कनाडा यात्रा से पहले पूरा करने की इच्छा जताई। उन्होंने कहा कि भारत और कनाडा तकनीक, ऊर्जा सुरक्षा और निवेश के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। साथ ही भारतीय समुदाय के प्रति कनाडा सरकार के सहयोग के लिए आभार भी व्यक्त किया।

NEET परीक्षा के दिन नहीं होगा रेलवे का मेगा ब्लॉक

मुंबई/लखनऊ। 21 जून को आयोजित होने वाली नीट-यूजी 2026 परीक्षा को देखते हुए वेस्टर्न रेलवे ने घोषणा की है कि परीक्षा के दिन कोई 'मेगा ब्लॉक' नहीं होगा। उपनगरीय रेल सेवाएं सामान्य रूप से संचालित की जाएंगी। वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परीक्षा में शामिल होने वाले लगभग 3.5 लाख अभ्यर्थियों को रोडवेज बसों में 50 प्रतिशत किराया छूट देने के निर्देश दिए हैं। साथ ही जरूरतमंद छात्रों के लिए अस्थायी आवास की व्यवस्था करने को कहा गया है। उधर, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी अधिकारियों को नीट परीक्षा का पारदर्शी, सुरक्षित और त्रुटिरहित संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

G7 शिखर सम्मेलन में भारत की कूटनीतिक ताकत का प्रदर्शन

प्रधानमंत्री मोदी ने यूरोपीय संघ और जर्मनी के नेताओं से की अहम वार्ता

समाज जागरण

एवियन (फ्रांस), 17 जून। G7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती कूटनीतिक भूमिका का प्रभावी प्रदर्शन करते हुए यूरोपीय संघ और जर्मनी के शीर्ष नेताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठकें कीं। प्रधानमंत्री ने यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर लेयेन के साथ त्रिपक्षीय बैठक कर भारत-यूरोप सहयोग को नई दिशा देने पर चर्चा की।

इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज. के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, रक्षा,

सूचना प्रौद्योगिकी, हरित विकास, नवाचार और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। भारत और जर्मनी के बीच राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा कि जर्मन चांसलर के साथ उनकी बातचीत अत्यंत सफल रही और दोनों देशों ने आर्थिक एवं सस्कृतिक संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के उपायों पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भी बताया कि दोनों नेताओं ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को जल्द अंतिम रूप देने की आवश्यकता पर बल दिया।

शिखर सम्मेलन के दौरान अब सबसे अधिक निगाहें प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रस्तावित द्विपक्षीय बैठक पर टिकी हैं। माना जा रहा है कि दोनों नेता व्यापार समझौते, रक्षा सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा, महत्वपूर्ण खनिजों तथा वैश्विक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर व्यापक चर्चा करेंगे। दोनों नेताओं की यह आमने-सामने की मुलाकात पिछले 16 महीनों में पहली होगी।

– समाज जागरण ब्यूरो

भारत पर हमला हुआ तो अमेरिका साथ खड़ा होगा: प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में ट्रंप का बड़ा बयान

समाज जागरण

वॉशिंगटन/एवियन, 17 जून। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर बड़ा बयान देते हुए कहा है कि यदि भारत पर कोई हमला होता है तो अमेरिका उसके समर्थन में खड़ा होगा। ट्रंप ने यह टिप्पणी प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में की, जिसे भारत-अमेरिका संबंधों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ट्रंप ने कहा, "अगर प्रधानमंत्री मोदी भारत के नेता हैं और भारत पर कोई हमला होता है, तो अमेरिका भारत के लिए मौजूद रहेगा, भले ही इस संबंध में कोई औपचारिक या लिखित समझौता न हो। कोई दूसरा नेता हो तो मैं यह नहीं कह सकता, लेकिन

मोदी के साथ हमारा विशेष विश्वास और समझ है।"

अमेरिकी राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि भारत और अमेरिका के संबंध केवल कूटनीतिक समझौतों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि दोनों देशों के बीच मजबूत विश्वास, रणनीतिक साझेदारी और साझा हितों पर आधारित हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर तेजी से उभरती हुई शक्ति है और जब तक नरेंद्र मोदी देश का नेतृत्व कर रहे हैं, तब तक भारत अंतरराष्ट्रीय मंच पर बड़ी और प्रभावशाली भूमिका निभाता रहेगा।

ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है जब दोनों देशों के बीच व्यापार, रक्षा, ऊर्जा और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सहयोग को लेकर लगातार चर्चा चल रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति की यह टिप्पणी भारत-अमेरिका रणनीतिक संबंधों को और मजबूती देने का संकेत है।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, ट्रंप द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के प्रति व्यक्त किया गया यह भरोसा दोनों नेताओं के बीच व्यक्तिगत और राजनीतिक संबंधों की गहराई को भी दशार्ता है। आने वाले समय में रक्षा, तकनीक, ऊर्जा और वैश्विक सुरक्षा के मुद्दों पर दोनों देशों के बीच सहयोग और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

– समाज जागरण डेस्क

स्मृति मंधाना का महारिकॉर्ड, महिला टी20 विश्व कप में रचा इतिहास

समाज जागरण

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने महिला टी20 विश्व कप में नया इतिहास रच दिया है। नीदरलैंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 74 रन की शानदार पारी खेलते हुए मंधाना महिला टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने वाली पहली भारतीय बल्लेबाज बन गईं।

47 गेंदों में खेली गई अपनी आक्रामक पारी में मंधाना ने 11 चौके और एक छक्का लगाया। उनकी दमदार बल्लेबाजी की बदौलत भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 209 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

इस अर्धशतक के साथ स्मृति

मंधाना के नाम महिला टी20 विश्व कप में अब कुल छह 50+ स्कोर दर्ज हो गए हैं। उन्होंने इस मामले में भारतीय महिला क्रिकेट की दो दिग्गज खिलाड़ियों मिताली राज और हरमनप्रीत कौर को पीछे छोड़ दिया है, जिनके नाम इस टूनार्मेंट में पांच-पांच 50+ स्कोर दर्ज थे। मंधाना का यह रिकॉर्ड उनकी लगातार शानदार फॉर्म और बड़े मंच पर प्रभावी प्रदर्शन का प्रमाण माना जा रहा है। इसके अलावा यह उनके टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का 36वां पचास या उससे अधिक का स्कोर भी रहा।

भारतीय महिला क्रिकेट में स्मृति मंधाना की यह उपलब्धि एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ती है। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि उनकी यह पारी टीम इंडिया के विश्व कप अभियान के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

प्रमुख बिंदु

- स्मृति मंधाना ने नीदरलैंड के खिलाफ 74 रन बनाए।
- 47 गेंदों की पारी में 11 चौके और 1 छक्का लगाया।
- महिला टी20 विश्व कप में 6वां 50+ स्कोर बनाया।
- ऐसा करने वाली पहली भारतीय बल्लेबाज बनीं।
- मिताली राज और हरमनप्रीत कौर का रिकॉर्ड तोड़ा।
- टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यह उनका 36वां 50+ स्कोर रहा।

देश की खाद्य सुरक्षा को मिलेगी नई मजबूती

सरकार लॉन्च करेगी स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम

समाज जागरण

नई दिल्ली, 17 जून। देश में खाद्यान्न भंडारण व्यवस्था को आधुनिक और तकनीक-सक्षम बनाने की दिशा में केंद्र सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी) 18 जून को नई दिल्ली के भारत मंडपम में स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम का शुभारंभ करेगा। इस अवसर पर केंद्रीय उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम को एकीकृत तकनीक आधारित समाधान के रूप में विकसित किया गया है, जिसका उद्देश्य खाद्यान्न भंडारण और गोदाम प्रबंधन को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और आधुनिक बनाना है। सरकार का मानना है कि यह पहल देश की खाद्य सुरक्षा को दीर्घकालिक रूप से मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

नई प्रणाली में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), स्वचालन (ऑटोमेशन) और डेटा विश्लेषण जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाएगा। इसके माध्यम से गोदामों की रियल टाइम निगरानी, स्टॉक की सटीक जानकारी, डिजिटल प्रवेश प्रबंधन तथा संचालन की दक्षता में उल्लेखनीय सुधार संभव होगा।

अधिकारियों के अनुसार, इस प्रणाली के जरिए प्रवेश द्वार और वेटब्रिज संचालन का स्वचालन, गोदामों की स्मार्ट मॉनिटरिंग, खाद्यान्न स्टॉक की बेहतर दृश्यता और एकीकृत डैशबोर्ड के माध्यम से सभी गतिविधियों पर वास्तविक समय में नजर रखी जा सकेगी।

मंत्रालय ने बताया कि यह पहल डिजिटल इंडिया, इंडिया एआई मिशन, पीएम गतिशक्ति और आत्मनिर्भर भारत जैसे राष्ट्रीय अभियानों के उद्देश्यों के अनुरूप है। इसका लक्ष्य खाद्यान्न आपूर्ति श्रृंखला में डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देना और भंडारण व्यवस्था को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाना है।

लगातार चौथे दिन शेयर बाजार में तेजी

मुंबई, 17 जून। भारतीय शेयर बाजार में बुधवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में तेजी दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स 347 अंक बढ़कर 77,155.62 और निफ्टी-50 96 अंक चढ़कर 24,085.70 पर बंद हुआ। बाजार में कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, मेटल और पीएसयू बैंकिंग शेयरों में मजबूत खरीदारी देखने को मिली। मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों ने भी बेहतर प्रदर्शन किया।

विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका-ईरान शांति प्रक्रिया में प्रगति और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। आने वाले दिनों में बाजार की दिशा अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसलों और वैश्विक घटनाक्रमों पर निर्भर करेगी।

सफदरजंग एयरपोर्ट की सुरक्षा अब CISF के हवाले, 213 एकड़ क्षेत्र की संभाली कमान

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली स्थित सफदरजंग एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था अब केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के हवाले कर दी गई है। मंगलवार को आयोजित एक विशेष समारोह में सीआईएसएफ ने औपचारिक रूप से एयरपोर्ट की सुरक्षा कमान संभाल ली। इसके साथ ही सफदरजंग एयरपोर्ट देश का 73वां हवाई अड्डा बन गया है, जिसकी सुरक्षा सीआईएसएफ द्वारा की जाएगी।

करीब 213 एकड़ में फैले इस एयरपोर्ट की सुरक्षा के लिए सीआईएसएफ आधुनिक सुरक्षा उपकरणों और उन्नत निगरानी प्रणालियों के साथ तैनात हुई है। यह कदम गृह मंत्रालय की उस नीति के तहत उठाया गया है, जिसका उद्देश्य देश के नागरिक उड्डयन ढांचे की सुरक्षा को और मजबूत बनाना है।

हस्तांतरण समारोह में सीआईएसएफ की अतिरिक्त महानिदेशक बिनीता ठाकुर, आईजी सेंथिल ए. कृष्णराज, डीआईजी बाबूराम, डीआईजी धीरज शुक्ला सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। वहीं, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की ओर से सफदरजंग एयरपोर्ट के निदेशक के.सी. मीणा ने भाग लिया।

तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों का NCPI में विलय

भारतीय राजनीति के इतिहास में कई ऐसे घटनाक्रम दर्ज हैं जिन्होंने रातोंरात सत्ता के समीकरणों को बदलकर रख दिया है। इसी कड़ी में पश्चिम बंगाल के सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस से 20 सांसदों का अलग होकर नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया में शामिल होना एक ऐसा राजनीतिक भूचाल है जिसकी गूंज पूरे देश में सुनाई दे रही है। यह घटना महज कुछ नेताओं का पाला बदलना नहीं है बल्कि एक सुस्थापित राजनीतिक दल के भीतर उपजे गहरे असंतोष और महत्वाकांक्षाओं के टकराव का परिणाम है। लंबे समय तक मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बेहद करीब रहीं काकोली घोष दस्तीदार के नेतृत्व में हुआ यह विभाजन भारतीय लोकतंत्र की उस गतिशीलता को दर्शाता है जहां कोई भी संगठन पूरी तरह अजेय नहीं होता। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही भारतीय राजनीति में पाला बदलने और नई विचारधाराओं के साथ चलने की परंपरा रही है लेकिन जब इतनी बड़ी संख्या में सांसद एक साथ अपनी पुरानी वफादारी छोड़ते हैं तो इसके मायने बहुत गहरे होते हैं। यह घटना इस बात का सटीक उदाहरण है कि कैसे राजनीतिक असंतोष धीरे धीरे पककर एक बड़े विस्फोट का रूप ले लेता है।

इस पूरे राजनीतिक घटनाक्रम की रूपरेखा बहुत ही रणनीतिक तरीके से तैयार की गई। 31 मई 2026 को काकोली घोष दस्तीदार को नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। यह दल कोई बहुत पुरानी या स्थापित ताकत नहीं थी बल्कि इसे 2023 में ही पंजीकृत कराया गया था। अपनी स्थापना के बाद से यह संगठन राजनीतिक परिदृश्य के हाशिये पर ही था लेकिन 20 सांसदों के एकमुश्त विलय ने इसे अचानक राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में ला खड़ा किया है। इसके बाद 14 जून 2026 को इस विलय और नए नेतृत्व की औपचारिक जानकारी भारत के निर्वाचन आयोग को सौंप दी गई। निर्वाचन आयोग को समय पर सूचना देना इस बात का प्रमाण है कि बागी गुट कानूनी और संवैधानिक प्रक्रियाओं का पूरी तरह पालन करते हुए अपने कदम आगे बढ़ा रहा है ताकि उन पर कोई वैधानिक संकट ना आए।

इस विभाजन का सबसे दूरगामी प्रभाव राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन की राजनीति पर पड़ने वाला है। नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया में शामिल हुए इन 20 सांसदों ने स्पष्ट रूप से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को अपना समर्थन देने की घोषणा की है। संसद के भीतर 20 सांसदों का एक झटके में सत्तारूढ़ गठबंधन के पक्ष में चले जाना विपक्ष की एकजुटता के लिए एक बड़ा आघात है। इससे न केवल संसद में संख्या बल का समीकरण पूरी तरह बदल गया है बल्कि विपक्षी दलों के उस मनोबल को भी गहरी ठेस पहुंची है जो वे आगामी चुनावों के लिए तैयार कर रहे थे। पश्चिम बंगाल जो कि हमेशा से गैर कांग्रेसी और गैर सत्ताधारी गठबंधनों का एक मजबूत गढ़ रहा है वहां से उठी यह बगावत अन्य राज्यों के क्षेत्रीय दलों के लिए भी खतरे की घंटी है।

संविधान के जानकारों और राजनीतिक विश्लेषकों की नजर अब दसवीं अनुसूची यानी दल बदल विरोधी कानून पर टिकी है। भारत में निर्वाचित प्रतिनिधियों को मनमर्जी से दल बदलने से रोकने के लिए कड़े नियम बनाए गए हैं। लेकिन जब किसी संगठन के निर्वाचित सदस्यों का एक बड़ा हिस्सा टूटकर अलग होता है और वह आवश्यक वैधानिक अनुपात को पूरा करता है तो सदस्यों की सदस्यता रद्द होने से बच जाती है। यह देखना बहुत दिलचस्प होगा कि निर्वाचन आयोग और संसदीय समितियां इस पूरे मामले का मूल्यांकन किस तरह करती हैं। यदि ये 20 सांसद अपनी सदस्यता बचाने में सफल रहते हैं तो यह काकोली घोष दस्तीदार की एक बहुत बड़ी वैधानिक और रणनीतिक जीत मानी जाएगी। दल बदल कानून का मूल उद्देश्य राजनीतिक अस्थिरता को रोकना था लेकिन समय समय पर नेताओं ने इसके भीतर मौजूद कानूनी रास्तों का उपयोग अपने हित में किया है। अब जब मामला निर्वाचन आयोग के विचाराधीन है तो सभी कानूनी पहलुओं की बहुत ही बारीकी से जांच की जाएगी। इस निर्णय का प्रभाव केवल इन सांसदों के भविष्य पर ही नहीं बल्कि भारत की पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था और भविष्य में होने वाले ऐसे हर विभाजन पर नजीर के रूप में काम करेगा।

तृणमूल कांग्रेस के लिए यह स्थिति गहन आत्मनिरीक्षण की है। दशकों के लंबे और कड़े संघर्ष के बाद जिस दल ने पश्चिम बंगाल में अपना अभेद्य किला बनाया था उस किले में इतनी बड़ी सेंध लगना नेतृत्व की कार्यशैली पर सवाल उठाता है। दल को अब न केवल अपने बचे हुए नेताओं और कार्यकताओं का भरोसा जीतना होगा बल्कि जमीन पर जनता के बीच भी यह संदेश देना होगा कि यह टूट उनके जनाधार को कमजोर नहीं कर सकती। राज्य का राजनीतिक इतिहास गवाह है कि यहां की जनता ने हमेशा सशक्त और स्पष्ट विचारधारा वाले नेतृत्व को पसंद किया है। वामपंथी दलों के लंबे शासनकाल को समाप्त करके जब ममता बनर्जी सत्ता में आईं थीं तब जनता ने बदलाव के लिए मतदान किया था। अब यही बदलाव की मांग अगर उनके अपने ही संगठन के भीतर से उठ रही है तो इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता।

दूसरी ओर नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती इन सभी 20 सांसदों को एकजुट रखना और राज्य में अपने लिए एक नया और मजबूत मतदाता आधार तैयार करना होगा। पश्चिम बंगाल की जनता जो राजनीतिक रूप से अत्यधिक जागरूक मानी जाती है वह इस पाला बदल को वैचारिक क्रांति मानती है या अवसरवादिता यह आने वाले चुनाव परिणामों में ही पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगा। इसके अतिरिक्त यह घटना क्षेत्रीय दलों की उस कमजोरी को भी उजागर करती है जहां संगठन का पूरा ढांचा किसी एक व्यक्ति के इर्द गिर्द घूमता है। जब दूसरी पंक्ति के नेताओं को आगे बढ़ने और अपनी बात रखने का उचित मंच नहीं मिलता तो इस तरह के विद्रोह जन्म लेते हैं। काकोली घोष दस्तीदार का कदम अन्य राज्यों में ऐसे नेताओं को भी प्रेरित कर सकता है जो अपने संगठनों में खुद को हाशिए पर महसूस कर रहे हैं। राष्ट्रीय दलों के लिए यह एक बहुत बड़ा अवसर होता है जब वे क्षेत्रीय दलों के असंतुष्ट नेताओं को अपने साथ जोड़कर अपने राजनीतिक आधार का विस्तार करते हैं। नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल करने के पीछे भी यही रणनीति काम कर रही है। इससे सत्ताधारी गठबंधन को उस क्षेत्र में भी अपनी जड़ें मजबूत करने का मौका मिलेगा जहां वह अब तक कमजोर माना जाता रहा है।

अंततः यह घटनाक्रम केवल एक राज्य तक सीमित रहने वाला नहीं है। यह पूरे देश के राजनीतिक विचारकों को यह सोचने पर मजबूर करता है कि सत्ता के केंद्रीकरण और आंतरिक लोकतंत्र की कमी के क्या परिणाम हो सकते हैं। 2026 का यह वर्ष भारतीय राजनीति में नए गठबंधनों पुराने रिश्तों के टूटने और महत्वाकांक्षाओं की नई उड़ान के लिए याद किया जाएगा। काकोली घोष दस्तीदार के रूप में उभरा नया नेतृत्व और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को मिला उनका समर्थन भविष्य की राजनीति की एक ऐसी पटकथा लिख रहा है जिसका हर पन्ना अनिश्चितताओं से भरा है।

महेन्द्र तिवारी

दोहरा चरित्र ही समाजवादी पार्टी की असली पहचान

संजय सक्सेना, लखनऊ

राजनीति में दोहरे मापदंड कोई नई बात नहीं है, लेकिन समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पिछले कुछ हफ्तों में जो तस्वीर पेश की है, वह किसी भी संवेदनशील नागरिक को सोचने पर मजबूर कर देती है। एक तरफ अयोध्या के राम मंदिर में चंदे की चोरी का मामला उठाकर वे हिंदू समाज और सनातन धर्म को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ गाजियाबाद के खोड़ा में 17 साल के सूर्या चौहान की निर्मम हत्या पर उनके होंठ सिले हुए हैं। यह महज संयोग नहीं, यह सोची-समझी सियासत है। मुरादाबाद में अपने सांसद जावेद अली के उस बयान पर कुछ नहीं बोलते हैं, जिसमें वह बहुसंख्यक समाज को जहरीला बताता है। मुस्लिम युवाओं से हिंदू दोस्तों को कन्वर्ट करने की बात खुलेआम कहता है। हिंदुओं को बांटने के लिए ब्राह्मण नेताओं का सम्मेलन कराते हैं। दरअसल, सात जून को अखिलेश यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके राम मंदिर के दानपात्र में करोड़ों रुपये की हेराफेरी का आरोप लगाया। बात यहीं नहीं रुकी। आगरा में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने पुजारियों की जांच को सनातन का अपमान बताया। अब सवाल यह है कि जब वही पुजारी या मंदिर परिसर के कर्मचारी चोरी के आरोपी हों तो जांच क्यों न हो? लेकिन अखिलेश की राजनीतिक फितरत यह है कि किसी एक घटना को पूरे हिंदू समाज के माथे पर चिपका दो और फिर सियासी रोटी सेंको। दानपात्र से चोरी करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया गया, उत्तर प्रदेश सरकार ने एसआईटी भी बना दी, लेकिन अखिलेश को यह कार्रवाई नहीं दिखी क्योंकि दिखती तो उनका नैरेटिव ही ध्वस्त हो जाता।

इसी बीच मुरादाबाद में सपा के राज्यसभा सांसद जावेद अली खान ने पीडीए सम्मेलन में जो कहा, वह पूरे प्रदेश की राजनीति को एक बार फिर झकझोर गया। उन्होंने सार्वजनिक मंच से कहा कि देश का बहुसंख्यक हिंदू समाज जहरीला हो गया है। फिर उन्होंने मुस्लिम कार्यकताओं को नसीहत दी कि हर मुसलमान कम से कम चार ऐसे हिंदू दोस्त बनाए, जिन पर हिंदू समाज खुद भरोसा करता हो, ताकि उनके जरिए बीजेपी को सत्ता से बाहर किया जा सके। यानी हिंदुओं को ही हिंदुओं के खिलाफ इस्तेमाल करने की खुलेआम रणनीति। यह बयान जितना विवादित है, उतना ही खतरनाक भी। लेकिन अखिलेश यादव? उन्होंने इस बयान पर एक शब्द नहीं बोला। न निंदा, न खंडन, न स्पष्टीकरण। यही उनकी राजनीति का असली चेहरा है। पार्टी के मुस्लिम नेता जो चाहें बोलें, अखिलेश की तरफ से पूरी तरह मौन समर्थन मिलता रहेगा। यही वह दोमुंही सियासत है, जो दशकों से यूपी की राजनीति में जहर घोलती आ रही है। अब जरा खोड़ा की उस गली पर भी नजर डालिए, जहां 28 मई को बकरीद के दिन 11वीं के छात्र सूर्या चौहान को उसके दोस्त असद और उसके साथियों ने चाकू से गोद दिया। इलाज के दौरान सूर्या ने दम तोड़ दिया। मां की आंखों में आंसू थे, भाई का दर्द शब्दों में बयां नहीं हो सकता था। पूरे इलाके में तनाव था। लेकिन समाजवादी पार्टी के सबसे बड़े नेता अखिलेश यादव के मुंह से न निंदा के दो शब्द निकले, न पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना का एक वाक्य। जैसे घटना हुई ही नहीं। और जब पुलिस ने आरोपी असद का एनकाउंटर किया, तब सपा के प्रवक्ता अमीक जामेई ने एनकाउंटर पर सवाल उठाने की कोशिश की। यानी जब एक हिंदू छात्र की हत्या हुई तब चुप्पी, और जब हत्यारे पर कार्रवाई हुई तब आवाज उठाई। पर्दे के पीछे की बात यह है कि सपा के भीतर इस एनकाउंटर को मुस्लिम समुदाय के खिलाफ बताकर बड़ा मुद्दा बनाने की रणनीति बनी थी, लेकिन सूर्या हत्याकांड का वीडियो सामने आने के बाद पार्टी को बैकफुट पर आना पड़ा।

यह कोई इकलौती घटना नहीं है। यूपी की राजनीति में अखिलेश यादव का यही ढर्रा रहा है। जब भी किसी मुस्लिम नेता ने विवादित बयान दिया, अखिलेश ने मौन साध लिया। जब भी किसी हिंदू के साथ अन्याय हुआ और आरोपी किसी खास वर्ग से रहा, सपा की तरफ से पीड़ित परिवार को ढांढस देने कोई नहीं गया। लेकिन जब भी किसी अपराधी का एनकाउंटर हुआ, जो मुसलमान था, तब एनकाउंटर पर सवाल उठाने की पूरी ताकत लगा दी गई। यह तथाकथित पीडीए यानी पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक की राजनीति का वह असली रूप है, जिसे अखिलेश ने बड़ी चालाकी से गढ़ा है। समाजवादी पार्टी की इस राजनीति को समझने के लिए दो एनकाउंटर की तुलना काफी है। गाजीपुर में विनीत राय हत्याकांड के आरोपी कमलेश बिंद का एनकाउंटर हुआ। तब अखिलेश यादव खुद, उनकी सांसद पत्नी डिंपल यादव, महासचिव शिवपाल यादव और रामगोपाल यादव तक ने बयान दिया। लेकिन सूर्या के हत्यारे असद के एनकाउंटर पर? सन्नाटा। दोनों एनकाउंटर, दो अलग प्रतिक्रियाएं, एक ही फर्क था कि आरोपी किस धर्म का था। यह वोट बैंक की राजनीति का सबसे नंगा चेहरा है।

अखिलेश यादव की इस दोमुंही सियासत की जड़ें बहुत गहरी हैं। मुलायम सिंह यादव के जमाने से ही सपा की रणनीति रही है कि मुसलमानों को एकजुट रखो और हिंदुओं को जातियों में बांटे रखो। इसी फामूर्ले को अखिलेश ने पीडीए के नए आवरण में लपेटकर परोसा है। जावेद अली खान का बयान इसी रणनीति का हिस्सा है, जहां मुस्लिम कार्यकताओं को हिंदुओं के बीच पैठ बनाने के लिए कहा जा रहा है, न सामाजिक सद्भाव के लिए बल्कि बीजेपी को हराने के राजनीतिक लक्ष्य के लिए। उधर, 2027 के विधानसभा चुनाव करीब आ रहे हैं और यूपी की राजनीति में हर पार्टी अपनी जमीन तैयार कर रही है। अखिलेश यादव ने राम मंदिर के चंदे का मुद्दा उठाकर भाजपा को उसी के हिंदुत्व के मैदान में घेरने की कोशिश की है। लेकिन इस कोशिश में वे यह भूल गए, या जानबूझकर नजरअंदाज किया कि किसी मंदिर में कुछ लोगों की बेईमानी को पूरे हिंदू समाज का दाग नहीं बनाया जा सकता। मंदिर ट्रस्ट और सरकार दोनों ने तत्काल कार्रवाई की, एसआईटी बनाई, गिरफ्तारियां हुईं। यही तो होना चाहिए था। लेकिन अखिलेश चाहते हैं कि यह मुद्दा सुलगता रहे, क्योंकि इसी सुलगन से उनकी सियासी रोटी सिकती है।

आज राम मंदिर के दानपात्र से चोरी की घटना से अखिलेश जितना आहत दिखाई दे रहे हैं, उससे अधिक दर्द समाजवादी पार्टी ने 1990 में तब दिया था, जब मुलायम सरकार ने 16 निहत्थे कारसेवकों को गोली से भून दिया था। बाद में मुलायम ने यहां तक कहा कि हमें 16 की जगह 40 मारने पड़ते तो भी हम हिचकते नहीं। कारसेवकों की हत्या के बाद मुलायम मुसलमानों से कहते थे कि इससे अधिक हम आपके लिए क्या कर सकते हैं। बहरहाल, यूपी की जनता अब समझदार हो चुकी है। वह देख रही है कि कौन कब बोलता है और कौन कब चुप रहता है। सूर्या की मां का दर्द और अखिलेश यादव की चुप्पी, दोनों एक साथ दर्ज हो चुकी हैं इतिहास के पन्नों पर। जावेद अली खान का बयान और अखिलेश का मौन समर्थन, यह भी दर्ज है। राम मंदिर पर उनकी सक्रियता और खोड़ा में एक हिंदू छात्र की हत्या पर उनकी निष्क्रियता, यह दोहरा चरित्र ही समाजवादी पार्टी की असली पहचान बन चुका है। 2027 में जनता इस पहचान का जवाब जरूर देगी।

हथियार बाजार में बिखराव, भारत के लिए बढ़त बनाने का बड़ा मौका

दशकों से वैश्विक हथियार व्यवस्था अमेरिका के दबदबे, रूसी प्रतिस्पर्धा, यूरोप की चुनिंदा विशेषता और निर्भर आयातकों की एक बड़ी दुनिया से बनी हुई थी। लेकिन यह युग परिवर्तनशील है

करीब आठ दशक तक जापान के संवैधानिक ढांचे ने यह सुनिश्चित किया कि उसका रक्षा उत्पादन प्राथमिक तौर पर घरेलू जरूरतों को पूरा करने पर केंद्रित रहेगा और वह भूराजनीतिक प्रभाव या वाणिज्यिक साधन की भूमिका नहीं निभाएगा। लेकिन इस साल अप्रैल में यह निर्णय लिया गया कि घातक सैन्य साजो-सामान के निर्यात को शिथिल किया जाएगा। यह हमें बताता है कि बड़ी शक्तियां अब उभरते भूराजनीतिक माहौल को किस तरह देखती हैं।

दशकों से वैश्विक हथियार व्यवस्था अमेरिका के दबदबे, रूसी प्रतिस्पर्धा, यूरोप की चुनिंदा विशेषता और निर्भर आयातकों की एक बड़ी दुनिया से बनी हुई थी। लेकिन यह युग परिवर्तनशील है। नए आपूर्तिकर्ता विश्वसनीय औद्योगिक क्षमताओं के साथ बाजार में प्रवेश कर रहे हैं। पारंपरिक आपूर्तिकर्ता या तो घरेलू सामरिक मांग में व्यस्त हैं या भू-राजनीतिक परिस्थितियों से बाधित हैं। वहीं खरीदार अब किसी एक स्रोत पर सैन्य तकनीक या आपूर्ति के लिए निर्भर रहने से लगातार हिचकिचा रहे हैं।

खाड़ी देशों, विशेषकर संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब, जो पारंपरिक रूप से बड़े खरीदार रहे हैं। वे अब तेजी से वैकल्पिक मॉडल विकसित करने की ओर देख रहे हैं। परिणामस्वरूप यह पुराने क्रम का पतन नहीं बल्कि एक अधिक विविध और प्रतिस्पर्धी बाजार का क्रमिक उदय दिख रहा है जिसमें खरीदारों के लिए रणनीतिक स्वायत्तता एक प्रमुख सिद्धांत बन गई है।

अमेरिकी रक्षा निर्यात कभी भी केवल वाणिज्यिक लेनदेन नहीं होते हैं। वे एक व्यापक राजनीतिक और रणनीतिक संरचना में निहित हैं जो सैन्य खरीद को गठबंधन ढांचों, खुफिया संबंधों, पारस्परिक संचालन व्यवस्थाओं और व्यापक भू-राजनीतिक संरेखण से जोड़ती है। यह मॉडल प्रभावशाली बना हुआ है लेकिन अब पहले जैसी आभा नहीं रखता। अमेरिकी सैन्य शक्ति समग्र क्षमता में बेजोड़ हो सकती है, लेकिन उसकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धताओं को कई क्षेत्रों में बनाए रखने की इच्छा, क्षमता और विश्वसनीयता पर बहस हो रही है। भारत के लिए यहां एक दिलचस्प विरोधाभास है।

पिछले दो दशकों में भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग में अभूतपूर्व विस्तार हुआ। अमेरिकी विमान, हेलीकॉप्टर, तोपखाने, निगरानी प्लेटफॉर्म और समुद्री संसाधन भारत के सैन्य आधुनिकीकरण के महत्त्वपूर्ण घटक बन गए। भारत ने अमेरिकी तकनीक और सहयोग का स्वागत किया लेकिन उन गठबंधन ढांचों को नहीं अपनाया जो आमतौर पर अन्य जगहों पर ऐसे सैन्य संबंधों के साथ आते हैं। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में पाकिस्तान के साथ अमेरिकी जुड़ाव ने हालात को और जटिल बना दिया है। ऐसा जुड़ाव सीमित होने के बाद भी भारत की विविध स्रोतों से खरीद की सहज प्रवृत्ति को मजबूत करता है। हाल ही में अमेरिकी प्लेटफॉर्मों की तुलना में यूरोपीय प्लेटफॉर्मों को प्राथमिकता देने में यह परिलक्षित होता है।

रूस का रक्षा औद्योगिक आधार प्रतिबंधों से जुड़ी बाधाओं, श्रम की कमी और घरेलू सैन्य आवश्यकताओं को प्राथमिकता देने के कारण भारी दबाव में है। निर्यात प्रतिबद्धताएं धीमी हो गई हैं, रखरखाव की समयसीमाएं अनिश्चित हो गई हैं और एशिया, अफ्रीका तथा पश्चिम एशिया में रूसी आपूर्ति श्रृंखलाओं की दीर्घकालिक विश्वसनीयता का पुनर्मूल्यांकन किया जा रहा है। जो बाजार ऐतिहासिक रूप से रूसी प्लेटफॉर्मों पर निर्भर थे वे अब सेवा, कलपुर्जों और रखरखाव के लिए वैकल्पिक साझेदारों की तलाश कर रहे हैं। साथ ही वे नई आपूर्ति भी चाहते हैं जिनमें विश्वसनीय तकनीक हो और बहुत अधिक राजनीतिक शर्तें न हों। भारत के पास रूसी प्लेटफॉर्मों पर व्यापक औद्योगिक क्षमता है। वह इस खालीपन को भर सकता है।

चीन का रक्षा-औद्योगिक विस्तार किफायत, तेज आपूर्ति, वित्तीय लचीलेपन और सीमित राजनीतिक शर्त के संयोजन संचालित है। यह उसे एक उभरते वैश्विक प्रतिस्पर्धी के रूप में स्थापित कर रहा है। विशेषकर लागत के लिहाज से संवेदनशील बाजारों में। जहाज निर्माण और इलेक्ट्रॉनिक्स में चीन का विनिर्माण पैमाना अब बेहद मजबूत है। यूक्रेन संघर्ष और अमेरिका द्वारा यूरोपीय देशों पर नाटो में अहम भूमिका निभाने का दबाव यूरोपीय रक्षा खर्च में बढ़ोतरी की वजह बना है और इसने उन्हें घरेलू सैन्य तैयारी रखने पर विचार करने पर विवश किया है।

यूरोप अभी भी एरोस्पेस इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और उच्चस्तरीय रक्षा विनिर्माण में उन्नत क्षमताओं का मालिक है। फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन औद्योगिक क्षमताओं को दोबारा तैयार करने में भारी निवेश कर रहे हैं जो पहले ही कम हो गई थीं। यह आंतरिक उन्मुखता अस्थायी रूप से यूरोपीय कंपनियों की प्रतिस्पर्धा की तीव्रता को कम कर सकती है खासकर उन निर्यात बाजारों में जो उनके तत्काल रणनीतिक वातावरण से बाहर हैं।

इसी नए संदर्भ में नए एशियाई आपूर्तिकताओं का उदय विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण हो जाता है। दक्षिण कोरिया तोपखाना, बख्तरबंद प्रणालियों और जहाज निर्माण में एक प्रतिस्पर्धी निर्यातक के रूप में उभरा है। तुर्किये ने मानवरहित प्रणालियों का उपयोग करके अपने तत्काल क्षेत्र से कहीं आगे तक सामरिक प्रभाव बनाया है। जापान का प्रवेश विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण है क्योंकि उसके औद्योगिक आधार का पैमाना और परिष्कार अत्यधिक है।

जहाज निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, सामग्री इंजीनियरिंग और सटीक प्रणालियों में जापानी विनिर्माण क्षमताएं लंबे समय से वैश्विक स्तर पर सम्मानित रही हैं। नई नीति लागू होने के साथ जापानी रक्षा विनिर्माण की बाहरी भूमिका और अधिक संभव हो गई है। भारत के लिए यह परिवर्तन अवसर और रणनीतिक जटिलता दोनों प्रस्तुत करता है। भारत स्वयं दुनिया के सबसे बड़े हथियार आयातकों में से एक देश से अब एक महत्त्वपूर्ण रक्षा निमार्ता और निर्यातक बनने की ओर अग्रसर है।

उभरती प्रौद्योगिकियां जैसे कि ड्रोन, अंतारिक्ष, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, साइबर युद्ध आदि वे क्षेत्र हैं जहां भारत की बढ़ती क्षमताएं पारंपरिक सैन्य-औद्योगिक कमियों की भरपाई कर सकती हैं। निर्यात की संख्यात्मक वृद्धि से भी अधिक महत्त्वपूर्ण है भारत की स्थिति का स्वरूप। हथियार निर्यात बाजार में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को अब एक परिसंपत्ति के रूप में देखा जा रहा है। भारत के पास भू-राजनीतिक विश्वसनीयता, बढ़ती तकनीकी क्षमता और एक समृद्ध रक्षा नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र है।

भारत इस अवसर का पूरा लाभ ले पाएगा या नहीं यह इस पर निर्भर करेगा कि वह गुणवत्ता, विश्वसनीयता, वित्तपोषण, सेवा और तकनीकी नवाचार को बड़े पैमाने पर प्रदान करने में कितना सक्षम है। शीत युद्ध के बाद के लंबे काल में अंतरराष्ट्रीय हथियार बाजार को नियंत्रित करने वाली रणनीतिक निश्चितताएं अब धीरे-धीरे एक अधिक बहुल और प्रतिस्पर्धी व्यवस्था को रास्ता दे रही हैं। वे देश जो इस परिवर्तन के साथ जल्दी अनुकूलन करेंगे आने वाले हथियार बाजार की संरचना को आकार देंगे। भारत के पास उनमें से एक बनने की संभावना है।

(18 जून – महारानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर विशेष)

वीरों की शान झाँसी की रानी...!

वीरों की वह शान थीं,
झाँसी की महारानी,
देश-भक्ति की ज्योति थीं,
लक्ष्मीबाई रानी।
नन्हीं-सी उम्र से ही साहस
का पाठ पढ़ाया,
अन्याय-अत्याचारों से
डटकर युद्ध लड़ाया।

हाथों में तलवार लिए जब
रणभूमि में आईं,
दुश्मनों के दिल में, वीरता
की धाक जमाई।
मातृभूमि रक्षा हेतु जीवन
अपना वार दिया,
स्वतंत्रता के पावन 'पथ'
इतिहास रच दिया।

वीरांगना का नाम सुन मन
गर्व से भर जाता,
त्याग और साहस, सभी को
प्रेरणा दे जाता।
जय-2 झाँसी की रानी,
भारत का अभिमान,
सदा अमर रहेगा संसार में
उनका गौरवगान।

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्य प्रदेश)

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर नोएडा में तीन दिवसीय विकास प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा, 17 जून। केंद्र सरकार के सफल एवं जनकल्याणकारी शासन के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनपद गौतमबुद्धनगर में आयोजित तीन दिवसीय "विकास प्रदर्शनी" का बुधवार को भव्य शुभारंभ किया गया। सेक्टर-91 स्थित पंचशील बालक इंटर कॉलेज परिसर में आयोजित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन सांसद डॉ. महेश शर्मा ने फीता काटकर किया।

इस अवसर पर डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों और विकास कार्यों की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से इस प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश और प्रदेश में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है तथा सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है।

17 से 19 जून तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं, उपलब्धियों और विकास कार्यों को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी में युवा सशक्तिकरण, महिला एवं गरीब कल्याण, आधारभूत संरचना, औद्योगिक विकास, आंतरिक सुरक्षा, सुशासन और विकसित उत्तर प्रदेश-2047 के विजन से संबंधित जानकारियां आमजन को उपलब्ध कराई जा रही हैं। सूचना विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल में केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों की समग्र झलक प्रस्तुत की गई। वहीं, सूचना विभाग का "सेल्फी विद पीएम" प्वाइंट लोगों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। बड़ी संख्या में आगंतुकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कटआउट के साथ सेल्फी लेकर अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

प्रदर्शनी में सूचना विभाग, शिक्षा विभाग, कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, समाज कल्याण विभाग, उद्योग विभाग, श्रम विभाग, पशुपालन विभाग, मत्स्य विभाग, वन विभाग और सेवायोजन विभाग सहित कई विभागों ने अपने स्टॉल लगाए हैं। इन स्टॉलों के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

श्रम विभाग द्वारा 25 श्रमिकों का पंजीकरण किया गया, जबकि स्वास्थ्य विभाग के जन स्वास्थ्य शिविर में छह लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। अन्य विभागों ने भी अपनी योजनाओं से संबंधित लाभार्थियों को लाभान्वित करने की प्रक्रिया शुरू की।

प्रदर्शनी के दौरान विद्यार्थियों और युवाओं की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जा रहा है। उद्घाटन दिवस पर शिक्षा विभाग द्वारा "कृत्रिम बुद्धिमत्ता" और "संसद में महिला आरक्षण" विषयों पर वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें राजकीय इंटर कॉलेज सेक्टर-12 नोएडा के 30 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में कक्षा 12 की छात्रा सादिया ने प्रथम, कक्षा 10 के छात्र अंशुमान ने द्वितीय तथा कक्षा 8 के छात्र कृष्ण ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

आयोजकों के अनुसार 18 जून को निबंध लेखन प्रतियोगिता तथा 19 जून को चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम में महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, जिला उपाध्यक्ष विनोद शर्मा, सांसद प्रतिनिधि संजय बाली, जिला महामंत्री अमित त्यागी, मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी, सहायक निदेशक सूचना सुनील कुमार कनौजिया, परियोजना निदेशक डीआरडीए नेहा सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

योग सप्ताह के तृतीय दिवस पर जिला कारागार, सीआईएसएफ परिसर एवं एनआईएमटी कॉलेज में आयोजित हुए योग कार्यक्रम

समाज जागरण/संदीप गर्ग

गौतमबुद्ध नगर, 17 जून। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयुष विभाग, गौतमबुद्ध नगर द्वारा संचालित योग सप्ताह के अंतर्गत बुधवार को जनपद के विभिन्न संस्थानों में योगाभ्यास एवं जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। योग सप्ताह के तृतीय दिवस पर जिला कारागार, सीआईएसएफ परिसर सूरजपुर और एनआईएमटी कॉलेज ग्रेटर नोएडा में विशेष योग सत्र आयोजित किए गए।

जिला कारागार गौतमबुद्ध नगर में

आयुष विभाग के योग प्रशिक्षक कुलभूषण धर दुबे एवं मनीष धर दुबे ने योगाभ्यास सत्र का संचालन किया। इस अवसर पर जेलर संजय साही ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नियमित योगाभ्यास स्वस्थ एवं संतुलित जीवन की कुंजी है। कार्यक्रम में बंदियों और कारागार कर्मियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम तथा ध्यान का अभ्यास कराया गया।

वहीं, सीआईएसएफ परिसर सूरजपुर में आयोजित योग शिविर में वरिष्ठ

निरीक्षक कृष्ण चौधरी की उपस्थिति में जवानों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास किया। प्रतिभागियों को योग के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभों की जानकारी देते हुए दैनिक जीवन में योग को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

एनआईएमटी कॉलेज, ग्रेटर नोएडा में आयोजित कार्यक्रम में योगाभ्यास के साथ-साथ स्लोगन लेखन एवं निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कॉलेज के निदेशक सिद्धांत सिंह की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और योग के प्रति अपनी जागरूकता तथा सका-

रात्मक विचारों को प्रस्तुत किया।

इसके अलावा जनपद के सभी राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में कार्यरत आयुर्वेदिक चिकित्सकों, फार्मासिस्टों एवं कर्मचारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में योग शिविर एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों के माध्यम से नागरिकों को योग के महत्व और स्वस्थ जीवनशैली में उसकी भूमिका के बारे में जागरूक किया गया।

क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. वंदना रानी ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के सफल आयोजन के लिए जनपद में व्यापक स्तर पर योग संबंधी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इन प्रयासों से समाज के विभिन्न वर्गों में योग के प्रति जागरूकता और सहभागिता लगातार बढ़ रही है।

आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई: जिलाधिकारी

समाज जागरण/संदीप गर्ग

गौतमबुद्धनगर, 17 जून। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आईजीआरएस पोर्टल की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण, शिकायतकर्ताओं से प्राप्त फीडबैक तथा विभागवार रैंकिंग की विस्तृत समीक्षा की गई।

समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने असंतुष्ट फीडबैक और डिफॉल्टर श्रेणी में आने वाले प्रकरणों पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन विभागों का संतुष्टि स्तर 45 प्रतिशत से कम है, उनके विभागाध्यक्षों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि आईजीआरएस पोर्टल की समीक्षा शासन स्तर पर नियमित रूप से की जाती है तथा इसके आधार पर जनपद की रैंकिंग निर्धारित होती है। इसलिए सभी अधिकारी शिकायतकर्ताओं से दूरभाष पर संवाद स्थापित करते हुए निर्धारित समय सीमा में शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी विभागीय अधिकारी प्रत्येक माह शिकायतों के निस्तारण एवं शिकायतकर्ताओं से वार्ता किए जाने का प्रमाण पत्र उपलब्ध कराएं। प्रमाण पत्र प्रस्तुत न करने वाले विभागों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा और मॉनिटरिंग जनपद स्तरीय मॉनिटरिंग टीम द्वारा भी की जाएगी। शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों को शिकायतकर्ताओं की समस्याओं का त्वरित, प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को प्रतिदिन अपने स्तर पर आईजीआरएस पोर्टल की मॉनिटरिंग करने तथा शिकायतकर्ताओं से नियमित संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके।

बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अजीत कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा, उप जिलाधिकारी जेवर दुर्गेश सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट अरविंद मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर अभय कुमार, चारुल यादव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर)

जनपद स्तरीय सब जूनियर स्विमिंग प्रतियोगिता सम्पन्न, जिलाधिकारी ने विजेता खिलाड़ियों को किया सम्मानित

समाज जागरण/संदीप गर्ग

गौतमबुद्धनगर, 17 जून। जनपद स्तरीय सब जूनियर बालक एवं बालिका स्विमिंग प्रतियोगिता का आयोजन बुधवार को ओलम्पिया अकादमी, बिसरख में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता में जनपद के विभिन्न विद्यालयों एवं प्रशिक्षण केंद्रों से आए सब जूनियर खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न तैराकी स्पधाओं में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

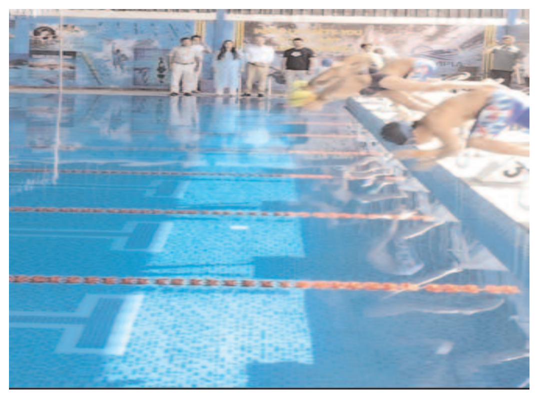

प्रतियोगिता का शुभारंभ जिलाधिकारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल बच्चों के शारीरिक, मानसिक और व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। नियमित खेल गतिविधियों से अनुशासन, आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित होती है, जो जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।

प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और खेल भावना देखने को मिली। विभिन्न आयु वर्गों की तैराकी स्पधाओं में प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतियोगिता के समापन पर जिलाधिकारी ने विजेता खिलाड़ियों को पदक पहनाकर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रतियोगिता में अंडर-11 बालक वर्ग में औरम बिष्ट, मोनाक्ष बेरी और अनिकेत सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया, जबकि अंडर-11 बालिका वर्ग में आरोही रॉय, अदिति राय और अविशी सिंह विजेता रहीं। अंडर-10 बालक वर्ग में वियान सिंह और शौर्यन मलिक ने विभिन्न स्पधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वहीं अंडर-8 वर्ग में आयु त्यागी और गर्गी वर्मा ने कई स्पधाओं में प्रथम स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। छह वर्ष से कम आयु वर्ग में निशांत हूडा और नक्षत्रा अरविंद ने फ्री स्टाइल और ब्रेस्ट स्ट्रोक स्पधाओं में पहला स्थान प्राप्त कर विशेष आकर्षण का केंद्र बने।

प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी डॉ. परवेज अली के निर्देशन में आयोजित यह प्रतियोगिता शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुई। आयोजन के दौरान खिलाड़ियों, अभिभावकों और खेल प्रेमियों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

जिलाधिकारी ने सभी प्रतिभागियों को निरंतर अभ्यास, अनुशासन और खेल भावना के साथ आगे बढ़ने का संदेश देते हुए कहा कि जनपद के प्रतिभावान खिलाड़ी भविष्य में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बनाएंगे।

(सौजन्य : सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर)

अवैध शराब बिक्री पर आबकारी विभाग की कार्रवाई, 30 पव्वे देशी शराब के साथ एक गिरफ्तार

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा, 17 जून। जनपद गौतमबुद्धनगर में अवैध शराब की बिक्री एवं परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत आबकारी विभाग और थाना कासना पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान के दौरान आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-6 एवं थाना कासना पुलिस की संयुक्त टीम ने अरुण तोमर पुत्र पुष्पेंद्र को अवैध रूप से शराब बेचते हुए गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 30 पव्वे दोस्ताना देशी शराब (उत्तर प्रदेश मार्का) 200 एमएल धारिता, कुल 6 बल्क लीटर शराब बरामद की गई। आबकारी विभाग ने बताया कि आरोपी के खिलाफ थाना कासना में उत्तर प्रदेश आबकारी अधिनियम की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की गई है।

अधिकारियों ने बताया कि जनपद में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। – संवाददाता, नोएडा

जनपद में शराब दुकानों और बारों का आकस्मिक निरीक्षण, सीसीटीवी व पीओएस बिक्री सुनिश्चित करने के निर्देश

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा, 17 जून। आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी एवं पुलिस आयुक्त गौतमबुद्धनगर के निर्देशन तथा जिला आबकारी अधिकारी के पर्यवेक्षण में जनपद की देशी शराब, कम्पोजिट शॉप, मॉडल शॉप, प्रीमियम रिटेल शॉप एवं बार अनुज्ञापनों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया।

विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत आबकारी निरीक्षकों द्वारा 16 जून को विभिन्न मदिरा दुकानों और बारों की गहन जांच की गई। निरीक्षण के दौरान दुकानों की कैनटीनों की भी सघन चेकिंग की गई तथा सभी प्रतिष्ठानों पर निर्धारित नियमों के अनुपालन का सत्यापन किया गया। आबकारी विभाग की टीम ने दुकानों पर गोपनीय टेस्ट परचेज (टेस्ट खरीद) भी कराई, ताकि बिक्री प्रक्रिया एवं नियमों के पालन की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सके।

निरीक्षण के दौरान अनुज्ञापियों एवं विक्रेताओं को निर्देशित किया गया कि सभी दुकानों पर स्थापित सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग रियल टाइम संचालित रखी जाए तथा मदिरा की 100 प्रतिशत बिक्री पीओएस (पॉइंट ऑफ सेल) मशीनों के माध्यम से सुनिश्चित की जाए।

आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया कि जनपद में अवैध मदिरा की बिक्री, अनियमितताओं तथा नियमों के उल्लंघन पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने के लिए ऐसे निरीक्षण अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

निजी कंपनी में सहकर्मी के साथ घटना के मामले में दो वांछित आरोपी गिरफ्तार

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा, 17 जून। थाना रबूपुरा पुलिस ने निजी कंपनी में कार्यरत सहकर्मी के साथ हुई घटना के मामले में कार्रवाई करते हुए दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र स्थित एक निजी कंपनी में कार्यरत अभियुक्तों द्वारा अपने सहकर्मी के साथ घटना कारित किए जाने संबंधी शिकायत प्राप्त हुई थी। तहरीर के आधार पर तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित की गई।

थाना रबूपुरा पुलिस ने मैनुअल इंटेलिजेंस एवं गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी दिलशाद अली पुत्र मोहम्मद अहमद एवं जीशान पुत्र शाहिद को सेक्टर-32 चौराहे से गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपी दिलशाद अली (25 वर्ष) तथा जीशान (21 वर्ष) दोनों उत्तराखंड के जनपद ऊधमसिंह नगर स्थित ग्राम काशीपुर के निवासी हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध दर्ज मुकदमे में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार मामले की जांच जारी है और सभी तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

यमुना प्राधिकरण की आवासीय भूखंड योजना का ड्रा आज, लाइव प्रसारण की होगी व्यवस्था

समाज जागरण/संदीप गर्ग

ग्रेटर नोएडा, 17 जून। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (YEIDA) की आवासीय भूखंड योजना आरपीएस-10/2026 के अंतर्गत भूखंडों के आवंटन के लिए ड्रा (लॉटरी) प्रक्रिया 18 जून को सुबह 10 बजे इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित की जाएगी।

प्राधिकरण द्वारा जारी जानकारी के अनुसार भूखंडों का चयन मैनुअल पर्ची प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा। योजना के अंतर्गत प्राप्त सभी आवेदनों की सूची तथा पात्र (Eligible) एवं अपात्र (Ineligible) आवेदकों की जानकारी 15 जून को प्राधिकरण की वेबसाइट पर प्रकाशित की जा चुकी है। ड्रा प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने के लिए आवंटन समिति एवं तीन पर्यवेक्षकों की निगरानी में आयोजन किया जाएगा। पर्यवेक्षकों में एक सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश भी शामिल रहेंगे।

प्राधिकरण ने बताया कि पूरी ड्रा प्रक्रिया की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी कराई जाएगी। साथ ही आवेदकों और आमजन की सुविधा के लिए ड्रा का सीधा प्रसारण (लाइव स्ट्रीमिंग) प्राधिकरण के फेसबुक, यूट्यूब, दूरदर्शन उत्तर प्रदेश चैनल तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी किया जाएगा। प्राधिकरण का कहना है कि ड्रा प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

जातिसूचक टिप्पणी और मारपीट के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त डंडे बरामद

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा, 17 जून। थाना दनकौर पुलिस ने जातिसूचक टिप्पणी, गाली-गलौज और मारपीट के एक मामले में वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त दो डंडे भी बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार वादी ने थाना दनकौर में शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपियों ने उसके भाई के साथ जातिसूचक अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज और मारपीट की, जिससे वह घायल हो गया। शिकायत के आधार पर तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई।

थाना दनकौर पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस एवं गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए गौरव पुत्र बल्ले सिंह तथा चमन पुत्र महेश को जुनैदपुर की मढ़ैया से धनौरी जाने वाले मार्ग से गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी ग्राम रोशनपुर, थाना दनकौर, गौतमबुद्धनगर के निवासी हैं। गौरव की उम्र 28 वर्ष तथा चमन की उम्र 27 वर्ष बताई गई है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त दो डंडे बरामद किए गए हैं। दोनों के विरुद्ध थाना दनकौर में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं तथा एससी/एसटी एक्ट के तहत दर्ज मुकदमे में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी गौरव का पूर्व आपराधिक इतिहास भी सामने आया है, जिसकी जांच की जा रही है। – संदीप गर्ग, नोएडा

जेवर पुलिस की तत्परता से 40 मिनट में मिली गुमशुदा चार वर्षीय बच्ची, परिजनों ने जताया आभार

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा, 17 जून। थाना जेवर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गुम हुई चार वर्षीय बच्ची को मात्र 40 मिनट के भीतर सकुशल बरामद कर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

पुलिस के अनुसार थाना जेवर क्षेत्र में एक चार वर्षीय बच्ची के गुम होने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल खोजबीन शुरू कर दी और आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाश अभियान चलाया। पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के चलते बच्ची को महज 40 मिनट के भीतर सुरक्षित ढूंढ लिया गया। इसके बाद बच्ची को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार बच्ची जनपद अलीगढ़ के टप्पल क्षेत्र की निवासी है और अपनी मौसी के घर जेवर आई हुई थी। इसी दौरान वह अनजाने में घर से बाहर निकल गई और रास्ता भटक गई।

जीटी रोड फायरिंग कांड का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार व कारतूस बरामद

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा, 17 जून। थाना बादलपुर पुलिस ने जीटी रोड पर हुई फायरिंग की घटना का सफल खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो पिस्टल, चार तमंचे, 32 जिंदा कारतूस, 127 खोखा कारतूस तथा घटना में प्रयुक्त टोयोटा ग्लैंजा कार बरामद की है।

पुलिस के अनुसार 15 जून को डायल-112 के माध्यम से सूचना मिली थी कि बुलंदशहर से दादरी की ओर जाने वाले जीटी रोड पर एक टोयोटा ग्लैंजा कार में सवार लोगों ने फायरिंग की है। सूचना मिलते ही थाना बादलपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर घटना के खुलासे के लिए विशेष टीमों का गठन किया। पुलिस ने मैनुअल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अम्बुजा सीमेंट फैक्ट्री के पास कच्चे रास्ते से तीन आरोपियों राहुल, नीटू उर्फ कुलदीप और मनोज उर्फ गुड्डू को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से अवैध हथियार और कारतूस बरामद किए गए। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल की गई टोयोटा ग्लैंजा कार भी कब्जे में ले ली है।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि घटना वाले दिन वे बुलंदशहर से दादरी की ओर जा रहे थे। रास्ते में पीछे चल रहे वाहन चालक द्वारा लगातार हॉर्न बजाने से वे नाराज हो गए। इसी गुस्से में चालक को डराने के उद्देश्य से दो राउंड फायरिंग कर मौके से फरार हो गए। आरोपियों ने यह भी स्वीकार किया कि वे लोगों में भय पैदा करने के लिए हथियारों का इस्तेमाल करते थे।

पुलिस के अनुसार मामले में दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं।

गिरफ्तार आरोपियों में राहुल निवासी साकीपुर, थाना सूरजपुर, नीटू उर्फ कुलदीप निवासी बड़पुरा, थाना दादरी तथा मनोज उर्फ गुड्डू निवासी बरमदपुर, थाना गुलावटी (बुलंदशहर) शामिल हैं। पुलिस जांच में नीटू उर्फ कुलदीप का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है, जिसके खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, रंगदारी और आर्म्स एक्ट समेत कई गंभीर मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्रेम प्रसंग में नहर में कूदे युवक-युवती, युवती बची, युवक की तलाश जारी

रामगंगा पोषक नहर में आत्मघाती कदम से मची सनसनी, पुलिस और गोताखोरों का रेस्क्यू अभियान जारी

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर चांदपुर शिवाला कलां थाना क्षेत्र के गांव मंडौला बिल्लोच के पास रामगंगा पोषक नहर में मंगलवार शाम एक युवक और युवती द्वारा छलांग लगाए जाने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों व ग्रामीणों की मदद से बचाव अभियान शुरू कराया। काफी प्रयासों के बाद युवती को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि युवक का देर शाम तक कोई सुराग नहीं लग सका। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है।

जानकारी के अनुसार मंगलवार शाम करीब चार बजे एक युवक और युवती नहर किनारे पहुंचे और अचानक नहर में कूद गए। घटना को देख आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाया और तत्काल बचाव कार्य शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए नहर में उतरकर युवती को बाहर निकाल लिया। बाद में पुलिस और गोताखोरों की टीम भी मौके पर पहुंच गई।

बताया जाता है कि बचाई गई युवती मंडौला बिल्लोच गांव की निवासी है, जबकि लापता युवक जनपद मुरादाबाद का रहने वाला बताया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। पुलिस के अनुसार दोनों आपस में रिश्तेदार भी बताए जा रहे हैं। आशंका जताई जा रही है कि पारिवारिक या सामाजिक कारणों के चलते दोनों ने यह कदम उठाया। क्षेत्राधिकारी चांदपुर देश दीपक सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। युवती को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है और उससे घटना के संबंध में पूछताछ की जा रही है। वहीं युवक की तलाश के लिए गोताखोरों और स्थानीय लोगों की सहायता से लगातार सर्च अभियान चलाया जा रहा है।

घटना के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है तथा युवक की तलाश जारी है। युवक के मिलने के बाद ही घटना के कारणों की स्पष्ट जानकारी सामने आ सकेगी।

मोहर्रम को शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने की अपील, शांति समिति की बैठक आयोजित

समाज जागरण
ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर अफजलगढ़। आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से बुधवार को थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस प्रशासन ने धर्मगुरुओं, जनप्रतिनिधियों और क्षेत्र के संभ्रांत लोगों के साथ संवाद कर पर्व को आपसी भाईचारे और सादगी के साथ मनाने की अपील की। बैठक को संबोधित करते हुए थानाध्यक्ष बिजेंद्र सिंह राठी ने कहा कि सभी त्योहार आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि शांति व्यवस्था बनाए रखने में दोनों समुदायों के प्रबुद्धजन, धर्मगुरु और आमजन पुलिस प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने लोगों से त्योहार को सादगी के साथ मनाने तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों से दूर रहने की अपील की। थानाध्यक्ष बिजेंद्र सिंह राठी ने कहा कि शांति समिति की बैठकों में उठाए गए सुझावों से प्रशासन को त्योहारों के दौरान बेहतर

कार्ययोजना बनाने और संभावित समस्याओं का समय रहते समाधान करने में सहायता मिलती है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा की दृष्टि से ताजियों की ऊंचाई निर्धारित मानकों के अनुरूप रखी जाए, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना या व्यवधान की स्थिति उत्पन्न न हो। साथ ही स्पष्ट किया कि कोई नई परंपरा शुरू नहीं की जाएगी। वही कासमपुरगढ़ी चौकी प्रभारी मनबीर सिंह ने कहा कि सभी लोग प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का पालन करें। उन्होंने कहा कि जुलूसों में अनावश्यक रूप से बड़े ताजिये शामिल न किए जाएं तथा धार्मिक आयोजनों में किसी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन न हो। सोशल मीडिया पर भी विशेष निगरानी रखी जाएगी और भ्रामक या आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। बैठक में पूर्व चेयरमैन नफीस कुरैशी, भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष खेल सिंह राजपूत और प्रधान पति वकील अहमद समेत अन्य वक्ताओं ने पुलिस प्रशासन को आगामी त्योहारों के दौरान पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष जयप्रकाश बंजारा, पूर्व प्रधान असलम,शफीक अहमद, नाजिम अंसारी, ऋषिपाल सिंह, नवाब अल्वी, जाकिर हुसैन, नूर मोहम्मद, इस्लाम, नजाकत हुसैन, समीर अहमद, बुन्दू अहमद, तफसीर अहमद सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने विकास योजनाओं की समीक्षा की, गुणवत्ता एवं समयबद्धता पर दिया जोर

समाज जागरण

बहजोई/संभल। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की अध्यक्षता में बुधवार को कलक्ट्रेट सभागार में विकासखण्ड बनियाखेड़ा, पवांसा एवं बहजोई के अधिकारियों के साथ विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजनाओं की प्रगति, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता तथा समयबद्ध क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया। समीक्षा के दौरान पूर्ति विभाग के अन्नपूर्णा भवनों की विकासखण्डवार प्रगति पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निमार्णाधीन अन्नपूर्णा भवनों को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराया जाए। राशन दुकानों के प्रस्तावों की समीक्षा करते हुए उन्होंने आवश्यक प्रस्ताव शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। वहीं आंगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिला कार्यक्रम अधिकारी (आईसीडीएस) को निर्माण कार्यों का नियमित निरीक्षण कर गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में लखपति दीदी योजना तथा विभिन्न विभागों द्वारा वृक्षारोपण के लिए तैयार की गई आईडी की प्रगति की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्यों को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सभी सामुदायिक शौचालय निर्धारित समय पर खुलें तथा उनका समुचित संचालन सुनिश्चित किया जाए। जन्म एवं मृत्यु प्रमाण-पत्रों के मामलों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए और कोई भी प्रकरण लंबित न रहे।

जिलाधिकारी ने गांवों के मुख्य एवं संपर्क मार्गों पर नियमित साफ-सफाई बनाए रखने तथा जलभराव की समस्या न होने देने के निर्देश भी दिए। साथ ही हाउसहोल्ड सर्वे एवं आयुष्मान कार्ड निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्यों में तेजी लाने को कहा।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, जिला विकास अधिकारी राम आशीष, परियोजना निदेशक डीआरडीए अखिलेश कुमार चौबे, जिला पूर्ति अधिकारी शिवि गर्ग, जिला कार्यक्रम अधिकारी (आईसीडीएस) महेश कुमार, खण्ड विकास अधिकारी बनियाखेड़ा ज्योत्सना त्रिपाठी, खण्ड विकास अधिकारी बहजोई ओमवीर सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रोग मुक्त जीवन के लिए नियमित योग जरूरी : अनुपम

समाज जागरण

चंदोसी। जायंट्स ग्रुप ऑफ वीमेन पावर, वूमेन प्राइड एवं वूमेन एरा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 11 दिवसीय निशुल्क योग शिविर का सातवां दिवस मंगलवार को विनायक गार्डन में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। शिविर में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर योगाभ्यास किया और स्वस्थ जीवन का संदेश ग्रहण किया। योग शिक्षिका अनुपम ने कार्यक्रम का शुभारंभ मंत्रोच्चारण से कराया तथा भजन प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सबसे बड़ा उपहार है, संतोष सबसे बड़ा धन है और योग वह साधन है, जिससे ये दोनों प्राप्त किए जा सकते हैं। शिविर में प्रतिभागियों को ताड़ासन का अभ्यास कराया गया। उन्होंने बताया कि ताड़ासन शरीर का संतुलन सुधारने, रीढ़ की

हड्डी को सीधा रखने तथा बच्चों की लंबाई बढ़ाने में सहायक होता है। इसके अलावा पैर, टखनों और जांघों को मजबूत बनाने के लिए वृक्षासन का अभ्यास भी कराया गया। योग सत्र के दौरान अनुलोम-विलोम प्राणायाम का अभ्यास कराते हुए नियमित योग को स्वस्थ एवं रोगमुक्त जीवन का आधार बताया गया।

इस अवसर पर सीसीएमजीडब्ल्यूएफ डॉ. सुधा चौधरी, यूनिट डायरेक्टर क्षमा अग्रवाल, चीफ प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर अनु रस्तोगी, फेडरेशन ऑफिसर शुभा अग्रवाल, आईपीपी अलका मंगलम सहित ग्रुप की सदस्य नीतू सोनी, प्रीति, अंजलि, अदिति, कल्पना, मिनाली, मनीषा, रिशु, मधु, ज्योति, सारिका, सानिया, वंदना, शिल्पी, शिप्रा, तान्या, हिना, मीनाक्षी, निधि आदि उपस्थित रहीं।

योग शिविर में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने नियमित योग अपनाकर स्वस्थ एवं रोगमुक्त जीवन जीने का संकल्प लिया।

ट्रेन के कोच में आग लगने की सूचना से मचा हड़कंप, मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड

समाज जागरण

फिरोजाबाद। थाना लाइन पार क्षेत्र में ट्रेन के एक कोच में आग लगने की सूचना मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां और संबंधित विभागों की टीमें तत्काल मौके पर पहुंच गईं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रेन के कोच से धुआं निकलता देख यात्रियों और आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना फैलते ही बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर एकत्र हो गए।

फायर ब्रिगेड कर्मियों ने तत्काल स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कार्रवाई शुरू की। आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है। राहत एवं बचाव कार्य के साथ-साथ मामले की जांच की जा रही है।

घटना के संबंध में अधिकारियों द्वारा विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है।

नीट-यूजी-2026 की पुनः परीक्षा के सफल एवं पारदर्शी आयोजन को लेकर जिलाधिकारी ने की समीक्षा बैठक

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में दोपहर 2:00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में नीट-यूजी-2026 की पुनः परीक्षा के सफल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण आयोजन के संबंध में बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि नीट-यूजी-2026 की परीक्षा पुनः आयोजित कराई जा रही है, इसलिए इसके आयोजन में किसी भी स्तर पर किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसमें शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को एक सुरक्षित और तनावमुक्त माहौल मिलना चाहिए। यदि कोई भी तत्व परीक्षा में व्यवधान डालने या अनुचित साधनों का प्रयोग कराने का प्रयास करेगा, तो उसके खिलाफ कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा की शुचिता और गोपनीयता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि परीक्षा को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए जोनल, सेक्टर और स्टैटिक मजिस्ट्रेटों की तैनाती कर दी गई है जो लगातार केंद्रों का निरीक्षण करेंगे।

उन्होंने सभी केंद्र व्यवस्थापकों और सेक्टर मजिस्ट्रेटों को निर्देशित किया कि परीक्षा से पूर्व सभी केंद्रों का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं का सत्यापन कर लिया जाए, ताकि परीक्षा का आयोजन पूरी पारदर्शिता, सुरक्षा एवं व्यवस्थित वातावरण में संपन्न कराया जा सके। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी आपस में बेहतर समन्वय बनाकर काम करने तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कंट्रोल रूम या उच्च अधिकारियों को सूचित करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा कक्षों से लेकर कंट्रोल रूम तक सीसीटीवी कैमरों की सक्रियता सुनिश्चित की जाए। पूरी परीक्षा प्रक्रिया की लाइव वेबकास्टिंग और रिकॉर्डिंग कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि अभ्यर्थियों की सघन तलाशी के बाद ही उन्हें केंद्र में प्रवेश दिया जाएगा। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) द्वारा जारी गाइडलाइंस का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भीषण गर्मी को देखते हुए परीक्षा केंद्रों पर सभी मूलभूत सुविधाएं पेयजल, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, साफ-सफाई,यातायात प्रबंधन, ओआरएस (ORS) और मेडिकल टीम की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अनुचित गतिविधि पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। साथ ही परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों के सुगम प्रवेश एवं निर्गमन की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व देवेंद्र पाल सिंह, पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कोतवाली देहात पुलिस का गुड वर्क, दुष्कर्म पीड़िता को मिला इंसाफ, चंद घंटो में ही आरोपी गिरफ्तार

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर कोतवाली देहात। पुलिस ने नाबालिग किशोरी को बहला फुसलाकर ले जाने और उसके साथ (दुष्कर्म)करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा। आरोपी के जेल जाने से पीड़ित परिवार ने कोतवाली देहात पुलिस द्वारा इंसाफ दिलाना बताया है।

जानकारी के मुताबिक सोमवार को पीड़ित परिवार ने थाने में दी तहरीर में बताया था कि ग्राम उमरी कला निवासी रियाज पुत्र कौसर, ने उसकी पुत्री को बहला-फुसला कर बहाने से अपने साथ ले गया और उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी रियाज के खिलाफ संबंधित कानूनी प्रावधानों

और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी विकास कुमार ने पुलिस को शीघ्र आरोपी की गिरफ्तारी के निर्देश दिए। तेजतर्रार उपनिरीक्षक दीपक कुमार ने अपने सिपाहियों विकुल कुमार व राजीव कुमार के साथ त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी के नेतृत्व में घेरा बंदी करते हुए सम्बंधित जगा हो पर दबिश देकर आरोप रियाज पुत्र कौसर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल कर उसे न्यायालय में पेश किया न्यायालय ने आरोपी को जेल भेज दिया है। उधर चंद घंटो में ही आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजने के लिए कोतवाली देहात थाना प्रभारी विकास कुमार व उपनिरीक्षक दीपक कुमार की सराहनीय कार्यशैली को लेकर पीड़ित परिवार में संतोष जताते हुए सराहना की है।

चांदपुर में शराब सेल्समैन पर जानलेवा हमला, लाखों की लूट की आशंका

समाज जागरण
ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर चांदपुर थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां शराब की दुकान पर कार्यरत एक सेल्समैन पर देर रात जानलेवा हमला किए जाने और लाखों रुपये की लूट की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम गंधौर थाना हीमपुर दीपा निवासी ऊदल सिंह पुत्र रामपाल सिंह ब्लॉक जलीलपुर स्थित शराब की हट्टी पर सेल्समैन के रूप में कार्य करता है। बताया जा रहा है कि बीती रात करीब साढ़े दस बजे वह दुकान बंद

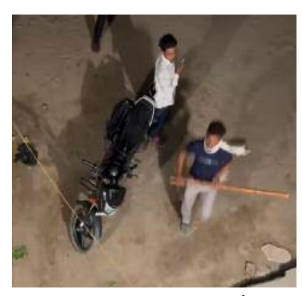

कर नकदी लेकर अपने घर लौट रहा था। आरोप है कि रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे कई हमलावरों ने उसकी बाइक रोक ली और लोहे की रॉड से उसके सिर पर हमला कर दिया।

हमले में ऊदल सिंह सड़क पर गिर पड़ा, जिसके बाद हमलावरों ने उसकी जमकर पिटाई की। पीड़ित के परिजनों का आरोप है कि उसके पास मौजूद लाखों रुपये की नकदी भी गायब मिली है। हमले में ऊदल सिंह के सिर, हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं।

घटना के बाद घायल को लहूलुहान हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्याऊ ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। यह घटना लूट है या किसी पुरानी रंजिश का परिणाम, इसका खुलासा जांच के बाद ही हो सकेगा।

मैं भी व्यापार मंडल का महामंत्री रहा हूं -मनीष असीजा।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। मंडल के द्वारा जिला अध्यक्ष पंडित रविंद्र लाल तिवारी के सानिध्य में महानगर अध्यक्ष डॉक्टर सुनील अग्रवाल के नेतृत्व में एक व्यापारी गोट एवं संगोष्ठी का कार्यक्रम राजा के ताल स्थित मास्टर ढाबा की बगल में आरके कॉलेज में आयोजित किया गया। जिसमें सैकड़ो की संख्या में व्यापारियोंके लिए सुरुचि भोज के रूप में दाल बाटी, कढ़ी चावल एवं खीर, शिकंजी आदि के साथ-साथ स्विमिंग पूल की व्यवस्था की गई। जिसका सभी व्यापारियों ने आनंद लिया ।उसके पश्चात इस प्रांगण के हाल में एक व्यापारी एवं अधिकारी संगोष्ठी आयोजित की गई ।जिसकी अध्यक्षता प्रांतीय संरक्षक मदनलाल वर्मा ने की तथा संचालन महानगर वरिष्ठ महामंत्री रामबाबू झा ने किया। मंच पर जिला अध्यक्ष पंडित रविंद्र लाल तिवारी जी के साथ-साथ प्रांतीय उपाध्यक्ष कैलाश उपाध्याय ,महा नगर अध्यक्ष डॉक्टर सुनील अग्रवाल ,सदर विधायक मनीष असीजा , प्रमुख उद्योगपति प्रदीप कुमार गुप्ता देवी चरण अग्रवाल ,सीओ सिटी संतोष कुमार , अग्नि शमन अधिकारी सत्येन्द्र कुमार पांडे ,दुर्गेश त्यागी ,आरटीओ फिरोजाबाद गौरी शंकर , जीएसटी विभाग के डिप्टी कमिश्नर, थाना लाइन प्रभारी रमित कुमार , जिला महामंत्री कौशल किशोर उपाध्याय ,संजय गुप्ता इंपिरियल ,प्रदीप कौशिक ,राजेश अग्रवाल , विजय भंबानी ,श्याम सिंह यादव पूर्व पार्षद पवन दीक्षित , पूनम शर्मा नीतू शर्मा रीना शर्मा शकुंतला ,दिनेश यादव, परशुराम लालवानी ,शुभम राजपूत , अर्जेश उपाध्याय, इरशाद कुरैशी , भानु उपाध्याय ,

मौजूद थे। सभी अधिकारियों एवं वरिष्ठ पदाधिकारी का मोमेंट देकर और साफा पहना कर सम्मानित करते हुए महानगर के अध्यक्ष डॉ सुनील अग्रवाल ने बताया कि हमारे संगठन की बहुत ही पुरानी परंपरा व्यापारी गोट जो काफी समय से बंद चली आ रही थी उसको पुनः चालू किया गया है ।जिसमें सभी व्यापारियों को अपने बहुत ही कीमती समय में से समय निकालकर इस मंच पर सम्मानित तथा इस कार्यक्रम में आनंद लेने के लिए बुलाया गया है ।विधायक मनीष असीजा ने कहा वास्तव में व्यापारी हित की लड़ाई लड़ने के वाला कोई अगर संगठन है तो फिरोजाबाद व्यापार मंडल है ।क्योंकि मैं भी इस संगठन का महामंत्री रहा हूं ।साथ ही साथ उन्होंने पूरे फिरोजाबाद व्यापार मंडल को अच्छे कार्यों के लिए शुभकामनाएं भी प्रेषित की। मंच के माध्यम से सभी सम्मानित पत्रकारों बंधुओं को सफा पहना कर सम्मानित किया गया। तथा जनपद के अन्य क्षेत्रों से आए तमाम पदाधिकारी जैसे एका से आए पुष्पेंद्र चौहान शिकोहाबाद से आए मुकेश गॉड एवं राजेश गुप्ता का सफा पहनाकर मंच पर सम्मानित किया गया। संगठन के युवा जिला प्रभारी भानुपद ने अपने साथ लाये विभिन्न संगठनों से आए तमाम व्यापारी ,ऋषभ शर्मा, शशांक दुबे , संपत भैया, योगेश शर्मा को फिरोजाबाद व्यापार मंडल की सदस्यता ग्रहण कराई ।अग्निशमन अधिकारी सत्येंद्र पांडे ने सभी व्यापारियों को आग से बचाव के तमाम उपाय बताएं, जिससे कि किसी प्रकार के अप्रिय घटना से बचा जा सके। सी ओ सिटी साहब संतोष कुमार ने भी भी व्यापारियों को तमाम तरह के साइबर फ्रॉड से बचने के उपाय बताएं। इस भव्य कार्यक्रम में सैकड़ो की संख्या में व्यापार कमेटियों के पदाधिकारी के रूप में आदरणीय, जे पी मित्तल, राकेश गुप्ता टीटू, सुमित चौहान, अनू गुप्ता पेंटर,राकेश बाबू शर्मा राजपाल यादव दीपक गुप्ता आजाद पेंटर की राजेश शर्मा देशराज वर्मा मोनू अग्रवाल , समसुल सिद्दीकी सुफियान कुरैशी जाकिर पहलवान इंद्रजीत , इनाम सिंह प्रजापति रजनीश यादव संजय शर्मा , मनीष शर्मा, महेंद्र सविता, हिमांशु शर्मा हिमांशु बघेल , सहित सेकंड व्यापारी उपस्थित रहे।

ससुराल में प्रताड़ना का आरोप,पति, देवर और तीन ननदों समेत छह पर मुकदमा दर्ज

समाज जागरण ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर अफजलगढ़। थाना क्षेत्र के गांव हिदायतपुर उर्फ चौहड़वाला निवासी एक महिला ने पति व ससुराल पक्ष के अन्य लोगों पर दहेज उत्पीड़न, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। गांव निवासी मोहसिना पत्नी इरफान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि विवाह के बाद से ही उसे दहेज को लेकर मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। आरोप है कि देवर रिजवान आए दिन गाली-गलौज और मारपीट करता था। इसकी शिकायत पति इरफान से करने पर भी कोई राहत नहीं मिली, बल्कि वह भी अपने भाई का पक्ष लेता रहा। महिला का आरोप है कि सास जमीला तथा ननद नगमा, कफिला और नजराना भी उसे प्रताड़ित करती थीं। करीब डेढ़ माह पूर्व पंचायत के निर्णय के बाद वह दोबारा ससुराल गई थी, लेकिन इसके बाद उसके साथ उत्पीड़न और बढ़ गया। आरोप है कि ससुराल पक्ष ने उसके चार वर्षीय पुत्र हम्माद को भी उससे अलग कर लिया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि कुछ समय पूर्व उसे जलाकर मारने का प्रयास किया गया, जिसमें उसकी उंगली झुलस गई। विरोध करने पर उसके कपड़े फाड़ने की कोशिश की गई और जान से मारने की धमकी दी गई। महिला ने बताया कि लगातार प्रताड़ना के कारण वह मानसिक रूप से परेशान है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने पति इरफान, देवर रिजवान, सास जमीला तथा ननद नगमा, कफिला और नजराना के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। उधर थानाध्यक्ष बिजेंद्र सिंह राठी ने बताया कि महिला की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ग्राम समाज की जमीन पर ग्रामीणों ने किया अवैध कब्जा

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर मंडावर। क्षेत्र के गांव कोहरपुर में ग्राम समाज की जमीन पर कुछ ग्रामीणों द्वारा अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव के पास गाटा संख्या 308 (ग्राम समाज की भूमि) पर गांव के ही संतोष (पत्नी शीशराम), उनके पुत्र राहुल, बंटी, गौरव तथा सुरेंद्र

पुत्र बलराम ने अवैध कब्जा कर रखा था।जब ग्राम प्रधान ससुर जसपाल मौके पर पहुंचे और कब्जाधारियों को जमीन खाली करने को कहाँ लेकिन उन्होंने ग्राम प्रधान की बात नहीं मानी और उनके साथ गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। इस घटना के बाद ग्राम प्रधान ससुर जसपाल ने बुधवार को थाना मंडावर में प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही की मांग की। पुलिस की तत्परता पर राजस्व विभाग की टीम क्षेत्रीय लेखपाल सहित मौके पर पहुंचे वहां देखा गया कि कब्जाधारियों ने जमीन पर ईंटें बिछाकर छप्पर डाल दिया था। प्रशासन द्वारा उन्हें हटाने को कहा गया तो उन्होंने टीम की मौजूदगी में भी गाली-गलौज शुरू कर दी। प्रशासन की मौजूदगी में छप्पर हटवा दिया गया है।

गुरुग्राम में कार्य के दौरान हादसा, संभल के युवक की मौत

सुरक्षा में लापरवाही का आरोप, परिवार में मचा कोहराम

समाज जागरण, संभल।

बहजोई थाना क्षेत्र के गांव किसौली निवासी 25 वर्षीय युवक दीपक की हरियाणा के गुरुग्राम में कार्य के दौरान हुए हादसे में मौत हो गई। घटना की सूचना गांव पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया। बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचा, जहां गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार कर दिया गया। जानकारी के अनुसार दीपक अपने भाई कृष्ण गोपाल तथा गांव के एक ठेकेदार के साथ गुरुग्राम के थाना खिड़की धौला क्षेत्र स्थित एक निजी फर्म में मजदूरी करने गया था। परिजनों का आरोप है कि फर्म में पर्याप्त सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए गए थे। दीपक हाइड्रा मशीन पर कार्य कर रहा था और उसने असुरक्षित परिस्थितियों में काम करने पर आपत्ति भी जताई थी, लेकिन इसके बावजूद उससे कार्य कराया गया।

बताया गया कि कार्य के दौरान हाइड्रा मशीन में लगा लोहे का हुक तार सहित अचानक टूटकर नीचे गिर गया, जिसकी चपेट में आने से दीपक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद उसके भाई कृष्ण गोपाल और अन्य साथियों ने उसे तत्काल एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई कृष्ण गोपाल ने थाना खिड़की धौला में हाइड्रा चालक के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उधर, युवक की असामयिक मौत से गांव में शोक की लहर है। पत्नी उर्मिला का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। मृतक का बुधवार देर शाम गांव में अंतिम संस्कार कर दिया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

जनपद न्यायाधीश एवं जिलाधिकारी ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के साथ किया जेल का निरीक्षण।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। जनपद न्यायाधीश बब्बू कुमार सारंग, जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा आज संयुक्त रूप से जिला कारागार, फिरोजाबाद का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का व्यापक

जायजा लिया गया। उच्चाधिकारियों की संयुक्त टीम द्वारा कारागार परिसर, बैरकों और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों का भ्रमण कर सुरक्षा एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं को परखा गया।

कारागार के भीतर साफ-सफाई की स्थिति की गहन समीक्षा की गई तथा परिसर को स्वच्छ और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

माननीय जनपद न्यायाधीश व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण योगेश शिवा एवं जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कारागार प्रशासन के संबंधित अधिकारियों को कैदियों के रख-रखाव, स्वास्थ्य सुविधाओं और नियमों के कड़ाई से पालन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

ओआरसी सैनिक अकादमी ने उत्साह के साथ मनाया 16 वां वार्षिक दिवस

समाज जागरण बागपत।
ओआरसी सैनिक अकादमी ने अपने ढकोली परिसर में बड़े उत्साह, गर्व और उल्लास के साथ 16वां वार्षिक दिवस मनाया। कार्यक्रम में अकादमी के डायरेक्टर रंजीत रंजन झा, श्रीमती ऋचा झा, चीफ मेंटर हमदम शर्मा, स्टाफ सदस्य, छात्र-छात्राएं एवं अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जूनियर एवं सीनियर विंग के विद्यार्थियों के लिए सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। जूनियर विंग में मुकुल ठाकुर, निखिल और परमीत की टीम रनर-अप रही, जबकि शौर्य शर्मा, कियान और युवराज कश्यप की टीम ने विजेता का खिताब अपने नाम किया। सीनियर विंग में अंशुमन और उर्वी रनर-अप रहे, जबकि कार्निक नंदन और अंशुल चंदेल विजेता बने। इस अवसर पर अकादमी ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित ओआरसी विशिष्ट छात्र पुरस्कारों से सम्मानित किया। स्मार्ट अपीयरेंस अवार्ड दिव्यांशी, डिसिप्लिन स्टार अवार्ड कियांश, होमवर्क एक्सीलेंस अवार्ड सम्राट, असाइनमेंट ऐस अवार्ड भुविका, हैंडराइटिंग एक्सीलेंस अवार्ड खुशी, एक्टिव लर्नर अवार्ड यक्षित तथा वेल-ऑर्गनाइज्ड स्टूडेंट अवार्ड कार्निक नंदन को प्रदान किया गया। अटेंडेंस एक्सीलेंस अवार्ड नितिन, निखिल और रिधि को मिला, जबकि आउट स्टैंडिंग एफर्ट्स अवार्ड अरुण जय और एक्सीलेंस इन कंडक्ट अवार्ड रजनीश कुमार को दिया गया। गुडविल स्टार अवार्ड वैदिक शर्मा, लक्ष्य, विभव, स्वर्णिम और अद्वय दीक्षित को प्रदान किए गए। कार्यक्रम में अकादमी ने संस्कार पांडे और ऋतिक को राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल, बेंगलुरु में सफल चयन एवं प्रवेश के लिए शुभकामनाएं दीं। साथ ही हाल ही में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कॉलेज (आरआईएमसी) में चयनित भाई-बहन की जोड़ी चैतन्य झा और प्रणय झा की विशेष रूप से सराहना की गई। इस अवसर पर डायरेक्टर श्री रंजीत रंजन झा ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी। वहीं चीफ मेंटर हमदम शर्मा ने छात्रों और स्टाफ की मेहनत की प्रशंसा की।

डिजिटल रजिस्ट्री योजना के विरोध में बड़ौत तहसील में दूसरे दिन भी कलमबंद हड़ताल जारी

१० जून तक न्यायिक व रजिस्ट्री कार्य ठप, अधिवक्ता-लेखक-स्टांप विक्रेता एकजुट; सरकार से योजना वापस लेने की मांग

समाज जागरण बड़ौत।
प्रदेश सरकार द्वारा उपनिबंधक कार्यालयों में लागू की जा रही डिजिटल रजिस्ट्री योजना के विरोध में बड़ौत तहसील के अधिवक्ताओं, दस्तावेज लेखकों, स्टांप विक्रेताओं एवं टाइपिस्टों की कलमबंद हड़ताल दूसरे दिन भी जारी रही। सिविल बार एसोसिएशन बड़ौत के आह्वान पर 16 जून से 20 जून तक सभी न्यायिक एवं रजिस्ट्री कार्य पूरी तरह प्रभावित रहेंगे। बड़ौत में डिजिटल रजिस्ट्री योजना के विरोध में चल रहा आंदोलन बुधवार को भी जारी रहा। सिविल बार एसोसिएशन बड़ौत के नेतृत्व में अधिवक्ताओं, दस्तावेज लेखकों, स्टांप विक्रेताओं और टाइपिस्टों ने दूसरे दिन भी कलमबंद हड़ताल रखी। सिविल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष चौधरी धर्मवीर सिंह एडवोकेट एवं महामंत्री पुष्पेंद्र तोमर एडवोकेट ने संयुक्त प्रेस वार्ता में बताया कि सरकार की डिजिटल योजना के विरोध में अधिवक्ता समाज पूरी तरह एकजुट है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इस योजना को वापस नहीं लिया तो आंदोलन को और व्यापक एवं तेज किया जाएगा।अध्यक्ष धर्मवीर सिंह ने कहा कि आम जनता की परेशानियों एवं अधिवक्ताओं की समस्याओं को देखते हुए बार एसोसिएशन की कार्यकारिणी ने सर्वसम्मति से 20 जून तक हड़ताल का निर्णय लिया है। महामंत्री पुष्पेंद्र तोमर एडवोकेट के अनुसार हड़ताल के दौरान तहसील परिसर में कोई भी न्यायिक कार्य नहीं होगा। किसी भी न्यायालय में अधिवक्ता पैरवी नहीं करेंगे और न ही फाइलिंग का कार्य किया जाएगा। शपथ पत्र तैयार करने और नोटरी संबंधी कार्य भी पूरी तरह बंद रहेंगे। रजिस्ट्री कार्यालय में दस्तावेजों का टाइप लेखन कार्य ठप रहेगा। तहसील परिसर एवं आसपास की फोटोस्टेट दुकानें बंद रहेंगी और फोटोकॉपी नहीं की जाएगी। स्टांप विक्रेताओं द्वारा स्टांप की बिक्री भी नहीं होगी। इस दौरान तहसील परिसर के सभी अधिवक्ताओं, दस्तावेज लेखकों, टाइपिंग करने वाले लोगों और विभागीय कर्मचारियों ने एकजुट होकर हड़ताल का समर्थन किया। सभी ने कहा कि वे कंधे से कंधा मिलाकर कलमबंद हड़ताल पर रहेंगे।

पहाड़ों में बारिश से यमुना का जलस्तर बढ़ा, जागौश में ठोकर निर्माण कार्य प्रभावित

तेज बहाव से मशीन-मजदूरों को दिक्कत, सिंचाई विभाग ने बढ़ाई सतर्कता; ग्रामीणों ने समय पर काम पूरा करने की मांग की

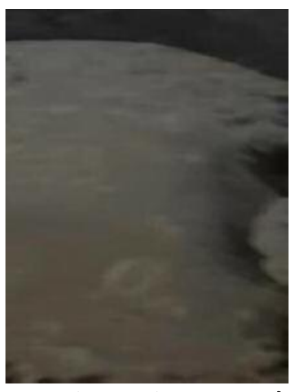

समाज जागरण बड़ौत।
उत्तराखंड और हिमाचल में लगातार बारिश से यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने लगा है। बड़ौत तहसील के जागौश गांव के पास सिंचाई विभाग द्वारा कराए जा रहे ठोकर निर्माण कार्य की गति धीमी पड़ गई है। पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही बारिश के कारण यमुना नदी में पानी की मात्रा लगातार बढ़ रही है। जागौश गांव की तरफ नदी का पानी आना शुरू हो गया है, जिससे किनारे पर चल रहे ठोकर निर्माण कार्य में बाधा आ रही है। तेज बहाव के कारण मशीनों और मजदूरों को काम करने में परेशानी हो रही है।सिंचाई विभाग यह निर्माण कटान रोकने और किसानों की जमीन व आबादी की सुरक्षा के लिए करा रहा है। विभाग का कहना है कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है और हथिनीकुंड बैराज से छोड़े जाने वाले पानी की जानकारी ली जा रही है। जलस्तर बढ़ने की आशंका को देखते हुए निर्माण स्थल पर विशेष सतर्कता के निर्देश दिए गए है। ग्रामीणों का कहना है कि हर साल कटान से किसानों को नुकसान होता है। ऐसे में ठोकर निर्माण जरूरी है। उन्होंने मौसम की चुनौतियों के बावजूद काम समय पर पूरा कराने की मांग की है, ताकि बाढ़-कटान से राहत मिल सके।

भारतीय किसान यूनियन अखंड की मासिक बैठक संपन्न, किसान-मजदूर हितों पर मंथन

राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश कसाना बोले - किसान-मजदूर समाज की ताकत, संघर्ष जारी रहेगा ; जिला कार्यालय पर हुई बैठक

समाज जागरण बागपत।
भारतीय किसान यूनियन अखंड की मासिक बैठक बुधवार को दिल्ली रोड स्थित जिला कार्यालय पर संपन्न हुई। बैठक से पहले पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय वंदना चौक पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। भारतीय किसान यूनियन अखंड की मासिक बैठक जिला अध्यक्ष धीरेंद्र कसाना के नेतृत्व व जिला संगठन मंत्री दिलशाद खान की देखरेख में हुई। बैठक में फसलों के उचित मूल्य, सिंचाई, बिजली समस्या, आवारा पशुओं से नुकसान और मजदूरों के रोजगार जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। संगठन को मजबूत बनाने और आगामी कार्यक्रमों की रणनीति भी तय की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी महेश कसाना ने कहा कि किसान और मजदूर समाज की ताकत हैं। उनके हितों की रक्षा के लिए संगठन हमेशा संघर्ष करेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन की नीतियों को गांव-गांव पहुंचाने और किसान-मजदूर एकता मजबूत करने का आह्वान किया। बैठक में जिला कार्यालय प्रभारी वाजिद खान, जिला सचिव इस्लाम अल्वी, वार्ड अध्यक्ष श्रीपाल कश्यप, कलीम खान, जीशान खान, रऊफ खान, गफ्फार खान, मीनू खान, शौकीन अल्वी, इकबाल भाई, नदीम राणा, कमल खान, अयूब ठेकेदार, इमरान अल्वी, मुस्लिम खान समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक का समापन किसान-मजदूर हितों की रक्षा, संगठन विस्तार और जन समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर संघर्ष के संकल्प के साथ हुआ।

दशमहाविद्या एवं विष्णु महायज्ञ के समापन पर लगाया गया विशाल भंडारा

समाज जागरण बागपत।
प्राचीन शिव शक्ति सिद्ध पीठ लंगड़े बाबा की बगीची माता कॉलोनी बागपत में पुरुषोत्तम मास में चल रहे दशमहाविद्या एवं विष्णु महायज्ञ का समापन हो गया। समापन अवसर पर श्रद्धालुओं की काफी भीड़ उमड़ी और उन्होंने एक साथ बैठकर सब्जी, पूड़ी व हलवे का प्रसाद ग्रहण किया। समापन अवसर पर परम पूज्य गुरुदेव आचार्य मनोज जोशी जी के सानिध्य में दशमहाविद्या महायज्ञ की पूर्ण आहुति भक्तों के द्वारा दी गई व समस्त वैदिक ब्राह्मण के

द्वारा जनकल्याण के लिए दशमहाविद्या व भगवान विष्णु एवं समस्त देवी देवताओं का पूजन करने के पश्चात विसर्जन किया गया। उसके बाद प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें आज के मुख्य यजमान संजय प्रजापति मनोज गोयल नरेश गुप्ता अनिल बंसल जगदीश प्रजापति नरेंद्र गुर्जर रहे। इस मौके पर सेवक अंकुर उपाध्याय पवन उपाध्याय सोनू कश्यप कार्तिक उपाध्याय कन्हैया गुप्ता मनोज गोयल अजय उपाध्याय सागर उपाध्याय दक्ष उपाध्याय आकाश उपाध्याय सुशांत वादी हनी उपाध्याय मोहित उपाध्याय व समस्त माता कॉलोनी व समस्त क्षेत्रवासी व भक्तजन उपस्थित रहे।

बड़ौत में संस्कार शिविर का समापन, CDO बोले- "माता निमार्ता भवति"

बच्चों ने दिखाए जूडो-कराटे, लाठी-तलवार के करतब; जुलाई से बेटियों के लिए विशेष अभियान

समाज जागरण बड़ौत।
आर्य प्रतिनिधि सभा बागपत के तत्वावधान में चौ केहर सिंह दिव्य पब्लिक स्कूल बड़ौत में चल रहे आवासीय संस्कार शिविर का समापन जूडो-कराटे, लाठी, भाला व तलवार के प्रदर्शन के साथ हुआ। बुधवार को आर्य प्रतिनिधि सभा बागपत द्वारा आयोजित आवासीय संस्कार शिविर का समापन समारोह हुआ। बच्चों ने आसन, पीटी, सूर्य नमस्कार, जूडो-कराटे, लाठी और तलवार के विशेष प्रदर्शन किए। मुख्य अतिथि उऊ्ड अनिल कुमार ने कहा, "माता निमार्ता भवति। आर्य समाज मानव निर्माण की कार्यशाला है।" उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर मेहनत व ईमानदारी का जीवन जीने को कहा। विशिष्ट अतिथि सीओ बड़ौत अंशु जैन ने कहा, "नारी संयम से जीवन जीएं। बेटियों के निर्माण को ऐसे कार्यक्रम जरूरी हैं।"सभा मंत्री रवि शास्त्री ने बताया कि जुलाई से विद्यालय में बेटियों के लिए संस्कार अभियान चलाया जाएगा। डॉ मनीष तोमर ने अतिथियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रो. सुरेंद्र पाल आर्य, डॉ शस्या तोमर, सविता आर्या समेत सैकड़ों महिलाएं मौजूद रहीं।

कोलकाता में सड़क हादसे में ढिकोली के 50 वर्षीय अमरपाल की मौत, गांव में शोक

सब्जी लेने जा रहे थे, कार ने मारी टक्कर, 15 साल से वहीं करते थे नौकरी

समाज जागरण चांदीनगर।
ढिकोली गांव के एक 50 वर्षीय व्यक्ति की कोलकाता में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। गांव में गमगीन माहौल है। परिजनों ने शव गांव लाकर अंतिम संस्कार कर दिया। ढिकोली निवासी अमरपाल पुत्र साधु पिछले 15 साल से परिवार के साथ कोलकाता की एक कंपनी में कार्यरत थे। तीन दिन पहले शाम के समय वह सब्जी लेने बाजार जा रहे थे। रास्ते में एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में अमरपाल गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई। अमरपाल के परिवार में पत्नी, बच्चे और अन्य परिजन हैं। 15 साल से कोलकाता में रहकर परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। अचानक हुई मौत से पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों ने कोलकाता से अमरपाल का शव ढिकोली गांव लाकर अंतिम संस्कार कर दिया। अंतिम यात्रा में गांव के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। हादसे के बाद गांव में मातम पसरा है। लोग घटना को सुनकर स्तब्ध हैं और पीड़ित परिवार को ढांढस बंधा रहे हैं।

रटौल में 4 दिन में पूर्व प्रधान सहित 4 मौतें, कस्बे में शोक की लहर

लगातार हो रही मौतों से दहशत, ग्रामीण पीड़ित परिवारों को दे रहे सांत्वना

समाज जागरण चांदीनगर।
रटौल कस्बे में लगातार हो रही मौतों से मातम पसर गया है। बीते चार दिन में पूर्व प्रधान सहित चार लोगों के निधन से कस्बे में शोक की लहर है। ग्रामीण पीड़ित परिवारों को ढांढस बंधा रहे हैं और सांत्वना देने में जुटे हैं। ग्रामीणों के अनुसार सोमवार रात रटौल निवासी पूर्व प्रधान अल्लामी पत्नी फैजूल का निधन हो गया। उसी दिन कस्बे के रहीसूदीन पुत्र नसीर की भी मौत हो गई। मंगलवार को जरीना का इंतकाल हो गया। वहीं बुधवार को जेबील पत्नी याकूब की मृत्यु हो गई। इस तरह सोमवार से बुधवार तक चार दिन में चार मौतों ने पूरे कस्बे को हिलाकर रख दिया है। लगातार मौत की खबरों से रटौल में दहशत का माहौल है। हर गली-मोहल्ले में चर्चा सिर्फ शोक की है। लोगों का कहना है कि इतने कम समय में इतनी मौतें पहले कभी नहीं हुईं। पूर्व प्रधान अल्लामी के निधन से पूरे कस्बे में शोक है। वह लंबे समय तक गांव की सेवा में जुड़ी रहीं थीं। उनके जाने से सामाजिक और राजनीतिक गलियारों में भी शोक व्यक्त किया जा रहा है। रहीसूदीन, जरीना और जेबील के परिवारों में भी कोहराम मचा है। अंतिम संस्कार के दौरान भारी संख्या में लोग शामिल हुए और नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। अभी कस्बे के लोग एक के बाद एक हो रही इन मौतों से उबर नहीं पाए हैं। हर कोई पीड़ित परिवारों के घर जाकर सांत्वना दे रहा है और उनके दुख में शामिल हो रहा है।

प्रधानमंत्री की जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान एवियन में जर्मनी गणराज्य के चांसलर से मुलाकात

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज फ्रांस के एवियन में जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान जर्मनी गणराज्य के चांसलर श्री फ्रेडरिक मर्ज.से मुलाकात की। इस वर्ष दोनों नेताओं के बीच यह दूसरी मुलाकात है। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सम्बंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की और भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी में आई नई गति पर संतोष व्यक्त किया। साझेदारी में यह गति चांसलर की भारत यात्रा की सफलता और इस वर्ष की शुरूआत में भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता के सफल समापन से और भी सुदृढ़ हुई है। 2026 में भारत और जर्मनी राजनयिक सम्बंधों की 75वीं वर्षगांठ मनाएंगे। दोनों नेताओं ने व्यापार और निवेश, प्रतिरक्षा तथा सुरक्षा, हरित और सतत विकास, प्रौद्योगिकी, नवाचार, शिक्षा तथा गतिशीलता सहित विभिन्न सेक्टरों में सहयोग को और सुदृढ़ करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने रक्षा औद्योगिक सहयोग रोडमैप पर हस्ताक्षर और जर्मनी से होकर गुजरने वाले भारतीय नागरिकों के लिए पारगमन वीजा छूट के प्रचालनगत होने का स्वागत किया। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की स्थिति और रूस-यूक्रेन संघर्ष सहित पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने पश्चिम एशिया में संघर्ष को समाप्त करने के लिए हुए समझौते का भी स्वागत किया।

जी-7 शिखर सम्मेलन के इतर प्रधानमंत्री की यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष तथा यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष के साथ बैठक

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज एवियन में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के इतर यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष महामहिम श्री एंटोनियो कोस्टा तथा यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष महामहिम सुश्री उसुर्ला वॉन डेर लेयेन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। जनवरी 2026 में भारत में आयोजित ऐतिहासिक 16वें भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन का स्मरण करते हुए नेताओं ने तब से भारत-यूरोपीय संघ द्विपक्षीय संबंधों में हुई उल्लेखनीय प्रगति का स्वागत किया। नेताओं ने हाल में भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हुई वार्ता के सफल समापन को एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया तथा इस पर शीघ्र हस्ताक्षर और इसके त्वरित कार्यान्वयन पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इससे व्यापार एवं निवेश के लिए व्यापक अवसर खुलेंगे तथा विशेषकर वर्तमान अशांत भू-राजनीतिक परिस्थितियों में आपूर्ति श्रृंखलाओं के विविधीकरण को बढ़ावा मिलेगा। विश्व के दो सबसे बड़े लोकतंत्र होने के साथ-साथ खुली बाजार अर्थव्यवस्थाओं और बहुलतावादी समाजों के रूप में भारत और यूरोपीय संघ के संबंध आपसी विश्वास, साझा मूल्यों तथा भविष्य के लिए समान विजन पर आधारित हैं।

केंद्र सरकार महिलाओं के लिए एक सुरक्षित, समावेशी और सशक्त इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध

एसएचई-बॉक्स २.० ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, २०१३ के कार्यान्वयन को किया मजबूत

यह एक सशक्त प्रौद्योगिकी-सक्षम प्लेटफॉर्म है, जो महिलाओं को कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की शिकायतों को दर्ज करने और उनकी प्रगति पर नजर रखने के लिए एकल-खिडकी सुविधा प्रदान करता है

केंद्र सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की सुरक्षा, गरिमा और भागीदारी को बढ़ाने के लिए कई संरचनात्मक और नीतिगत कदम उठाए हैं। इनमें से एक प्रमुख क्षेत्र सुरक्षित कार्यस्थलों का निर्माण रहा है, जो महिलाओं के

आर्थिक सशक्तिकरण और कार्यबल में उनकी निरंतर भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। इस दिशा में महिलाओं की सुरक्षा, संरक्षा और सशक्तिकरण के लिए सरकार का प्रमुख कार्यक्रम, मिशन शक्ति, योजनाओं के समन्वय और संस्थागत तंत्रों को मजबूत करने के लिए एक एकीकृत ढांचा प्रदान करता है। यह देश भर में महिलाओं के लिए कानूनों और सुरक्षा उपायों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए बेहतर गवर्नेंस, सुलभता और प्रौद्योगिकी के उपयोग पर जोर देता है। इस ढांचे के अंतर्गत कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013

(एसएच अधिनियम) के प्रावधानों को क्रियान्वित करने के लिए यौन उत्पीड़न इलेक्ट्रॉनिक बॉक्स (एसएचई-बॉक्स) पोर्टल विकसित किया गया है, जहां एसएचई-बॉक्स के पिछले संस्करण में एक केंद्रीकृत शिकायत तंत्र उपलब्ध था, वहीं कार्यस्थल इकोसिस्टम के बढ़ते पैमाने और जटिलता ने एक अधिक व्यापक, पारदर्शी और जवाबदेह डिजिटल समाधान की आवश्यकता को जन्म दिया, जिसके फलस्वरूप एसएचई-बॉक्स 2.0 को लॉन्च किया गया। 29 अगस्त 2024 को लॉन्च किया गया एसएचई-बॉक्स 2.0 एक सशक्त,

प्रौद्योगिकी-आधारित प्लेटफॉर्म है, जो संगठित, असंगठित, सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों की महिलाओं को कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की शिकायतों को दर्ज करने और उन पर नजर रखने के लिए एक ही स्थान पर सुविधा प्रदान करता है। यह पोर्टल हितधारकों के बीच निर्बाध समन्वय स्थापित करता है और एक अधिक संरचित तथा निगरानी योग्य प्रणाली प्रदान करके यौन उत्पीड़न अधिनियम के कार्यान्वयन ढांचे को मजबूत करता है। गवर्नेंस को और मजबूत करने के लिए पोर्टल में विकेंद्रीकृत निगरानी के लिए राज्य और जिला नोडल अधिकारियों को शामिल करना, केंद्रीय, राज्य, जिला कार्यालयों और निजी क्षेत्र की संस्थाओं में आंतरिक समितियों (आईसी) का एक व्यापक भंडार और जिला स्तर पर स्थानीय समितियों (एलसी) को

शामिल करना जैसी प्रमुख विशेषताएं शामिल हैं। एसएचई-बॉक्स 2.0 एक सुरक्षित, गोपनीय और उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफेस प्रदान करता है, जिससे महिलाएं बदनामी या प्रतिशोध के डर के बिना घटनाओं की रिपोर्ट कर सकती हैं। यह पोर्टल हिंदी और अंग्रेजी सहित 22 भाषाओं में उपलब्ध है, जो विभिन्न उपयोगकर्ता समूहों के लिए समावेशिता और व्यापक पहुंच सुनिश्चित करता है। यह मिशन शक्ति के तहत एक महत्वपूर्ण डिजिटल गवर्नेंस हस्तक्षेप है, जो महिलाओं के लिए एक सुरक्षित, समावेशी और सशक्त इकोसिस्टम बनाने के लिए पिछले 12 वर्षों से सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

शब्द आपकी सोच को आकार देते हैं, जीवन अभिनय का सृजन करता है: फैब्रिस कैली ने एमआईएफएफ मास्टरक्लास में स्टैनिस्लावस्की के सत्य के रंगमंच की व्याख्या की

अच्छे अभिनय के लिए, जीवन को गहराई से समझें: फैब्रिस कैली ने अवलोकन से लेकर प्रामाणिक अभिनय तक स्टैनिस्लावस्की की यात्रा की पड़ताल की एक ज्ञानवर्धक मास्टरक्लास में, फ्रांसीसी थिएटर कलाकार फैब्रिस कैली ने महान थिएटर कलाकार कॉन्स्टेंटिन स्टैनिस्ला वस्की के विचारों के माध्यम से जीवन, शब्दों और अभिनय के बीच गहरे संबंध का पता लगाया। उन्होंने कहा कि अभिनय जीवन की संपूर्ण समृद्धि को पुनः सृजित करने का एक प्रयास है, जहां मानवीय अनुभव के विभिन्न चरणों के माध्यम से भाव स्वाभाविक रूप से उभरते हैं। कैली ने जोर देते हुए समझाया कि स्टैनिस्लावस्की का दृष्टिकोण गहन अवलोकन, विश्लेषण और मानवीय व्यवहार की गहरी समझ पर आधारित था। उन्होंने कहा, "अच्छे अभिनय के लिए जीवन को अच्छी तरह से समझें।"
स्टैनिस्लावस्की की कला के बारे में बात करते हुए, कैली ने जीवन का विस्तार से अध्ययन करके और स्थितियों को उनके सबसे छोटे तत्वों में तोड़कर यथार्थवादी दृश्य के निर्माण की उनकी क्षमता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि स्टैनिस्ला वस्की को एंटोन चेखव में एक आदर्श नाट्य सहयोगी मिला, जिनकी रचनाएं जीवन की स्थितियों और उन सूक्ष्म तरीकों पर आधारित थीं जिनसे जीवन स्वयं को प्रकट करता है।
कैली ने कहा कि एक वास्तविक

दृश्य के सृजन के लिए समृद्ध शब्दावली की आवश्यकता होती है क्योंकि शब्द धारणा को आकार देते हैं। ग्रीनलैंड में बर्फ के लिए कई शब्दों का उदाहरण देते हुए उन्होंने समझाया कि भाषा मन की दुनिया को समझने के तरीके को विस्तृत करती है। उन्होंने श्रोताओं से कहा, "शब्द आपकी सोच को आकार देते हैं।"
साथ ही, कैली ने स्पष्ट किया कि अभिनय केवल शब्दों पर निर्भर नहीं हो सकता। सच्चा अभिनय उपस्थिति, अवलोकन, प्रतिक्रिया और सहभागिता से उत्पन्न होता है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे स्टैनिस्लावस्की ने अभिनय की प्रक्रिया में अधिक गहराई और बारीकी लाकर रंगमंच को पुनर्परिभाषित किया। एक आकर्षक प्रदर्शन के माध्यम से, कैली ने अभिनय में "सक्रिय अवलोकन" और "सक्रिय भागी दारी" के महत्व को समझाया। उन्होंने यह कहते हुए अपनी बात समाप्त की कि अभिनय की बुनियादें स्वाभाविक रूप से रोजमर्रा की जिंदगी में मौजूद होती हैं - "जीवन में, हम सभी संपूर्ण अभिनेता हैं।"
फैब्रिस कैरी, स्टैनिस्लावस्की प्रणाली पर आधारित फ्रांसीसी-बेलारूसी सोवियत थिएटर स्कूल, डेमेन ले प्रिंटेम्प्स के कलात्मक निर्देशक हैं, और साथ ही बेलारूस में इंटरनेशनल पब्लिक एसोसिएशन "टीट्रो" के भी कलात्मक निर्देशक हैं। उनका कार्य रूसी/सोवियत नाट्य परंपरा और कॉन्स्टेंटिन स्टैनिस्लावस्की की विरासत में गहराई से निहित है। स्टैनिस्लावस्की एक रूसी थिएटर कलाकार थे जिन्होंने अभिनेता प्रशिक्षण, तैयारी और पूर्वाभ्यास के लिए एक अत्यंत प्रभावशाली दृष्टिकोण, जिसे स्टैनिस्लावस्की प्रणाली के नाम से जाना जाता है, का विकास करके 20वीं शताब्दी के प्रदर्शन में क्रांति ला दी। उन्होंने 1898 में प्रसिद्ध मॉस्को आर्ट थिएटर की स्थापना की।

गविष्टि यात्रा के जनपद आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराए जाने की मांग

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) गौ संरक्षण एवं सनातन धर्म जागरण के उद्देश्य से निकाली जा रही गविष्टि यात्रा के जनपद आगमन को लेकर जिला प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग की गई है। इस संबंध में जिला संयोजक ओमप्रकाश शर्मा ने डीएम को पत्र भेजकर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। बुधवार को जिला संयोजक ओमप्रकाश शर्मा ने अपने आवास पर गविष्टि यात्रा को सफल बनाने के लिए चर्चा की। उन्होने बताया कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के नेतृत्व में निकाली जा रही गविष्टि यात्रा गत 3 मई से प्रारंभ होकर उत्तर प्रदेश की सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजर रही है। यात्रा का उद्देश्य गौ माता की रक्षा, सम्मान तथा सनातन गो धर्म के प्रति जनजागरण करना है।जिला संयोजक के अनुसार यात्रा 19 जून को दोपहर

लगभग एक बजे मेरठ-करनाल मार्ग से जनपद शामली में प्रवेश करेगी। इस दौरान जिले की विभिन्न विधान सभा क्षेत्रों में यात्रा का स्वागत, पादुका पूजन तथा श्रद्धालुओं को आशीर्वचन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होने डीएम को पत्र भेजकर प्रशासन से मांग की गई है कि यात्रा के सुचारू एवं सुरक्षित संचालन के लिए पर्याप्त पुलिस बल, काफिले की सुरक्षा, मार्ग पर रूट क्लियरेंस तथा स्वास्थ्य सेवाओं के मद्देनजर एंबुलेंस की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना को देखते हुए प्रशासनिक सहयोग आवश्यक है। जिला संयोजक ओमप्रकाश शर्मा ने डीएम से यात्रा को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की है।

मौसम ने ली करवट बादलों और ठंडी हवाओं के कारण मिली गर्मी से राहत

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) जनपद में पिछले दो दिनों के दौरान मौसम ने तेजी से करवट ली है। मंगलवार को जहां बादलों और ठंडी हवाओं के कारण लोगों को गर्मी से राहत मिली थी, वहीं बुधवार को तेज धूप तथा बढ़ी उमस ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी। तापमान में अचानक हुई बढ़ोतरी के चलते दिनभर लोग गर्मी और चिपचिपाहट से बेहाल नजर आए। गत मंगलवार को सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे और बीच-बीच में तेज हवाएं चलती रहीं। मौसम के इस बदलाव का असर तापमान पर भी पड़ा और अधिकतम तापमान गिरकर 33 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। दिनभर चलती हवाओं के कारण लोगों को भीषण गर्मी से कुछ राहत मिली थी और वातावरण अपेक्षाकृत सुहावना बना रहा। लेकिन गुरूवार को मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया। सुबह से ही तेज धूप निकलने के साथ उमस में बढ़ोतरी होने लगी। दोपहर होते-होते गर्मी का असर इतना बढ़ गया कि बाजारों, सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की

आवाजाही कम हो गई। तेज धूप और उमस के कारण लोग पसीने से तरबतर नजर आए तथा दिनभर गर्मी से राहत पाने के लिए ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेते रहे। मौसम विभाग के अनुसार जनपद का अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तापमान में चार डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दीं। उमस के कारण घरों के अंदर भी लोगों को राहत नहीं मिल सकी। बिजली कटौती और उमस के दोहरे असर से लोगों की परेशानी और बढ़ गई। दिनभर गर्मी से परेशान लोग शाम ढलने के बाद अपने घरों की छतों, आंगनों और खुले स्थानों पर बैठकर ठंडी हवा का इंतजार करते रहे। कई स्थानों पर देर रात तक लोग घरों के बाहर टहलते नजर आए।

चिकित्सकों डा. समद अली, डा. दीपक चौधरी का कहना है कि मौसम में लगातार हो रहे बदलाव के कारण लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है। विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को पर्याप्त पानी पीने तथा धूप में निकलने से बचने की सलाह दी गई है।

ई रजिस्ट्री व्यवस्था के विरोध में दूसरे दिन भी जारी रहा धरना

समाज जागरण

शामली। (फुरकान जंग) प्रदेश सरकार की प्रस्तावित ई-रजिस्ट्री व्यवस्था के विरोध में जनपद के अधिवक्ताओं, डीड राइटर्स और स्टाम्प वेंडरों का आंदोलन दूसरे दिन भी जारी रहा। बुधवार को संयुक्त रूप से न्यायिक कार्यों का बहिष्कार करते हुए उपनिबंधक कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया गया, जिससे रजिस्ट्री और बैनामा संबंधी सभी कार्य पूरी तरह ठप रहे।

धरने पर बैठे अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि ई-रजिस्ट्री व्यवस्था लागू होने से वकीलों, दस्तावेज लेखकों और स्टाम्प विक्रेताओं के रोजगार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इसी के विरोध में अधिवक्ताओं ने न्यायिक कार्यों से दूरी बनाए रखते हुए उपनिबंधक कार्यालय में होने वाले सभी प्रकार के कार्यों का बहिष्कार किया। साथ ही बैनामा लेखन का कार्य भी पूर्ण रूप से बंद रखा गया। वकीलों ने कहा कि सरकार बिना

संबंधित पक्षों से व्यापक चर्चा किए पेपरलेस ई-रजिस्ट्री व्यवस्था लागू करने की तैयारी कर रही है, जिसका वे विरोध कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि प्रस्तावित व्यवस्था को लागू करने से पहले अधिवक्ताओं, डीड राइटर्स और स्टाम्प वेंडरों से विचार-विमर्श किया जाए। धरने के चलते जनपद में संपत्ति संबंधी पंजीकरण कार्य प्रभावित रहा। बैनामा कार्य बंद रहने से प्रतिदिन करीब एक करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। धरना प्रदर्शन में जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बिजेंद्र कुमार एडवोकेट, महासचिव सत्येंद्र कुमार शर्मा एडवोकेट, वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश कुमार शर्मा, प्रदीप पंवार, रामकुमार वर्मा, डीड राइटर्स संघ के अध्यक्ष ब्रह्मपाल सैनी,

राजीव सहरावत, संजीव कुमार, रामगोपाल सहरावत तथा स्टाम्प वेंडर हरपाल सिंह, राजकुमार और राकेश गोयल सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता, दस्तावेज लेखक और स्टाम्प विक्रेता मौजूद रहे।

भूमि विवाद के मामले में तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज

समाज जागरण शामली।(फुरकान जंग)

शहर की रामनगर कॉलोनी से जुड़े भूमि विवाद में पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज तैयार करने, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। मोहल्ला जवाहरनगर, कस्बा बनत निवासी प्रमोद कुमार और देवेन्द्र कुमार पुत्रगण बाबूराम की ओर से दी गई तहरीर में आरोप लगाया गया कि उनके सहखातेदार विनोद कुमार पुत्र बाबूराम ने अपनी पत्नी बीना और पुत्र अरुण कुमार के साथ मिलकर भूमि में फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेज तैयार कर अपने हिस्से से अधिक भूमि के बैनामे करा लिए। शिकायतकताओं का कहना है कि उक्त भूमि पर वर्ष 2008 में कृषि भूमि को अकृषि घोषित कर रामनगर कॉलोनी विकसित की गई थी। कॉलोनी के नक्शे में 30-30 फुट चौड़े रास्ते छोड़े गए थे, लेकिन अब आरोपी उन रास्तों को मानने से इंकार कर रहे हैं और कॉलोनी में विभिन्न प्लॉटों पर अपना स्वामित्व जताकर विवाद उत्पन्न कर रहे हैं। एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि विनोद कुमार पीडितं एवं अन्य प्लॉट धारकों को उनके प्लॉटों पर निर्माण कार्य करने से रोकता है तथा रास्तों पर निर्माण कर उन्हें बंद करने का प्रयास कर रहा है। विरोध करने पर आरोपी पक्ष गाली-गलौज करते हुए जान से मारने, गोली मारने और दुर्घटना कराने जैसी धमकियां देता है। पीड़ितों ने आरोप लगाया कि आरोपी शुरू से ही धोखाधड़ी की नीयत से कार्य कर रहे हैं और लगातार उन्हें परेशान कर रहे हैं। मामले में पुलिस ने विनोद कुमार, अरुण कुमार तथा बीना के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ई रिक्शा का पहिया निकला, कई सवारियां घायल

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग)शहर के मुजफ्फरनगर रोड पर एक ई-रिक्शा का पहिया निकल जाने से ई-रिक्शा पलट गई। जिससे उसमें सवार सवारियां सडक पर गिरकर घायल हो गई। जिसमें एक बच्चे को गंभीर चोटे आई है। जिसको निजी अस्प ताल में भर्ती कराया गया।

कस्बा बनत के मोहल्ला जवाहरनगर निवासी एक परिवार किसी कार्य से शामली आ था। बताया जाता है कि जब वह शामली के गुरूद्वारा तिराहे से ई-रिक्शा में बैठकर वापस अपने घर जा रहे थे तो इसी दौरान मुजफ्फरनगर रोड स्थित मदरलैंड स्कूल के निकट अचानक ई-रिक्शा

का एक पहिया निकल गया और चलती ई-रिक्शा का संतुलन बिगडने से ई-रिक्शा पलट गई। जिससे उसमें सवार सवारियां दूर जा गिरी और घायल हो गई। हादसो को देख आसपास मौजूद लोगों की भीड मौके पर इकटठा हो गई और घायलों को सडक किनारे किया। हादसे में एक बच्चे को गभीर चोट लगनें से उसको निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में ई-रिक्शा चालक अपनी रिक्शा लेकर चला गया।

अनियंत्रित कार खाई में गिरी, चालक गंभीर रूप से घायल

समाज जागरण कांधला।

थाना क्षेत्र के दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी खाई में जा गिरी। हादसे में कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, और कार भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को एंबुलेंस की मदद से सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।कस्बे के मोहल्ला गुजरान निवासी शावेज अपनी कार से थाना क्षेत्र के गांव खंद्रावली स्थित अपनी ससुराल जा रहा था। बताया गया है कि जैसे ही उसकी कार दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर पंजोखरा गांव निवासी ईश्वर सिंह के खेत के समीप पहुंची, तभी

अचानक कार चालक का संतुलन बिगड़ गया और कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी गहरी खाई में जा गिरी।हादसे की आवाज सुनकर ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंचे तथा कार में फंसे घायल चालक को बाहर निकाला। इसके बाद सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस बुलाकर घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने युवक की हालत चिंताजनक होने पर घायल को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

डबल इंजन की सरकार में हर वर्ग को मिल रहा योजनाओं का लाभ , स्वतंत्र देव सिंह

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) उत्तर प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को शिक्षा, चिकित्सा, भोजन और आवास की सुविधा उपलब्ध हो जाए तथा उसके पैरों तक पक्की सड़क पहुंच जाए तो उसके जीवन में सकारात्मक बदलाव सुनिश्चित है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार बिना किसी भेदभाव के समाज के हर वर्ग तक जन कल्याण कारी योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। बुधवार को दिल्ली रोड स्थित एक बारातघर में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित विकसित भारत संकल्प सम्मेलन एवं विकास प्रदर्शनी का जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने फीता काटकर तथा दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया और लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ प्रदान किया। कृषि विभाग की सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन योजना के तहत ग्राम हिंगोखेड़ी निवासी किसान सुंदर को लगभग 24 लाख रुपये के अनुदान पर ट्रैक्टर सहित कृषि यंत्र उपलब्ध कराए गए। वहीं ग्राम टिटौली निवासी किसान भोपाल सिंह को चार लाख रुपये के अनुदान पर ट्रैक्टर एवं कस्टम हायरिंग सेंटर की चाबी सौंपी गई। इस दौरान मंत्री ने स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों का निरीक्षण किया तथा आंगनबाड़ी विभाग के कार्यक्रम में छोटे बच्चों का अन्नप्राशन और गर्भवती महिलाओं की गोद भराई भी कराई। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन और गरीब कल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि जनधन

योजना के तहत करोड़ों बैंक खाते खोले गए, 81 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है, आयुष्मान भारत योजना से स्वास्थ्य सुरक्षा मिली है और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत करोड़ों परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने बताया कि उज्ज्वला योजना के माध्यम से महिलाओं को गैस कनेक्शन, किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को आर्थिक सहायता तथा लखपति दीदी योजना से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया गया है। उन्होने ने जनपद शामली में हुए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि बंटीखेड़ा में 400 केवी विद्युत उपकेंद्र, पुलिस लाइन, पीएसी परिसर, कलेक्ट्रेट भवन, विकास भवन, जिला संयुक्त चिकित्सालय में क्रिटिकल केयर ब्लॉक, ड्रग वेयर हाउस, राजकीय महिला आईटीआई तथा विभिन्न राजकीय कन्या डिग्री कॉलेजों का निर्माण कराया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत जनपद के 1.41 लाख से अधिक किसानों को 502 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि वितरित की गई है। वहीं आयुष्मान भारत योजना के तहत पांच लाख से अधिक लाभार्थियों को गोल्डन कार्ड जारी किए गए हैं। कहा कि सड़क संपर्क के मामले में शामली प्रदेश के अग्रणी जनपदों में शामिल हो गया है। राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार से आवागमन सुगम हुआ है और अब शामली से लखनऊ की दूरी काफी कम समय में तय की जा सकती है। कार्यक्रम में सदर विधायक प्रसन्न चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष रामजी लाल कश्यप, पूर्व विधायक तेजेंद्र निर्वाल, डीएम आलोक यादव, एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह, सीडीओ बृजेन्द्र शुक्ल मौजूद रहे।

रास्ता बंद करने का आरोप, पीड़ित ने लगाई न्याय की गुहार

समाज जागरण कांधला।

थाना क्षेत्र के गांव गंगेरू निवासी एक व्यक्ति ने अपने मकान तक जाने वाले रास्ते को पड़ोसियों द्वारा बंद करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस को शिकायत पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने पीड़ित व्यक्ति को कार्रवाई का आश्वासन दिया है। बुधवार को थाना क्षेत्र के गांव गंगेरू निवासी विजय पाल पुत्र फेरू ने आरोप लगाते हुए बताया कि उनका मकान करीब 50 वर्ष पुराना है और मकान तक आने-जाने के लिए वर्षों से एक रास्ता चला आ रहा। आरोप है कि पड़ोस के कई लोगो ने मिलकर उक्त रास्ते को बंद कर दिया है।पीड़ित का कहना है कि पहले भी रास्ते को लेकर विवाद हुआ था, जिस पर बिरादरी के लोगों की मौजूदगी में समझौता कराया गया था। उस समय समाज के लोगों के कहने पर उन्होंने सड़क निर्माण के लिए अपनी निजी भूमि का कुछ हिस्सा भी छोड़ दिया था। इसके बावजूद आरोपियों द्वारा दोबारा रास्ता बंद कर पूर्ण रूप से अवरुद्ध कर दिया। दोबारा पंचायत होने पर भी आरोपियों ने समाज के लोगों की बात मानने से इनकार कर दिया और कथित रूप से धमकी दी कि कोई उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। पीड़ित व्यक्ति ने अपनी शिकायत में बताया कि वह आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति हैं और न्याय पाने के लिए कानून व प्रशासन पर ही उनकी उम्मीद टिकी हुई है। पीड़ित ने आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग कर न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस ने जांच करने के बाद कार्रवाई कर निस्तारण का आश्वासन दिया है।

जानलेवा हमला करने के मामले में रिपोर्ट दर्ज

समाज जागरण

कैराना। वाहन बुकिंग की दुकान पर जानलेवा हमला कर दो युवकों को घायल करने के मामले में पुलिस ने चार नामजद और अज्ञात आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मोहल्ला छड़ियान निवासी शरीफ ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई कि पूर्व में उसके पुत्र शुऐब को बबलू, शादाब निवासी मोहल्ला कायस्थवाडा व गांव तितरवाड़ा निवासी आरिफ उर्फ पिस्टल और नोमान ने मुकदमों में फैसला नहीं करने पर फोन पर धमकी दी थी कि अपनी कार बुकिंग की दुकान बंद कर दो, हम यह चलने नहीं देंगे। सोमवार शाम करीब पांच बजे आरोपी अपने साथियों के साथ दुकान पर पहुंचे और लोहे की रॉड तथा हथियारों से हमला कर दिया, जिससे उसका पुत्र शुऐब और उसका साथी शाहरुख घायल हो गए।

शोर सुनकर आसपास के लोगों ने बीच-बचाव कर दोनों को बचाया। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया था। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जानलेवा हमले के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

समाज जागरण

कैराना। दो युवकों पर जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक डंडा भी बरामद किया है। 15 जून को मोहल्ला छड़ियान निवासी शरीफ की पानीपत रोड नई बस्ती स्थित दुकान पर उसके पुत्र शोएब और उसके दोस्त शाहरुख निवासी तितरवाड़ा बैठे थे। आरोप है कि इसी दौरान कुछ युवकों ने वहां पहुंचकर गाली-गलौज करते हुए दोनों के साथ मारपीट की और जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। मामले में बबलू निवासी मोहल्ला कायस्थवाड़ा व आवेश उर्फ बिल्ली निवासी गांव तितरवाड़ा को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक डंडा बरामद हुआ। पुलिस ने दोनों आरोपियों का चालान कर दिया है।

किशोरी के साथ दुष्कर्म पुलिस आरोपी को दबोचकर भेजा बाल सुधार ग्रह

समाज जागरण कांधला।

थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले से 16 वर्षीय किशोरी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम देने वाले किशोर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।पुलिस ने आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश करने के बाद बाल सुधार गृह भेज दिया है।

थाना क्षेत्र के एक मोहल्ला निवासी व्यक्ति ने विगत 10 मई को थाने पर तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उसके पड़ोस में रहने वाला एक किशोर उसकी 16 वर्षीय पुत्री को फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर किशोरी और आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी।कई दिन की तलाश के बाद पुलिस ने किशोरी को बरामद कर लिया था। मेडिकल परीक्षण के बाद किशोरी ने पुलिस और न्यायालय के समक्ष दिए बयानों में कहा कि आरोपी ने उसे बहला फुसलाकर अपने साथ ले जाकर दुष्कर्म आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। बुधवार को पुलिस ने मामले में वांछित चल रहे आरोपी किशोर को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी कस्बे की नवीन सब्जी मंडी के पीछे छिपा हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया। पूछताछ के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे बाल सुधार गृह भेज दिया गया। क्राइम निरीक्षक राजीव कुमार का कहना है कि मामले में आरोपी किशोर के खिलाफ किशोर न्याय अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। आगे की जांच जारी है।

व्हाट्सऐप पर लिंक भेजकर 2.12 लाख रुपये निकाले

समाज जागरण

कैराना। व्हाट्सऐप पर लिंक भेज कर पीएसी के जवान के साथ 2.12 लाख रुपये की निकाल लिए गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

जनपद बुलंदशहर के गांव मानपुर निवासी गौरव ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह पीएसी में तैनात हैं। वर्तमान में उनकी ड्यूटी न्यायालय में चल रही है। 10 जून को उनके मोबाइल पर व्हाट्सऐप कॉल आई और एक लिंक भेजा गया। लिंक खोलते ही उनका मोबाइल फोन हैक हो गया। इसके बाद उनके बैंक द्वारा जारी क्रेडिट कार्ड से 2 लाख 12 हजार 699 रुपये निकाल लिए गए। उसने साइबर हेल्पलाइन 1930 पर भी शिकायत दर्ज कराई। मामले में पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

दूसरे दिन भी दस्तावेज लेखकों की हड़ताल, धरना

समाज जागरण

कैराना।(फुरकान जंग) बैनामा रजिस्ट्री के निजीकरण के विरोध में दूसरे दिन भी उत्तर प्रदेश दस्तावेज लेखक संघ शाखा कैराना ने हड़ताल रखते हुए सब रजिस्ट्री कार्यालय में धरना–प्रदर्शन किया।बुधवार को भी दूसरे दिन उत्तर प्रदेश

दस्तावेज लेखक संघ के अध्यक्ष चौधरी जतन सिंह के नेतृत्व में दस्तावेज लेखकों, स्टांप वेंडरों, टाइपिस्ट और अधिवक्ताओं ने हड़ताल रखी। इसी के चलते दस्तावेज लेखकों ने सब रजिस्ट्री कार्यालय में धरना दिया। दस्तावेज लेखकों का कहना था कि सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश में ई–रजिस्ट्री व्यवस्था लागू की जा रही है। बैनामा रजिस्ट्री का निजीकरण होने से प्रदेश के हजारों दस्तावेज लेखकों, टाइपिस्टों, स्टांप वेंडरों और अधिवक्ताओं के परिवार के आगे रोजी रोटी का संकट आ जाएगा। इस अवसर पर सुशील कुमार, मामचंद चौहान, तस्लीम अहमद, जावेद अली, नदीम खान आदि मौजूद रहे।

मृत गाय को दफनाने से रोकने और धमकी देने पर मुकदमा दर्ज

समाज जागरण

कैराना। मृत गाय को दफनाने से रोकने और धमकी देने के आरोप में प्रधानपति समेत दो आरोपियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराया गया। गांव पावटीकलां निवासी सचिन ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया कि 10 जून की शाम उसकी बीमार गाय की मृत्यु हो गई थी। वह अपने साथी शिवकुमार के साथ ट्रैक्टर-ट्रॉली में गाय को लेकर जंधेड़ी रोड स्थित स्थान पर दफनाने गया था। आरोप है कि ग्राम प्रधान पति जावेद व फुरकान वहां पहुंच गए, जिन्होंने गाय को दफनाने के लिए जेसीबी मशीन से गड्ढा खोदने से मना कर दिया। उनके साथ गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। आरोपियों ने जेसीबी चालक को भी वहां से भगा दिया। बाद में उसने और उसके साथी ने फावड़ों से गड्ढा खोदकर गाय को दफनाया। मामले में पुलिस कार्रवाई में जुट गई है।

महिला को पीटने पर तीन भाइयों पर मुकदमा

समाज जागरण

कैराना। गांव रामड़ा निवासी फराना ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई कि रविवार की शाम करीब पांच बजे वह अपने घर पर काम कर रही थी। इसी दौरान उसके जेठ ताजिम उर्फ अब्बलू, इखलाख और शहजाद उसके घर पहुंचे तथा गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से पीटा, जिससे उसे चोटें आईं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

तूड़ी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से रेलवे फाटक का गेट क्षतिग्रस्त, चालक हिरासत में

समाज जागरण कांधला।

थाना क्षेत्र के किवाना मार्ग स्थित रेलवे फाटक पर तूड़ी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से रेलवे विभाग का गेट क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रैक्टर चालक को हिरासत में लेकर मामले की सूचना रेलवे विभाग को भी दे दी है।कैराना कोतवाली क्षेत्र के गांव बसेड़ा निवासी आरिफ ट्रैक्टर-ट्रॉली में तूड़ी भरकर किवाना मार्ग स्थित एक ईंट भट्ठे पर पहुंचाने का कार्य करता है। बुधवार को वह ट्रैक्टर-ट्रॉली में तूड़ी लेकर जा रहा था। जैसे ही वह रेलवे फाटक के समीप पहुंचा, ऊंचाई अधिक होने के कारण ट्रॉली में भरी तूड़ी रेलवे फाटक के गेट से टकरा गई, जिससे गेट क्षतिग्रस्त हो गया।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रैक्टर चालक को हिरासत में लेकर थाने ले आई। कार्यवाहक थाना प्रभारी राजीव कुमार ने बताया की मामले की सूचना रेलवे पुलिस को दे दी गई है। आगे की कार्रवाई रेलवे विभाग की ओर से की जाएगी।

जनसुनवाई के दौरान फरियादी को दिलाया आयुष्मान भारत योजना का लाभ

समाज जागरण
शामली।(फुरकान जंग)

जनसुनवाई के दौरान एक फरियाद की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए जिला प्रशासन ने आंत के कैंसर से पीड़ित युवक को आयुष्मान भारत योजना का लाभ दिलाया है। डीएम के निर्देश पर आयुष्मान भारत टीम ने आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर पीड़ित का नाम योजना में शामिल कर उसका आयुष्मान कार्ड जारी कराया। क्षेत्र के गांव खेड़ीकरमू निवासी चांदनी गत मंगलवार को जनसुनवाई में पहुंचीं और अपने पुत्र रवि कुमार के आंत के कैंसर के उपचार के लिए आर्थिक सहायता की मांग की। उन्होंने बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण महंगे इलाज का खर्च उठाना संभव नहीं है।

जिस पर ने नोडल अधिकारी आयुष्मान भारत डॉ. अथर जमील एवं उनकी टीम को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। जांच में पाया गया कि चांदनी और उनके पति का नाम पहले से आयुष्मान भारत योजना की सूची में शामिल है, लेकिन किसी कारणवश उनके पुत्र रवि कुमार का नाम योजना में दर्ज नहीं था। नोडल अधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पात्रता की जांच कराई और पाया कि रवि कुमार का नाम योजना में जोड़े जाने की सभी शर्तें पूरी होती हैं। इसके बाद लखनऊ स्थित संबंधित कार्यालय से

समन्वय स्थापित कर रवि कुमार का नाम आयुष्मान भारत योजना में शामिल कराया गया तथा उनका आयुष्मान कार्ड जारी कर दिया गया। आयुष्मान कार्ड जारी होने के बाद अब रवि कुमार का उपचार योजना के तहत निशुल्क कराया जा सकेगा।

कालांवाली में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 6.940 ग्राम हेरोइन सहित आरोपी गिरफ्तार

समाज जागरण

डबवाली/कालांवाली 17 जून (सुरेश जोरासिया) नशे के सौदागरों के खिलाफ डबवाली पुलिस का अभियान लगातार और अधिक तेज होता जा रहा है। इसी कड़ी में आज कालांवाली क्षेत्र में पुलिस की संयुक्त टीमों ने संदिग्ध ठिकानों पर व्यापक कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाकर नशा तस्करों के नेटवर्क पर बड़ा प्रहार किया । पुलिस टीमों की एक साथ हुई कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया तथा अवैध नशा कारोबार से जुड़े तत्वों में दहशत का माहौल बन गया। पुलिस अधीक्षक डबवाली जसलीन कौर, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में थाना कालांवाली, एएनसी स्टाफ डबवाली, सीआईए कालां वाली तथा डॉग स्क्वॉड की संयुक्त टीम द्वारा नशा तस्करों एवं संदिग्ध व्यक्तियों के संभावित ठिकानों पर सघन तलाशी अभियान चलाया गया । अभियान के दौरान विभिन्न स्थानों पर गहन जांच की गई तथा संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखी गई। कॉम्बिंग ऑपरेशन के दौरान पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई । इस दौरान कांडा फैक्ट्री वाली गली से आरोपी सुखपाल सिंह को काबू किया गया । जो तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 06.940 ग्राम हेरोइन बरामद हुई । काबू किए गए आरोपी के विरुद्ध थाना कालांवाली में नियमानुसार अभियोग दर्ज कर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है तथा आरोपी से पूछताछ कर नशा तस्करी नेटवर्क के अन्य लिंक भी खंगाले जा रहे हैं। डबवाली पुलिस द्वारा नशा मुक्त समाज के निर्माण हेतु केवल तस्करों के विरुद्ध

कार्रवाई ही नहीं की जा रही, बल्कि नशे की गिरफ्त में आए लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं । पुलिस द्वारा विभिन्न गांवों और शहरों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर नशा पीड़ित व्यक्तियों एवं उनके परिजनों को उपचार और पुनर्वास सुविधाओं की जानकारी दी जा रही है । नशा छोड़ने के इच्छुक व्यक्तियों को नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्रों तक पहुंचाने तथा उन्हें नई जिंदगी शुरू करने के लिए प्रेरित करने का कार्य भी किया जा रहा है । पुलिस अधी क्षक जसलीन कौर, आईपीएस के नेतृत्व में डबवाली पुलिस नशे के विरुद्ध "सख्ती और संवेदनशीलता" की नीति पर कार्य कर रही है। एक और नशा तस्करों के विरुद्ध लगातार कानूनी कार्रवाई कर उनके नेटवर्क को ध्वस्त किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर युवाओं, विद्यार्थियों, खिलाड़ियों, महिलाओं एवं ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर नशा मुक्त डबवाली अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप दिया जा रहा है।

डबवाली पुलिस ने आमजन से अपील की है कि नशा तस्करी, मादक पदार्थों की बिक्री अथवा नशे से संबंधित किसी भी गतिविधि की सूचना तुरंत मानस पोर्टल, हेल्पलाइन 1933, डबवाली पुलिस के मो. न. 9138999748 व अपने नजदीकी थाना झचौकी में दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी । पुलिस ने विश्वास दिलाया है कि नशा तस्करों के विरुद्ध यह अभियान आगे भी इसी प्रकार निरंतर जारी रहेगा और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा । डबवाली पुलिस, नशे के सौदागरों पर सख्ती, नशा पीड़ितों के प्रति संवेदना।

शिरोमणि कमेटी के डैलीगेशन को अमेरिका में अलग - अलग गुरुद्वारों के प्रबंधकों ने सम्मानित किया

एडवोकेट धामी ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के किए जा रहे कामों को संगत के साथ पाई सांझ

(रघुनंदन पराशर/दैनिक समाज जागरण चीफ ब्यूरो पंजाब)

जैतो, 17 जून : शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी के नेतृत्व में एक हाई-लेवल डैलीगेशन ने अलग-अलग गुरुद्वारों का दौरा किया और संगत के साथ कामों पर सांझ की। शिरोमणि कमेटी का यह डैलीगेशन बाबा बिधिचंद जी संप्रदा द्वारा मैनेज किए जाने वाले गुरुद्वारा गुरमत प्रकाश मंटिक्का और गुरुद्वारा गुरु नानक प्रकाश, फ्रेस्नो, कैलिफोर्निया के लैथ्रोप पहुंचा, जहां मैनेजमेंट ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी, सीनियर वाइस अध्यक्ष रघुजीत सिंह विर्क, चीफ सैक्रेटरी कुलवंत सिंह मनन, मेंबर भाई राजिंदर सिंह मेहता, ओएसडी सतबीर सिंह, सैक्रेटरी बलविंदर सिंह काहलवां समेत डैलीगेशन के मेंबर्स को खास तौर पर सम्मानित किया। इस मौके पर गुरुद्वारा मैनेजमेंट और सिख नेताओं के अलावा बड़ी संख्या में संगत ने भी हिस्सा लिया और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी डैलीगेशन का गर्मजोशी से स्वागत किया। फ्रेजनो के गुरुद्वारा गुरु नानक प्रकाश में लोगों को संबोधित करते हुए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि विदेशों में रहने वाले सिख समुदाय ने अपनी मेहनत, लगन और गुरु घर से जुड़ाव की वजह से दुनिया भर में सिख धर्म की खास पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि रञ्छ्ढउ सिख धर्म के प्रचार, गुरमत सिद्धांतों का प्रचार और सिख युवाओं को अपनी विरासत से जोड़ने के लिए

लगातार कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि सिख पंथ की एक अहम संस्था दमदमी टकसाल ने भी हमेशा धर्म के प्रचार में बड़ी भूमिका निभाई है। पंथिक कामों के लिए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को दमदमी टकसाल से हमेशा पूरा सपोर्ट मिला है, जिसके लिए वह संस्था के शुक्रगुजार हैं। इस बीच, दल बाबा बिधिचंद संप्रदा की लाथरोप ब्रांच को संबोधित करते हुए एडवोकेट धामी ने बाबा अवतार सिंह सुरसिंह वाले की लीडरशिप में दल बाबा बिधिचंद संप्रदा की तरफ से की जा रही सेवाओं का खास जिक्र किया। उन्होंने कहा कि शिरोमणि कमेटी को पंथिक मामलों में बाबा अवतार से हमेशा पूरा सपोर्ट मिला है और उन्हें भविष्य में भी ऐसे ही सपोर्ट की उम्मीद है। एडवोकेट धामी ने सभी लोकल सिख संगठनों और संगत से उबा शहर में स्वर्गीय दीदार सिंह बैंस द्वारा दी गई जमीन पर शिरोमणि कमेटी द्वारा बनाए जा रहे प्रेस और धार्मिक प्रचार सेंटर के लिए पूरा सपोर्ट करने की भी अपील की। इस मौके पर लोकल सिख नेताओं ने पंथ की सबसे बड़ी संस्था शिरोमणि कमेटी द्वारा पंथिक,

धार्मिक और शिक्षा के क्षेत्र में की जा रही सेवाओं की तारीफ की और संस्था को हर मुमकिन मदद का भरोसा दिलाया। इस मौके पर लोकल एडमिनिस्ट्रेटर बाबा जोगिंदर सिंह, बाबा धर्म सिंह, बाबा साहब सिंह, भाई सरवन सिंह निहंग, भाई हरपाल सिंह समेत बड़ी संख्या में संगत मौजूद थी।

हिमालय में वायु गुणवत्ता संबंधी जोखिमों पर नजर रखने वाले शोधकताओं ने स्वच्छ वायु से प्रदूषित वायु की ओर बढते बदलाव की पहचान की

शोधकताओं के एक नए अध्ययन से पता चला है कि हिमालय के दूरस्थ और अब तक अपेक्षाकृत स्वच्छ माने जाने वाले क्षेत्र भी अब वायु प्रदूषण से अछूते नहीं रहे हैं। अध्ययन में वायु गुणवत्ता पर इसके मापनीय प्रभाव तथा दीर्घकालिक स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों की संभावना सामने आई है। गैर-मीथेन हाइड्रोकार्बन (एनएमएचसी) ईंधन के उपयोग, वाहनों और अन्य मानवजनित गतिविधियों से उत्सर्जित होने वाली प्रतिक्रियाशील गैसों का एक समूह है, जो ओजोन और द्वितीयक एरोसोल के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनका पता लगाना और क्षेत्रीय वायु गुणवत्ता पर इनके प्रभावों तथा मानव स्वास्थ्य पर संभावित असर का मूल्यांकन करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुनस्यारी ऐसा विशिष्ट वातावरण प्रदान करता है, जहां पर्यटन सहित स्थानीय

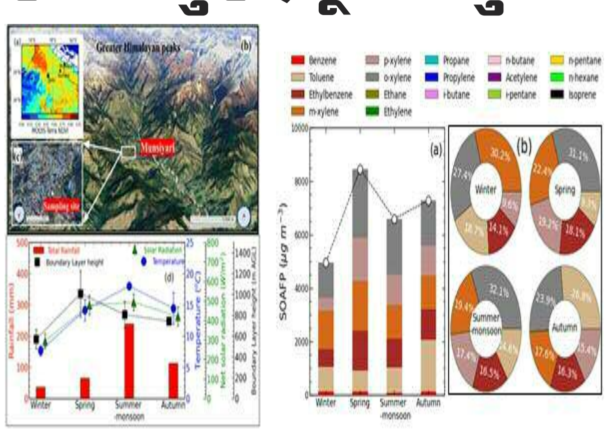

मानवजनित गतिविधियों तथा क्षेत्रीय स्तर पर प्रदूषकों के परिवहन का गैर-मीथेन हाइड्रोकार्बनों (एनएम एचसी) के वितरण पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया जा सकता है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के स्वायत्त संस्थान आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान अनुसंधान संस्थान के शोधकताओं ने वर्ष 2022-2023 के दौरान पूरे एक वर्ष तक हिमालयी ऊंचाई पर स्थित पर्यटन स्थल मुनस्यारी में गैर-मीथेन हाइड्रोकार्बन (एनएमएचसी) का मापन किया। शोधकताओं ने स्पष्ट मौसमी प्रवृत्तियां देखीं। सर्दियों और मानसून के दौरान एनएमएचसी का स्तर अपेक्षाकृत कम रहा, जबकि वसंत और शरद ऋतु में इसकी सांद्रता उल्लेखनीय रूप से अधिक पाई गई। अध्ययन से यह भी पता चला कि एलपीजी और डीजल जैसे ईंधनों का उपयोग, वाहनों से होने वाला उत्सर्जन तथा स्थानीय निर्माण गतिविधियां इस दूरस्थ क्षेत्र की वायु गुणवत्ता को प्रभावित करने वाले प्रमुख स्रोत हैं। विशेष रूप से बेंजीन और जाइलीन जैसे सुगंधित हाइड्रोकार्बनों का द्वितीयक प्रदूषकों, विशेषकर ओजोन, के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान पाया गया। क्षोभमंडल में ओजोन जलवायु और मानव स्वास्थ्य दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। चित्र 1. (बाएं) हिमालय में नमूना स्थल की स्थिति और मौसम विज्ञान तथा (दाएं) एक उच्च ऊंचाई वाले ग्रामीण स्थल (मुनस्यारी) पर देखे गए एनएम एचसी के द्वितीयक कार्बनिक एरोसोल (एसओए) निर्माण क्षमता में मौसमी बदलाव क्षेत्रीय तुलना से पता चलता है कि मुनस्यारी में एनएमएचसी का स्तर हिमालय के एक अन्य उच्च ऊंचाई वाले स्थल नैनीताल की तुलना में अधिक है, हालांकि यह निकटवर्ती शहरी क्षेत्रों, जैसे हल्द्वानी और दिल्ली, में दर्ज स्तरों से अभी भी कम है। इन निष्कर्षों से स्पष्ट होता है कि मानवजनित प्रदूषण अब हिमालय के दूरस्थ क्षेत्रों तक भी पहुंच रहा है। यद्यपि वर्तमान में तत्कालिक स्वास्थ्य संबंधी जोखिम कम हैं, लेकिन बेंजीन के दीर्घकालिक संपर्क से कैंसर का जोखिम निर्धारित सुरक्षा सीमाओं से अधिक पाया गया है।

यह अध्ययन इस बात पर प्रकाश डालता है कि प्रदूषण की स्थिति लगातार बिगड़ रही है, इसलिए इन संवेदनशील पर्वतीय क्षेत्रों के लिए निरंतर निगरानी तथा लक्षित प्रदूषण नियंत्रण योजनाएं अत्यंत आवश्यक हैं।

अनेक आवाजें, एक क्षेत्र: 19वें एमआईएफएफ ने पूर्वोत्तर भारत की फिल्मों को प्रदर्शित करने के लिए विशेष अनुभाग तैयार किया

खासी पहाड़ियों से लेकर मणिपुर के तैरते घास के मैदानों तक, एमआईएफएफ 2026 ने भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र की समृद्ध परंपराओं, ऐतिहासिक और पारिस्थितिक विविधता को संरक्षित किया 15 से 21 जून, 2026 तक आयोजित हो रहे 19वें मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (एमआईएफएफ 2026) में सांस्कृतिक रूप से समृद्ध पूर्वोत्तर राज्यों से आने वाली लघु फल्मों और वृत्तचित्रों के लिए एक विशेष अनुभाग समर्पित है। ये फिल्में भारत के उत्तर-पूर्व क्षेत्र की

समृद्ध परंपराओं, ऐतिहासिक और पारिस्थितिक विविधता को दशार्ती हैं। उल्लेखनीय व्यक्तियों, चिरस्थायी परंपराओं, विभिन्न समुदायों और बदलते परिदृश्यों के चित्रण के माध्यम से, ये फिल्में उन अलग-अलग आवाजों को उजागर करती हैं, जो भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र को परिभाषित करती हैं। खासी, नागामी, आओ, कोकबोरोक, भूटिया, असमिया, मणिपुरी और मिजो जैसी स्थानीय भाषाओं में बनी ये फिल्में महोत्सव के दर्शकों को विरासत, पहचान, गतिशीलता और प्रकृति के जीवंत मिश्रण से परिचित कराती हैं, जो इस क्षेत्र में रोजमर्रा की जिंदगी की लय को आकार देना जारी रखती हैं। के.ए. पतेंग (खासी) संकिरंग एल. खोंगवीर द्वारा निर्देशित और नेशनल फिल्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के लिए पोनविशाल चिदंबरनाथन द्वारा निर्मित, के.ए. पतेंग भारत की एक 30 मिनट की खासी भाषा की लघु कथा फिल्म है (2023)। फिल्म की कहानी एक मां की मृत्यु के बाद घटित होती है, जिसके चलते वर्षों के अलगाव के बाद तीन बिछड़े हुए भाई-बहन एक ही छत के नीचे फिर से मिल जाते हैं। सबसे बड़ा भाई शहर में लंबे समय तक रहने के बाद लौटता है, बीच वाले बच्चे के सर पर बचपन की एक दर्दनाक याद का बोझ है और सबसे छोटी बहन एक ऐसा रहस्य छिपाए हुए है जो उसे अपने भावी मातृत्व पर संदेह करने पर विवश करता है। लेंटीना एओ - ए लाइट ऑन द ईस्टर्न होराइजन (अंग्रेजी, नागामिज, एओ)संजीब पारासर और नीलाक्षी मेधी द्वारा निर्देशित और नेशनल फिल्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा निर्मित यह वृत्तचित्र 2023 में बना था और इसे अंग्रेजी, नागामी और आओ भाषा में प्रस्तुत किया गया है। यह फिल्म नागा लोगों के कल्याण और उत्थान के लिए समर्पित एक समाजसेवी, लेंटिना एओ के असाधारण जीवन और विरासत को दशार्ती है। 1955 में सुदूर नागा पहाड़ियों में एक दाई के रूप में अपनी यात्रा आरंभ करने वाली लेंटिना आओ ने दशकों तक अपने समुदाय की सेवा की और अक्सर सामाजिक अन्याय, गहरी जड़ें जमाए पूर्वाग्रहों और व्यक्तिगत कठिनाइयों का सामना किया। माय लास्ट फेसः फ्लैट नोज (माय लास्ट फेसः कुंगबारा) (कोकबोरोक, कौब्रू) सुजीत देबबर्मा और प्रणब ज्योति डेका द्वारा निर्देशित और प्रणब ज्योति डेका, दिलीप देबबर्मा और सुजीत

देबबर्मा द्वारा निर्मित यह वृत्तचित्र 2024 में बना था और कोकबोरोक और कौबरू भाषाओं में प्रस्तुत किया गया है। त्रिपुरा के हरे-भरे परिदृश्यों की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म, रियांग समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को उनके पारंपरिक परिधानों और आभूषणों के माध्यम से दशार्ती है। ये वस्त्र और आभूषण मात्र की सजावट से कहीं अधिक हैं। ये सुंदरता, आध्यात्मिकता, पहचान और सुरक्षा के चिरस्थायी प्रतीक हैं, जो पीढ़ियों से कहानियों, मान्यताओं और पैतृक ज्ञान को संजोए रखते हैं। इन जीवंत परंपराओं का दस्तावेजीकरण करके, यह फिल्म समुदाय की सांस्कृतिक प्रथाओं और सामूहिक स्मृति एवं पहचान को संरक्षित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की सूक्ष्म जानकारी प्रदान करती है। शांगरीला द हिडेन पैराडाईज [सिक्किमी (भूटिया)] समतेन भूटिया द्वारा निर्देशित और नेशनल फिल्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा निर्मित यह 2025 की वृत्तचित्र फिल्म सिक्किमी (भूटिया) भाषा में बनी 90 मिनट की फिल्म है। हिमालयी राज्य सिक्किम, जो भव्य कंचनजंगा पर्वत की गोद में बसा है, में स्थित यह फिल्म क्षेत्र के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध परिदृश्यों और पर्यटन आकर्षण से परे जाकर इसके अल्प-ज्ञात इतिहास, संस्कृति और भूगोल की पड़ताल करती है। राज्य की विरासत और पहचान की गहन पड़ताल के माध्यम से, वृत्तचित्र एक ऐसे क्षेत्र का आकर्षक चित्रण प्रस्तुत करता है, जिसकी समृद्ध विरासत की अब तक व्यापक रूप से खोज नहीं हुई है। टीन्स ऑफ 1942 (बियाल्लीसर लाराली) (असमिया) 2023 में बनी असमिया वृत्तचित्र फिल्म "टीन्स ऑफ 1942" का निर्देशन समीरन डेका ने किया है और इसका निर्माण समीरन डेका और भास्कर ज्योति दास ने किया है। भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने पर बनी यह फिल्म किशोर स्वतंत्रता सेनानियों भोलानाथ नागरिया और राधा बोरा की असाधारण देशभक्ति को दशार्ती है। उनकी खंडित यादों के संवेदनशील पुनर्निर्माण के माध्यम से, यह वृत्तचित्र इन वीर लेकिन गुमनाम नायकों को सम्मानित करता है, उनकी कहानियों को संरक्षित करता है और राष्ट्र के स्वतंत्रता संग्राम के प्रति उनके साहस, बलिदान और समर्पण से आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता है। द हीलिंग प्रिस्ट (पुइथियम) (मिजो) नेपोलियन आरजेड थांगा द्वारा निर्देशित यह 2026 की मिजो भाषा की लघु कथा फिल्म, परंपरा, विश्वास और समकालीन चिंताओं का 9 मिनट का अन्वेषण है। प्राचीन मिजो उपचार अनुष्ठान दाइबावल पर आधारित, जिसमें एक पुइथियम (उपचारक पुजारी) अनुष्ठान करता है और बीमारी पैदा करने वाली बुरी आत्माओं को दूर भगाने के लिए लेंगलेप लटकाता है, के माध्यम से यह फिल्म अतीत और वर्तमान को जोड़ती है। यह एक निराश युवक की कहानी है, जो अपने बीमार पिता के उपचार का उपाय खोज रहा है। यह फिल्म पारंपरिक उपचार पद्धतियों तथा स्वास्थ्य एवं कल्याण की आधुनिक इच्छाओं के बीच तनाव को दशार्ती है। इस कथा के माध्यम से फिल्म मिजो सांस्कृतिक विरासत और बीमारी और उपचार से संबंधित स्थायी मान्यताओं की एक झलक प्रस्तुत करती है। मणिपुर ब्रो एंटलेयर्ड डीयर (संगाई) (मणिपुरी और अंग्रेजी) आकांक्षा सूद सिंह द्वारा निर्देशित और रोशनी नादर मल्होत्रा एवं ऋषिकेश आत्माराम चव्हाण द्वारा निर्मित यह 2025 की डॉक्यूमेंट्री, मणिपुरी और अंग्रेजी में बनी 30 मिनट की द्विभाषी फिल्म है। यह लुप्तप्राय हिरण उप-प्रजाति संगाई की कहानी बताती है, जो मणिपुर राज्य का प्रतीक बन चुकी है। जातीय और राजनीतिक तनावों से ग्रस्त क्षेत्र की पृष्ठभूमि पर आधारित यह डॉक्यूमेंट्री, राज्य के अनूठे तैरते घास के मैदानों में विचरण करते इस सुंदर जानवर को दशार्ती है

शिरोमणि कमेटी अध्यक्ष धामी ने पाकिस्तान के मरदान में गुरुद्वारा साहिब के अंदर हुई हत्या की घटना की कड़ी निंदा की

(रघुनंदन पराशर/दैनिक समाज जागरण चीफ ब्यूरो पंजाब)

जैतो, 17 जून : शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मरदान शहर में स्थित गुरुद्वारा साहिब में सेवा कर रहे एक श्रद्धालु जोड़े, श्री जगन्नाथ और बीबी अस्मा वंती की कुछ लोगों द्वारा गोली मारकर हत्या की कड़ी निंदा की है। शिरोमणि कमेटी के अध्यक्ष ने कहा कि गुरुद्वारा साहिब जैसे पवित्र धार्मिक स्थान में घुसकर एक बेगुनाह सिख जोड़े की हत्या करना बहुत दुखद, अमानवीय और अल्पसंख्यक समुदायों में डर पैदा करने वाली घटना

है। उन्होंने कहा कि इस जघन्य हमले ने पाकिस्तान में रहने वाले सिख समुदाय की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एडवोकेट धामी ने पाकिस्तान सरकार से अपील की कि इस मामले के दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए और उन्हें सख्त सजा दी जाए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में रहने वाले सिखों समेत सिख धार्मिक जगहों और माइनॉरिटी कम्युनिटी की सुरक्षा पक्का करना पाकिस्तान सरकार की ज़िम्मेदारी है, जिस पर खास ध्यान दिया जाना चाहिए। SGPC प्रेसिडेंट ने इस घटना में मारे गए सिख कपल के परिवार के साथ गहरी हमदर्दी जताई और ऊपर वाले से दुआ की कि वे गुजर चुके लोगों की आत्माओं को शांति दें और परिवार को यह दुख सहने की ताकत दें।

पुलिस ने तड़क सुबह ज़िले में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया, ड्रग तस्करों के संदिग्ध ठिकानों की तलाशी ली: एस.एस. पी. गुरबंस सिंह बैंस

(रघुनंदन पराशर/दैनिक समाज जागरण चीफ ब्यूरो पंजाब)

जैतो, 17 जून :सरकार ने ड्रग्स के खिलाफ जंग के नाम से एक अभियान शुरू किया है। इसके तहत पूरे पंजाब में ड्रग तस्करों और ड्रग बेचने वाली जगहों की पहचान की जा रही है। इसी क्रम में, फरीदकोट के जिला पुलिस कप्तान गुरबंस सिंह बैंस के नेतृत्व में फरीदकोट पुलिस ने पूरे ज़िले में बड़े पैमाने पर 'कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन' चलाया। यह तलाशी ड्रग हॉटस्पॉट और संवेदनशील इलाकों में की गई, जिसका मुख्य मकसद 'बिक्री के स्थान' (पॉइंट ऑफ सेल) पर ड्रग्स की सप्लाई को रोकना था। यह ऑपरेशन पंजाब के स्पेशल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (लॉ एंड ऑर्डर) के निर्देशों पर ज़िले के सभी 03 सब-डिविजनों में एक साथ चलाया गया। इस सर्च ऑपरेशन की निगरानी डीएसपी रैंक के अधिकारियों ने की; इस दौरान 150 से ज्यादा पुलिस कर्मियों की स्पेशल टीमें बनाई गईं और अचानक छापेमारी करके अलग-अलग ड्रग तस्करों के संदिग्ध ठिकानों की तलाशी ली गई। इस बारे में जानकारी देते हुए फरीदकोट के

जिला पुलिस कप्तान गुरबंस सिंह बैंस ने कहा कि पंजाब के माननीय डीजीपी श्री गौरव यादव जी के निर्देशों के अनुसार, ड्रग्स को जड़ से खत्म करने के लिए लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है; फरीदकोट पुलिस द्वारा चलाया गया यह सर्च ऑपरेशन भी इसी कार्रवाई का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि इस दौरान, जिन लोगों के खिलाफ एनडीपीएस के तहत मामले दर्ज हैं और जिनका क्रिमिनल रिकॉर्ड है, उनके ठिकानों पर पुलिस पार्टियों ने छापेमारी और तलाशी ली। इस दौरान संदिग्ध लोगों की जांच की गई और शक के आधार पर गाड़ियों की तलाशी ली गई। साथ ही, इलाके की घेराबंदी की गई, आने-जाने के रास्तों (एंट्री और एग्जिट पॉइंट) को सील किया गया और संदिग्ध लोगों को हिरासत में भी लिया गया। ररढ श्री गुरबंस सिंह बैंस ने यह भी साफ किया कि पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज सभी मामलों के 'बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंक' (पीछे और आगे के कनेक्शन) की बारीकी से जांच करें और ड्रग तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। इसके साथ ही, ड्रग्स के शिकार लोगों को नशा छोड़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है और उन्हें नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया जा रहा है। इसके अलावा, ड्रग डीलरों/तस्करों द्वारा ड्रग्स से हुई कमाई से बनाई गई चल-अचल संपत्ति की जांच-पड़ताल के बाद, संबंधित अथॉरिटी से मंजूरी मिलने पर साल 2026 में 30 लाख रुपये से ज्यादा कीमत वाली ड्रग तस्करों की संपत्ति को फ्रीज कर दिया गया है। फरीदकोट के जिला पुलिस कप्तान गुरबंस सिंह बैंस जानकारी देते हुए व पुलिस कर्मियों द्वारा जांच अभियान का दृश्य।

किफायती स्वास्थ्य सेवा और आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देने वाले फार्मास्युटिकल क्षेत्र में 12 वर्षों की परिवर्तनकारी वृद्धि

भारत के हर कोने में सस्ती दवाइयां पहुंचाने वाले जन औषधि केंद्रों की संख्या 84 से बढ़कर 19,200 से अधिक हुई

पूर्वोत्तर में 12 वर्षों में जन औषधि केंद्र की संख्या 1 से बढ़कर 417 हुई

फार्मास्यूटिकल्स के लिए पीएलआई योजना ने ₹42,694 करोड़ का संचयी निवेश आकर्षित किया है; 1.13 लाख से अधिक रोजगार सृजित किए हैं; चिकित्सा उपकरण पीएलआई ने ₹29,400 करोड़ की बिक्री की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में भारत के दवा उद्योग ने उल्लेखनीय विकास आया है और महत्वपूर्ण परिवर्तन हुआ है। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के अधीन औषधि विभाग ने जन-केंद्रित पहलों और उद्योग-केंद्रित सुधारों के संयोजन के माध्यम से किफायती स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा दिया है, घरेलू विनिर्माण को मजबूत किया है, नवाचार को प्रोत्साहित किया है और भारत को "विश्व की फामेर्सी" के रूप में स्थापित किया है। प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) का विस्तार विभाग की सबसे प्रभावशाली उपलब्धियों में से एक है। 2014 में लगभग 84 कार्यरत जन औषधि केंद्रों से शुरू होकर, 2026 तक देश भर में इसका नेटवर्क बढ़कर 19,200 से अधिक केंद्रों तक पहुंच गया है , जिससे लाखों नागरिकों को किफायती दामों पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं उपलब्ध हो रही हैं। यह योजना सुदूर क्षेत्रों में भी काफी विस्तारित हुई है, जिनमें आठ उत्तर पूर्वी राज्य शामिल हैं, जहां केंद्रों की संख्या 2014 में मात्र एक से बढ़कर 2026 में 417 हो गई है। कई राज्यों में इस योजना के तहत लगातार विस्तार दर्ज किया गया है। उत्तर प्रदेश 4,042 जन औषधि केंद्रों के साथ देश में सबसे आगे है, इसके बाद केरल (1,791), कर्नाटक (1,665) , तमिलनाडु (1,591), बिहार (1,183), पश्चिम बंगाल (937), गुजरात (918), ओडिशा (852), राजस्थान (718) और महाराष्ट्र (741) का स्थान आता है। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में 2014 में 4 केंद्र थे, जो बढ़कर 2026 में 645 हो गए। जम्मू-कश्मीर में 6 से बढ़कर 358 केंद्र , हिमाचल प्रदेश में 8 से बढ़कर 76, पंजाब में 20 से बढ़कर 556 और त्रिपुरा में 1 से बढ़कर 33 हो गए हैं । प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना ने गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाओं को काफी कम कीमतों पर उपलब्ध कराकर नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाओं पर 40,000 करोड़ रुपये से अधिक की बचत करने में मदद की है। घरेलू विनिर्माण को मजबूत करने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए, भारत सरकार ने 2020-21 में फार्मास्यूटिकल्स और चिकित्सा उपकरणों के लिए उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शुरू की । फार्मास्यूटिकल्स के लिए पीएलआई योजना ने ₹42,694.89 करोड़ का संचयी निवेश आकर्षित किया है और ₹3,43,215.27 करोड़ की संचयी बिक्री की है , साथ ही 1.13 लाख से अधिक लोगों के लिए रोजगार सृजित किया है । यह योजना जैव-फार्मास्यूटिकल्स, जटिल जेनेरिक दवाओं जैसी उच्च मूल्य वाली दवाओं के उत्पादन को प्रोत्साहित करके भारत की क्षमताओं को मजबूत करती है और विश्व की फामेर्सी के रूप में इसकी स्थिति को सुदृढ़ करती है। इसी प्रकार, चिकित्सा उपकरणों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने वाली पीएलआई योजना ने ₹1,136.23 करोड़ का निवेश आकर्षित किया है और ₹29,402.93 करोड़ की कुल बिक्री अर्जित की है। इस योजना ने 6,822 व्यक्तियों के लिए रोजगार सृजित किया है और महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरणों के घरेलू विनिर्माण को गति प्रदान की है, जिससे चिकित्सा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिला है। घरेलू स्तर पर थोक औषधियों के उत्पादन को बढ़ावा देने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए, थोक औषधि पार्क योजना के तहत आंध्र प्रदेश, गुजरात और हिमाचल प्रदेश में तीन थोक औषधि पार्क स्थापित किए जा रहे हैं। ये पार्क विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा तैयार कर रहे हैं, दवा आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत कर रहे हैं और आत्मनिर्भर एवं वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी दवा क्षेत्र की परिकल्पना को साकार करने में सहयोग दे रहे हैं।

21 जुलाई 2020 को शुरू की गई चिकित्सा उपकरण पार्क प्रोत्साहन योजना के तहत, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में चिकित्सा उपकरण पार्क स्थापित किए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य साझा अवसंरचना और उत्पादन लागत में कमी के माध्यम से भारत के चिकित्सा उपकरण क्षेत्र को मजबूत करना और चिकित्सा उपकरण निर्माण में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। फार्मास्यु टिकल और मेडिकल डिवाइस संवर्धन एवं विकास योजना (पीएमपीडीएस) ने नीतिगत समर्थन, हितधारकों की भागीदारी और ज्ञान सृजन के माध्यम से इस क्षेत्र को और मजबूत किया है। इस योजना के तहत, 47 हितधारक कार्यक्रम और 12 क्षेत्रीय अध्ययन आयोजित किए गए हैं, जिससे उद्योग-सरकार सहयोग को बढ़ावा मिला है, नवाचार को प्रोत्साहन मिला है और साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण को समर्थन प्राप्त हुआ है। इसके अलावा, 2025-26 के बजट में घोषित बायोफार्मा शक्ति (ज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा उन्नति की रणनीति) के तहत 5 वर्षों में ₹10,000 करोड़ का परिव्यय किया गया है, जिसका उद्देश्य भारत के जैव फार्मास्यूटिकल्स क्षेत्र को मजबूत करना और बायोलॉजिक्स और बायोसिमिलर्स के लिए आत्मनिर्भर पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करके सस्ती जैविक दवाओं तक पहुंच में सुधार करना है। ये सभी पहलें मिलकर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण, निवेश और नवाचार को बढ़ावा देने, रोजगार के अवसर सृजित करने और भारत को फार्मास्यूटिकल्स, बायो फार्मा स्यूटि कल्स और चिकित्सा उपकरणों के लिए वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी केंद्र के रूप में स्थापित करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं। भारत के 2047 तक विकसित भारत बनने के लक्ष्य की ओर अग्रसर होने के साथ ही, फार्मास्यूटिकल्स विभाग सुलभ स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने और फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में नवाचार आधारित विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए उपयुक्त स्थिति में है।

ट्रेन की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी। जंसा थाना क्षेत्र के सजोई गांव में बुधवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में ट्रेन की चपेट में आने से एक वृद्ध की मौके पर ही मौत हो गई। जिससे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई तथा परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मिली जानकारी के अनुसार सजोई गांव निवासी रामसागर (55 वर्ष) बुधवार की सुबह अपने खेत में काम करने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान वह रेलवे ट्रैक पार कर रहे थे कि वाराणसी से भदोही की ओर जा रही एक तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गए। जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर जंसा थाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की जिसके बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक अपने पीछे पत्नी उर्मिला, दो पुत्र तथा दो पुत्रियों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी उर्मिला सहित अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता का शव फंदे से लटकता मिला

दो दिन बाद पुलिस को मिली सूचना, पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव

समाज जागरण

मीरजापुर /लालगंज थाना क्षेत्र के महुलार कला गांव में एक विवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में घर के अंदर फंदे से लटकता मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी दो दिन बाद पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार महुलार कला गांव निवासी पिंटू कोल की शादी लगभग 14-15 माह पूर्व संतनगर थाना क्षेत्र के पड़रिया गांव निवासी पूनम 25 वर्षीय से हुई थी। बताया जा रहा है कि विवाहिता ने रविवार की रात खपरैल मकान के बड़ेर में साड़ी के सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। दंपती की कोई संतान नहीं थी। घर में पति और सास के साथ ही विवाहिता रहती थी। काम के सिलसिले में बाहररहता था। मंगलवार देर रात स्वजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे दुबार चौकी प्रभारी कुंवर मनोज सिंह ने पुलिस टीम की मदद से शव को नीचे उतरवाया। दो दिन पुराना शव होने के कारण उसमें दुर्गंध आने लगी थी। चौकी प्रभारी कुंवर मनोज सिंह ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

खेत में मिट्टी गिरा रहे ट्रैक्टर ट्राली से कुचलकर श्रमिक की हुई मौत

समाज जागरण

मीरजापुर /ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के गलरिया गांव में बुधवार सुबह नौ बजे के करीब खेत में मिट्टी गिराते समय ट्रैक्टर ट्राली से कुचलकर श्रमिक की मौत हो गई।गलरिया गांव निवासी 63 वर्षीय श्रमिक पगल धरकार अपने घर के पास जेसीबी मशीन लगवाकर खेत में ट्रैक्टर ट्राली से मिट्टी का पटान करवा रहे थे।उसी दौरान खेत पर मिट्टी गिरा रहे ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आने से पगल धरकार की मौत हो गई।श्रमिक की मौत से स्वजनों में चीख पुकार मच गई।मृतक के पुत्र रवि की तहरीर पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया व घटना की जांच में जुट गई।दी गई तहरीर में मृतक श्रमिक के पुत्र ने आरोप लगाया कि खेत में मिट्टी गिरा रहे अज्ञात ट्रैक्टर चालक ने लापरवाही पूर्वक व तेज गति से ट्रैक्टर चलाते हुए पिता को टक्कर मारते हुए कुचल दिया। जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद अज्ञात ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर मालिक वीरेंद्र कोरी के घर पर ट्रैक्टर ट्राली खड़ा कर भाग निकला। प्रभारी निरीक्षक ड्रमंडगंज राजेश कुमार ने बताया कि मृतक के पुत्र की तहरीर पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना की जांच की जा रही है।

पूर्व मंत्री रघुवर दयाल वर्मा की 15वीं पुण्यतिथि पर किए श्रद्धा सुमन अर्पित।

समाज जागरण - ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व वन मंत्री स्वर्गीय रघुवर दयाल वर्मा जी की 15वीं पुण्यतिथि पर एच.आर.डी. वर्मा आईटीआई कॉलेज में

श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष डॉ. सतीश दिवाकर, पूर्व विधायक ओमप्रकाश वर्मा, राम अवतार गुर्जर, महानगर उपाध्यक्ष रामनरेश कटारा, केशव फौजी, महानगर कोषाध्यक्ष दीपक गुप्ता कालू तथा महानगर मीडिया प्रभारी आकाश गुप्ता मंडल अध्यक्ष भरत सिंह वर्मा सहित अनेक गणमान्य लोगों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

कार्यक्रम में हवन-पूजन का आयोजन किया गया तथा पुण्यतिथि के अवसर पर भंडारे का भी आयोजन किया गया। उपस्थित सभी लोगों ने स्वर्गीय रघुवर दयाल वर्मा जी के समाज एवं जनसेवा के प्रति योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

जनप्रतिनिधियों के कर-कमलों से परियोजनाओं का भूमिपूजन एवं शिलान्यास कराएं

समाज जागरण

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहाँ अपने सरकारी आवास पर लखनऊ मण्डल के जनप्रतिनिधियों के साथ लोक निर्माण विभाग की वित्तीय वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना के सम्बन्ध में बैठक की। बैठक में मण्डल के जनपद लखनऊ, हरदोई, रायबरेली, उन्नाव, सीतापुर और लखीमपुर खीरी के जनप्रतिनिधिगण ने अपने-अपने क्षेत्रों से सम्बन्धित प्रमुख नव प्रस्तावित परियोजनाओं, अधोसंरचनात्मक आवश्यकताओं एवं जनअपेक्षाओं से मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को अपने क्षेत्र की आवश्यकताओं की गहन समझ होती है। शासन की योजनाओं के निर्धारण और उनके प्रभावी क्रियान्वयन में उनके अनुभव हमारे लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं। इसके दृष्टिगत प्राप्त प्रस्तावों की प्राथमिकता तय करते हुए शीघ्र ही कार्ययोजना शासन को प्रेषित करें, जिससे उन्हें इस माह के अन्त तक स्वीकृत कर कार्य प्रारम्भ कराए जा सकें।

बैठक में मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि लखनऊ मण्डल के सभी जनपदों के विभिन्न विकास खण्डों की लगभग 41,229 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के 4,204 विकास प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के सुझावों को गम्भीरता से लिया जाए और उनके द्वारा बतायी गयी प्राथमिकता के आधार पर इन परियोजनाओं को चरणबद्ध ढंग से पूर्ण कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्यों को गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मण्डल के सभी जनपदों एवं विधान सभा क्षेत्रों की अपनी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक विशिष्टताएँ हैं। इन्हें सशक्त किये जाने के लिए विगत वर्षों में अनेक कार्य किए गए हैं। इसके दृष्टिगत मण्डल के प्रत्येक जनपद एवं विधानसभा क्षेत्रों में चल रही परियोजनाओं की नियमित समीक्षा की जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विकास परियोजनाओं को पूर्ण कराने के लिए स्पष्ट कार्ययोजना, समयबद्धता, सतत संवाद एवं नियमित फीडबैक अनिवार्य है।

समेकित जन कल्याण एवं जन जागरूकता अभियान के तहत सघन खेत बचाओ की जानकारी किसानों को दी गई।

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी हरहुआ ब्लाक के पुआरी खुर्द , औसानपुर, शिवरामपुर,खानपट्टी ,काकलपुर में खेत बचाओ अभियान में कृषि विज्ञान केंद्र के डॉ.राहुल सिंह ने धान की सीधी बुआई के बारे में जानकारी दी।

डॉ0पूजा सिंह ने पशुपालन के बारें में विस्तृत जानकारी दी, भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान से डॉ0 श्रेया ने मिट्टी की जाँच करके संतुलित उर्वरकों का उपयोग डॉ0 आत्मा नंद त्रिपाठी ने समसामयिक खेती के बारे में दलहनी फसल कीटनाशक का प्रयोग के बारे में किसानों को बताया।

डॉ0 त्रिभुवन चौबे ने सब्जी की खेती के बारे में बताते हुए खेत

बचाओ अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उद्यान विभाग से नीतू ने योजनाओं के बारे में वहीं कृषि विभाग से कृष्ण कुमार मौर्य ने जैविक खेती मिट्टी की जाँच कैसे कराए के बारे में जानकारी दी।

कृषि विभाग से आकांक्षा राय, रामसकल ,अखिलेश सिंह सहायक विकास अधिकारी कृषि ,विवेक सिंह ने विभाग के योजना के बारे में बताया।

प्रमुख रूप से किसानों में कैलाश सिंह, अजीत कुमार, राधेश्याम सिंह ,अमर नाथ सिंह, सुनील कुमार सिंह,सुभाष चंद वर्मा, कैलाश वर्मा,महादेव प्रसाद कांति देवी,प्रमिला देवी रम्पा देवी सहित कई किसान उपस्थित रहे।

मीरजापुर-एमपी सीमा तक सड़क चौड़ीकरण का शिलान्यास, अनुप्रिया पटेल ने किया शुभारंभ

समाज जागरण

मीरजापुर /हलिया विकास खंड के देवरी-हरबरा मार्ग के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए देवरी से हरबरा (मध्य प्रदेश सीमा) तक सड़क के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का मंगलवार की शाम शिलान्यास किया गया। भारत सरकार में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री तथा मिजार्पुर की सांसद अनुप्रिया पटेल ने परियोजना का शिलान्यास कर शुभारंभ किया। 35 करोड़ 55 लाख 77 हजार रुपये की लागत से बनने वाली यह सड़क लगभग 10.30 किलोमीटर लंबी और 7 मीटर चौड़ी होगी।अधिकारियों ने बताया कि निर्माण पूरा होने के बाद मीरजापुर

जनपद का मध्य प्रदेश के सिंगरौली जनपद से सीधा और सुगम संपर्क स्थापित होगा। इससे क्षेत्र में आवागमन की सुविधा बढ़ेगी, व्यापार और रोजगार के अवसरों का विस्तार होगा। साथ ही दोनों राज्यों के बीच सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद है।इस दौरान छानबे विधायक रिंकी कोल, डॉ. एसपी पटेल, रमाकांत पटेल, भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश अग्रहरी, पंकज सिंह चंदेल सहित कई जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अब हर वीकेंड होगा 'सुगम दर्शन', पांच धार्मिक टूर सेवाएं हुई नियमित

लखनऊ और प्रयागराज से अयोध्या, नैमिषारण्य, चित्रकूट व विंध्याचल की यात्रा का मिलेगा लाभ

समाज जागरण

मीरजापुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी क्रम में विजिट माय स्टेट अभियान के तहत उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) ने सुगम दर्शन सहित पांच प्रमुख वीकेंड धार्मिक टूर पैकेजों को नियमित कर दिया है। अब श्रद्धालु प्रत्येक शुक्रवार, शनिवार और रविवार को अपनी सुविधा के अनुसार धार्मिक यात्राएं कर सकेंगे।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि श्रद्धालुओं और पर्यटकों की बढ़ती मांग को देखते हुए लखनऊ से अयोध्या एवं नैमिषारण्य तथा प्रयागराज से अयोध्या, चित्रकूट और विंध्याचल धाम के लिए संचालित एक दिवसीय टूर पैकेजों को नियमित किया गया है। उन्होंने कहा कि यदि किसी यात्रा के लिए केवल दो श्रद्धालु भी बुकिंग कराते हैं, तब भी यात्रा संचालित की जाएगी।

यूपीएसटीडीसी ने यात्रियों की सुविधा के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से बुकिंग की व्यवस्था की है। श्रद्धालु यूपीएसटीडीसी की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से बुकिंग करा सकते हैं। समूह बुकिंग पर विशेष छूट भी प्रदान की जाएगी।

लखनऊ से अयोध्या का सुगम दर्शन

हर शनिवार और रविवार को संचालित होने वाली इस यात्रा की शुरूआत सुबह 7:30 बजे लखनऊ से होगी। श्रद्धालुओं को अयोध्या में हनुमानगढ़ी, श्रीराम जन्मभूमि, कनक भवन, सरयू रिवर फ्रंट, राम की पैड़ी और नागेश्वरनाथ मंदिर के दर्शन कराए जाएंगे। वरिष्ठ नागरिकों के लिए शुल्क 1500 रुपये तथा अन्य यात्रियों के लिए 2000 रुपये निर्धारित किया गया है।

नैमिषारण्य दर्शन हर शुक्रवार

लखनऊ से संचालित इस एक दिवसीय यात्रा में श्रद्धालुओं को नैमिषारण्य के चक्रतीर्थ, व्यास गद्दी, दधीचि कुंड, ललिता देवी मंदिर, बालाजी मंदिर और हवन कुंड के दर्शन कराए जाएंगे। वरिष्ठ नागरिकों के लिए शुल्क 1000 रुपये और अन्य यात्रियों के लिए 1700 रुपये रखा गया है।

प्रयागराज से चित्रकूट यात्रा

प्रत्येक शनिवार संचालित इस पैकेज के अंतर्गत श्रद्धालुओं को चित्रकूट के गुप्त गोदावरी, माता अनसूया आश्रम, स्फटिक शिला, राम दरबार, कामतानाथ मंदिर और हनुमान धारा के दर्शन कराए जाएंगे। यात्रा शुल्क 1000 रुपये प्रति व्यक्ति निर्धारित किया गया है।

प्रयागराज से विंध्याचल धाम

हर शुक्रवार संचालित इस धार्मिक यात्रा में श्रद्धालु विंध्याचल धाम में मां विंध्यवासिनी देवी, अष्टभुजा मंदिर और काली खोह के दर्शन कर सकेंगे। इस पैकेज का शुल्क मात्र 600 रुपये प्रति व्यक्ति रखा गया है।

प्रयागराज से अयोध्या यात्रा

प्रत्येक रविवार संचालित इस पैकेज में श्रद्धालुओं को राम की पैड़ी, हनुमानगढ़ी, श्रीराम मंदिर और कनक भवन के दर्शन कराए जाएंगे। इस यात्रा का शुल्क 1000 रुपये प्रति व्यक्ति निर्धारित किया गया है।

पर्यटन विभाग का मानना है कि इन नियमित धार्मिक टूर पैकेजों से न केवल श्रद्धालुओं को सुविधाजनक यात्रा का लाभ मिलेगा, बल्कि प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को भी नई गति मिलेगी।

डॉ. अजय पाण्डेय 'सत्यम' के नेतृत्व में आयोजित सहायक उपकरण वितरण शिविर में उमड़ी जरूरतमंदों की भीड़.......

विवेक कुमार दैनिक समाज जागरण संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय जननायक सुजीत पाण्डेय मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांग बच्चों के जीवन को सुगम और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए कालेवीर बाबा मंदिर परिसर में दो दिवसीय विशाल सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री दिव्याशा केंद्र के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम के प्रथम दिवस लगभग 280 दिव्यांग एवं वृद्धजनों को विभिन्न सहायक उपकरण वितरित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि लखनऊ खंड स्नातक क्षेत्र के सदस्य विधान परिषद इंजी. अवनीश कुमार सिंह एवं भाजपा जिला महामंत्री धीरेन्द्र पाण्डेय धीरू ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर अतिथियों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित भी किया गया।ट्रस्ट के मुखिया एवं समाजसेवी डॉ. अजय पाण्डेय सत्यम ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा विकास खंड मोहनलालगंज की विभिन्न ग्राम पंचायतों में विशेष सर्वे अभियान चलाकर जरूरतमंद दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों की पहचान

कर उनका पंजीकरण कराया गया था। इसी प्रक्रिया के आधार पर पात्र लाभार्थियों का चयन कर उन्हें योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट का उद्देश्य केवल उपकरण वितरित करना नहीं, बल्कि जरूरतमंदों को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर प्रदान करना है। डॉ. अजय पाण्डेय सत्यम ने बताया कि शिविर में लाभार्थियों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप ट्राईसाइकिल, मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, वॉकर, छड़ी, कमर बेल्ट, सर्वाइकल कॉलर, नी-ब्रेस सहित विभिन्न सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। प्रथम दिवस में 11 ट्राईसाइकिल, 5 मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल सहित बड़ी संख्या में अन्य सहायक उपकरण वितरित किए गए, जिससे दिव्यांग एवं वृद्धजन अपने दैनिक कार्यों को अधिक सहजता से कर सकेंगे।कार्यक्रम प्रभारी एवं राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता अवधेश कुमार ने बताया कि ट्रस्ट का लक्ष्य समाज के कमजोर, असहाय और जरूरतमंद वर्गों तक सहायता पहुंचाकर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक समरसता और मानवीय संवेदनाओं को मजबूत करने का कार्य करते हैं। प्रधानमंत्री दिव्याशा केंद्र से श्री श्याम मोहन शुक्ला, श्रीकांत एवं लिपू दलाई ने भी कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में ट्रस्ट के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, सभासद, समाजसेवी, पत्रकार एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।सहायक उपकरण प्राप्त करने वाले लाभार्थियों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। कई दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों ने कहा कि इन उपकरणों से उनके जीवन को नई गति और सहारा मिलेगा तथा दैनिक गतिविधियों को करने में आने वाली कठिनाइयां काफी हद तक कम होंगी।क्षेत्र में जननायक सुजीत पाण्डेय मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना की जा रही है। विशेष रूप से ट्रस्ट के मुखिया डॉ. अजय पाण्डेय ह्यसत्यम्ह्न के नेतृत्व में चलाए जा रहे सेवा एवं जनकल्याण के अभियान जरूरतमंद लोगों के लिए उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आ रहे हैं।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी की उपलब्धियों का उल्लेख, राज्य की विकास योजनाओं पर भी प्रकाश डाला

-12 साल विश्वास के, विकास के जनकल्याण के कार्यक्रम में दी योजनाओं की जानकारी

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

जसराना। मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने ब्लॉक सभागर में जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान कहा कि 12 वर्षों में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के नए आयाम स्थापित हुए हैं।

मुख्य अतिथि के रुप में प्रतिभाग करते हुए जसराना की ब्लॉक प्रमुख संध्या राजपूत ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्षों का कार्यकाल ऐतिहासिक

उपलब्धियों से भरा रहा है। उन्होंने कहा कि इन वर्षों में देश ने वैश्विक स्तर पर एक मजबूत पहचान बनाई है। बेटी बचाओझबेटी पढ़ाओ, स्वच्छ भारत अभियान, उज्ज्वला योजना, हर घर जल योजना और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने आम जनजीवन को सरल और सुरक्षित बनाया है। कहा कि कोरोना काल में प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत आज देश के लगभग 85 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही स्वदेशी वैक्सीन निर्माण और वैश्विक स्तर पर वैक्सीन आपूर्ति ने भारत की भूमिका को विश्व मंच पर और मजबूत किया है। शिविर में योगी सरकार की योजनाओं का भी गुणगान किया गया। कार्यक्रम के दौरान खंड विकास अधिकारी नवीन कुमार राजकिशोर सिंह, दामोदर सिंह, अजय कुमार, देवेंद्र सिंह, मुकेश कुमार, विकास चौहान, आलोक कुमार सहित पंचायत सहायक, आंगनवाड़ी, अधिकारी व कर्मचारी गण मौजूद रहे।

शिक्षा सुधारों को स्थायी आधार दे रही योगी सरकार, डायट के 3,346 पदों का स्थायीकरण

- 70 जनपदों के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों को मिला स्थायी मानव संसाधन ढांचा

- प्राचार्य से लेकर चतुर्थ श्रेणी कर्मियों तक विभिन्न संवर्गों के पद हुए स्थायी

- शिक्षक प्रशिक्षण, शैक्षणिक अनुसंधान और नवाचार को मिलेगा नया संबल

- निपुण भारत मिशन और नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन को मिलेगी मजबूती

- अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने जारी किए आदेश

समाज जागरण

लखनऊ, 17 जून। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षा सुधारों को केवल योजनाओं और घोषणाओं तक सीमित नहीं रख रही है। उन्हें धरातल पर लागू करने वाले संस्थानों को भी स्थायी मजबूती प्रदान कर रही है। प्रदेश के 70 जनपदों में संचालित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों (डायट) के कुल 3,346 पदों के स्थायीकरण का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है।

अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग पार्थ सारथी सेन शर्मा द्वारा जारी आदेश के अनुसार वर्षों से अस्थायी रूप से संचालित शैक्षणिक एवं प्रशासनिक पदों को अब स्थायी स्वरूप प्रदान किया जाएगा। यह निर्णय प्रदेश की शिक्षक प्रशिक्षण व्यवस्था, शैक्षणिक अनुसंधान तथा अकादमिक नेतृत्व को दीर्घकालिक मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। चुंकि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की मजबूत नींव प्रशिक्षित और दक्ष शिक्षकों पर आधारित होती है। यही कारण है कि विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं और अधिगम परिणामों में सुधार के साथ-साथ उन संस्थानों को भी सुदृढ़ किया जा रहा है जो शिक्षकों के प्रशिक्षण, शैक्षणिक नवाचार और शिक्षा की गुणवत्ता सुधार में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। डायट, प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था के ऐसे ही प्रमुख स्तंभ हैं, जिन्हें अब स्थायी मानव संसाधन संरचना का आधार मिलने जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में शिक्षा सुधार का दायरा लगातार विस्तृत हुआ है। विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, डिजिटल शिक्षण, निपुण भारत मिशन, बाल वाटिका, शिक्षक प्रशिक्षण और अधिगम गुणवत्ता सुधार जैसे कार्यक्रमों के साथ-साथ अब शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों को भी मजबूत किया जा रहा है। डायट के 3,346 पदों का स्थायीकरण इस बात का प्रमाण है कि सरकार शिक्षा व्यवस्था को अल्पकालिक नहीं, बल्कि स्थायी और परिणामोन्मुखी आधार पर विकसित करने की दिशा में कार्य कर रही है। यह निर्णय न केवल प्रदेश की शिक्षक प्रशिक्षण व्यवस्था को नई ऊर्जा देगा, बल्कि शैक्षणिक अनुसंधान, अकादमिक नेतृत्व और गुणवत्ता आधारित शिक्षा सुधारों को भी मजबूत आधार प्रदान करेगा। आने वाले वर्षों में यह कदम उत्तर प्रदेश को अधिक सक्षम, आधुनिक और परिणामोन्मुख शिक्षा व्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

प्राचार्य से लेकर चतुर्थ श्रेणी तक सभी संवर्गों को मिला लाभ

जारी आदेश के अनुसार 70 प्राचार्य, 70 उप प्राचार्य, 420 वरिष्ठ प्रवक्ता, 1,190 प्रवक्ता, 70 सांख्यिकीविद, 70 कायानुभव शिक्षक, 70 तकनीकी सहायक, 70 कार्यालय अधीक्षक, 70 पुस्तकालयाध्यक्ष, 70 लेखाकार, 70 आशुलिपिक, 630 लिपिक, 126 प्रयोगशाला सहायक तथा 350 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों सहित कुल 3,346 पदों का स्थायीकरण किया जाएगा। इससे डायट संस्थानों में शैक्षणिक, तकनीकी और प्रशासनिक कार्यों के संचालन को स्थिरता और निरंतरता मिलेगी।

एससी एसटी आयोग के सदस्य को ठेका सफाई कर्मचारियों को मानदेय वृद्धि को लेकर सोंपा ज्ञापन।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य रमेश चंद्र कुण्डे का प्रथम बार फिरोजाबाद आगमन हुआ नगर निगम के जीवाराम हाल में नगर आयुक्त प्रशांत नागर सहायक नगर आयुक्त स्वास्थ्य प्रभारी आर. पी.सिंह जेड.एस.ओ.दिनेश पाल सिंह स्वच्छता निरीक्षक विपिन पांडे पवन भारती के साथ उत्तर प्रदेशीय सफाई कर्मचारी संघ स्थानीय निकाय सफाई कर्मचारी संघ पंजीकृत ट्रेड यूनियन के पदाधिकारी प्रांतीय संयुक्त मंत्री अशोक मोती वाल्मीकि जिला अध्यक्ष जालिम सिंह वाल्मीकि प्रांतीय महामंत्री योगेश सरन आचार्य कृष्ण मुरारी ने निगम में तैनात सफाई कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर माननीय आयोग के सदस्य को ज्ञापन सोंपा साथ ही साथ आयोग के सदस्य का पुष्पहार एवं बुके देकर स्वागत सत्कार किया ज्ञापन सौंपते हुए उत्तर प्रदेशीय ठेका सफाई कर्मचारी संघ के अध्यक्ष आचार्य कृष्ण मुरारी ने ठेका सफाई कर्मचारियों की ज्वलंत समस्याओं से अवगत कराते हुए कहा कि नगर निगम के विकास की रीढ़ कहे जाने वाले ठेका कर्मियों की अपेक्षा बरदास्त नहीं की जाएगी बर्षो से आउटसोर्सिंग ठेका सफाई कर्मचारियों

के साथ अन्याय एवं उत्पीड़न हो रहा है लेकिन सरकार का सफाई कर्मियों की तरफ कोई ध्यान नहीं है 10000 रुपये अपर्याप्त वेतन मात्र से ठेका सफाई कर्मचारियों के परिवार का भरण पोषण बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतें पूरी करना बेहद मुश्किल हो गया है इस कमर तोड़ महंगाई के दौर में ठेका कर्मियों का प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री महोदय जी की घोषणा अनुसार 18000 रुपए मासिक वेतन वृद्धि प्रदान की जाए तथा फिरोजाबाद शहर में सत्य अहिंसा दया करुणा का संदेश देने वाले रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि भगवान के नाम से दमामल नगर वाल्मीकि बस्ती में महर्षि वाल्मीकि भगवानके नाम से द्वार का निर्माण किया जाए प्रांतीय महामंत्री योगेश सरन ने कहा कर्मचारियों के सम्मान में स्वास्थ्य नियमावली को देखते हुए संपूर्ण प्रदेश में प्राथमिकता के आधार वाल्मीकि समाज द्वारा 3 लाख सफाई कर्मचारियों की भर्ती की जाए तथा विगत 20 वर्षों से मेहनत से कार्य कर रहे समस्त संविदा कर्मियों को स्थायी किया जाए आयोग के सदस्य ने सफाई कर्मचारी मांगों को ध्यान से सुनते हुए आश्वासत किया कि शीघ्र ही मा.मुख्यमंत्री एवं नगर विकास विभाग से वार्ता कर कर्मचारियों की सभी समस्याओं का निराकरण किया जाएगा नगर निगम के पश्चात आयोग के सदस्य ने कौशल्या नगर वाल्मीकि मलिन बस्ती का औचक निरीक्षण किया इस दौरान पार्षद कायम सिंह पूर्व पार्षद राम बहादुर लिपिक मुमताज उत्तर प्रदेशीय सफाई कर्मचारी संघ के बबलू गौतम मुन्नालाल टार्जन कल्लू भारती विशाल राय वाल्मीकि विनय चौहान पवनदीप चौहान अमित राय रोबिन सिंह अश्वनी चौहान अमित नौबत लक्ष्मण सिंह अरविंद कुमार सतीश कुमार रामकुमार सोनू चौहान मनमोहन सिंह शिवम वाल्मीकि विजय प्रकाश आदि सैकड़ों की संख्या में सफाई कर्मचारी उपस्थित रहे।

दो घंटे चली बैठक बेनतीजा, किसानों ने खदान बंद करने की चेतावनी दी

समाज जागरण

रामपुर बटुरा। महाप्रबंधक कार्यालय में करीब दो घंटे तक चली बैठक के बाद भी कोई सहमति नहीं बन सकी। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रमेश सिंह, जनप्रतिनिधि, सरपंच, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। 18 जून को प्रस्तावित पर्यावरण जनसुनवाई की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में किसानों ने रोजगार, भू-आश्रित परिवारों की समस्याओं और निजी कंपनियों में स्थानीय युवाओं की उपेक्षा का मुद्दा जोरदार ढंग से उठाया। ग्राम पंचायत अतरिया और बिछिया के सरपंचों ने ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि जब तक लंबित समस्याओं का समाधान नहीं होता, तब तक किसी नई बैठक का औचित्य नहीं है। किसानों ने आरोप लगाया कि पूर्व में दिए गए आश्वासनों पर अमल नहीं हुआ और स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार देने के बजाय बाहरी लोगों को प्राथमिकता दी जा रही है।

सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश शर्मा ने कहा कि तीन माह पहले हुए वादों में से एक भी पूरा नहीं किया गया। उन्होंने चेतावनी दी कि पहले लंबित मांगों का समाधान किया जाए, अन्यथा खदान बंद करने की जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी।

बैठक के अंत में किसानों ने ऐलान किया कि यदि रोजगार और अन्य मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो वे कल सुबह 9 बजे से खदान का पूर्ण बंद आंदोलन शुरू करेंगे।

किसान मोर्चा की जिला बैठक संपन्न, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर हुआ मंथन

समाज जागरण शहडोल

भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा, जिला शहडोल की जिला बैठक भाजपा कार्यालय शहडोल में संपन्न हुई। बैठक में किसान मोर्चा के संभाग प्रभारी एवं प्रदेश मंत्री श्री बॉबी राजा, प्रदेश मंत्री किसान मोर्चा एवं प्राकृतिक खेती प्रभारी श्री राजमणि सिंह बघेल, शहडोल संभाग के नीति एवं शोध प्रभारी रविकांत त्रिपाठी तथा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष सुरेश चतुर्वेदी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में भाजपा जिला उपाध्यक्ष भूपेंद्र मिश्रा, जिला मंत्री रविंद्र वर्मा, जिला पंचायत सदस्य रामनरेश शर्मा, अजय मिश्रा, रामनारायण मिश्रा, पंकज सिंह, नरेंद्र तिवारी, संजीव श्रीवास्तव, राजेश प्रताप सिंह, नगर मंडल अध्यक्ष प्रियम त्रिपाठी, लल्लू तोमर बृजेश पांडेय, महेश तिवारी, विनोद पटेल, श्रीमती सुरमा गुप्ता, यमुना नापित, लवकेश गुप्ता, रामनिवास गौतम सहित जिले के सभी किसान मोर्चा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।बैठक में संगठन की आगामी गतिविधियों, किसानों से जुड़े विभिन्न विषयों एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान आगामी 19 एवं 20 जून को शहडोल जिले की तीनों विधानसभाओं में प्राकृतिक खेती कार्यशालाओं के आयोजन की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई। निर्णय लिया गया कि जयसिंहनगर विधान सभा में ग्राम पंचायत वर्मनिया, ब्यौहारी विधान सभा में देवगांव तथा जैतपुर विधान सभा में खरला में प्राकृतिक खेती कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा, जिसमें किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती की उन्नत तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा।प्राकृतिक खेती विषयक सत्र में जिले के प्रशिक्षक किसान श्री रामकुशल पटेल जी ने किसानों को औषधीय खेती के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि औषधीय फसलों की खेती किसानों के लिए आय बढ़ाने का एक प्रभावी माध्यम बन सकती है।वहीं युवा किसान विनय तिवारी (खनौधी) ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि वे गौशाला का संचालन करते हैं तथा वहां से प्राप्त संसाधनों के माध्यम से जैविक खाद का निर्माण करते हैं। उन्होंने कहा कि जैविक खाद के निर्माण एवं उपयोग से उन्हें आर्थिक रूप से अच्छा लाभ प्राप्त हो रहा है तथा इससे प्राकृतिक खेती को भी बढ़ावा मिल रहा है।बैठक का समापन किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती के प्रति जागरूक करने तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के संकल्प के साथ हुआ। साथ ही सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से आगामी कार्य शालाओं को सफल बनाने हेतु सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया गया।

आज भी अंधेरे में जीने को मजबूर आदिवासी गाँव

विकास के दावों के बीच बिजली जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित सैकड़ों आदिवासी परिवार

समाज जागरण

उमरिया -- जब पूरा देश डिजिटल इंडिया, स्मार्ट गाँव और विकसित भारत की ओर तेजी से बढ़ रहा है, तब उमरिया जिले के पाली विकास खंड के घुनघुटी ग्राम पंचायत की आदिवासी बहुल गांव गाँधीग्राम, और कठई ग्राम पंचायत की चिनकी,सांस, गढकुर जैसे वनांचल आदिवासी बहुल गांवों में बिजली जैसी मूलभूत सुविधा से आज भी बिजली जैसी बुनियादी सुविधा के लिए तरस रहे है, जहाँ पर सूर्यास्त होते ही पूरे गाँव अंधेरे की आगोस की घनी चादर में डूब जाता है , जिससे ऐसा प्रतीत होता है मानो समय अभी भी अठारहवीं शताब्दी में ठहरा हुआ है। घुनघुटी ग्राम पंचायत के सांस गाँव में लगभग तीन सौ भूमिया (भील) आदिवासी परिवार जो की बैगा प्रजाति से जुडा माना जाता है , इस गाँव के आदिवासी दिन भर खेतों में और घुनघुटी से मेहनत-मजदूरी कर जब शाम को घर लौटते हैं तब दिनभर कठिन परिश्रम करने के बाद जब ग्रामीण अपने घरौंदे में प्रवेश करते हैं, तब उनका स्वागत धुंध अंधकार के व्दारा किया जाता है, जब आज भारत इक्कीसवीं सदी के आधुनिक सुविधाओं से सूर्य की भांति जगमगाती रोशनी से होती है तब इन गांवों के आदिवासियों का अभिनंदन घोर अंधकार से होता है। आदिवासी बच्चों की पढ़ाई विशेष कर प्रभावित होती है, महिलाओं को घरेलू कार्यों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है , क्योंकि आज भी ग्रामीणों का जीवन ढिबरी एवं लालटेन की सीमित रोशनी तक सिमटा हुआ है। सबसे बड़ा दुर्भाग्य इन गांवों का यह है कि चुनावी मौसम

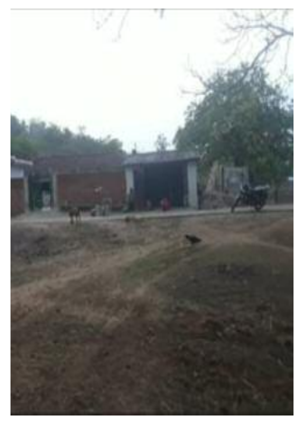

में बरसाती नेताओं जनप्रतिनिधियों और उनके नुमाइंदों की आवाजाही तो होती है, आदिवासियों को बिजली के सब्ज बाग भी दिखाये जाते हैं, विकास के अनेक वादे परोसे जाते हैं, किन्तु चुनाव समाप्त होते ही आदिवासियों की थाली खाली की खाली रह जाती है। विदित होवे की वर्षों से ग्रामीण बिजली उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं, लेकिन उनकी यह जायज मांग अब तक पूरी नहीं हो सकी है।इसके लिए न क्षेत्र के जनप्रतिनिधि आवाज बुलंद करते हैं, न इस ओर प्रशासनिक पहल होती है, जबकि बिजली अब केवल एक प्रकाश का माध्यम बची बल्कि यह एक ऐसी सुविधा बन गयी है, जो की आज जीवन के हर पहलु को प्रभावित करती है। जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, मनोरंजन के साधन, दूर संचार के साथ ही आज आर्थिक विकास का आधार भी बनी हुई है। बिजली के अभाव में गाँव के बच्चे आधुनिक शिक्षा से पीछे छूट रहे हैं तथा ग्रामीण शासन की अनेक योजनाओं का पूरा लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। वर्तमान में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य आदिवासी क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करना है। ऐसे में इन बिजली विहीन गाँवों को प्राथमिकता के आधार पर बिजली सुविधा से जोड़ना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इन गाँवों के ग्रामीणों ने शासन, प्रशासन, जन प्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों से मार्मिक अपील की है कि उनके गाँव तक भी विकास की रोशनी पहुँचाई जाए। जिस दिन यहाँ के घरों में पहला बल्ब जलेगा, उस दिन केवल अंधेरा ही नहीं मिटेगा, बल्कि सैकड़ों आदिवासी परिवारों के सपनों को भी नया उजाला मिलेगा। अब प्रश्न यह है कि क्या जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि गाँधीग्राम की इस पीड़ा को सुनेंगे, या फिर यह गाँव आने वाले वर्षों तक भी विकास की रोशनी से वंचित रहेगा?

शहडोल संभाग के अनुपपुर में आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी जीतेन्द्र सिंह के नेतृत्व में निकला पैदल मार्च।

समाज जागरण

शहडोल संभाग के अनुपपुर में मध्यप्रदेश के प्रभारी जीतेन्द्र सिंह तोमर के नेतृत्व विशाल आम सभा एवं कार्यकताओं के साथ निकला पैदल मार्च जिसमें नगर वासियों को लगातार बढ़ती मंहगाई, बेरोजगारी, स्वास्थ्य, किसानों एवं आदिवासियो के ऊपर हो रहे अत्याचार शासन प्रशासन का ध्यान आकृष्ट करया जाकर महंगाई कम करने की केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार से अपील की आम आदमी का भी जीवन यापन हो सके इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए शहडोल जिले के ब्योहारी से जिला उपाध्यक्ष मृगेंद्र सिंह गुड्डू के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए इस कार्यक्रम में जीतेन्द्र सिंह तोमर ने जिला उपाध्यक्ष का नियुक्ति पत्र सौंपा गया इस कार्यक्रम से शहडोल संभाग के कार्यकताओं में जोश उत्साह के साथ नयी उर्जा का संचार हुआ जिसका आगामी नगरीय चुनाव में आम आदमी पार्टी लाभ मिल सकता है

बेटी की विदाई बनी पूरे समाज की जिम्मेदारी, हटा पुलिस परिवार ने गरीब पिता की आंखों में लौटाई उम्मीद

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

दमोह/हटा बेटी की शादी हर पिता का सबसे बड़ा सपना होती है, लेकिन जब जेब खाली हो और जिम्मेदारियां सिर पर हों, तो यही सपना सबसे बड़ी चिंता बन जाता है। दमोह जिले के आंजनी बेलखेड़ी गांव निवासी अत्यंत गरीब जीवन बंसल भी ऐसी ही चिंता में डूबे हुए थे। उनकी बेटी छोटी बंसल की शादी 20 जून को तय थी, लेकिन आर्थिक तंगी इतनी थी कि बेटी को विदाई के समय देने के लिए जरूरी गृहस्थी का सामान जुटाना भी उनके लिए असंभव हो गया था।

इसी दौरान उन्हें जानकारी मिली कि हटा थाना प्रभारी सुधीर कुमार बेगी जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए हमेशा आगे रहते हैं। उम्मीद की आखिरी किरण लेकर जीवन बंसल हटा थाने पहुंचे और अपनी व्यथा सुनाई। थाना प्रभारी सुधीर कुमार बेगी ने उनकी पूरी बात गंभीरता से सुनी और भरोसा दिलाया कि बेटी की विदाई सम्मान के साथ होगी। टीआई बेगी ने पहले बैजनाथ उदेनिया के माध्यम से परिवार की वास्तविक स्थिति की जानकारी जुटाई। इसके बाद हटा क्षेत्र के समाजसेवियों से सहयोग की अपील की। उनकी इस पहल का ऐसा असर हुआ कि समाजसेवा की मिसाल पेश करते हुए आशीष पुरानी, सुरेंद्र अग्रवाल, सरपंच भगवान सिंह लोधी, कमल सिंह लोधी, दिलावर, सोनू साहू, शीतल साहू, रवि विश्वकर्मा, राजेश यादव, अजय चौरसिया सहित अनेक समाजसेवी आगे आए और छोटी बंसल की शादी के लिए सोफा सेट, पलंग, ड्रेसिंग टेबल, अलमारी, कूलर, पंखा, बर्तन, कपड़े तथा गृहस्थी का लगभग पूरा आवश्यक सामान भेंट किया। समाजसेवियों ने नवदंपती के सुखद वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं भी दीं।

एक गरीब पिता की बेबसी को सम्मानजनक विदाई में बदलने वाली यह पहल केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि इंसानियत की मिसाल बन गई। जहां अक्सर पुलिस की चर्चा कानून व्यवस्था तक सीमित रहती है, वहीं हटा पुलिस परिवार ने यह साबित किया कि वर्दी का सबसे सुंदर चेहरा संवेदनशीलता और मानवीय सेवा भी है।

बताया जाता है कि थाना प्रभारी सुधीर कुमार बेगी इससे पहले भी कई जरूरतमंद परिवारों की आर्थिक और सामाजिक मदद कर चुके हैं। यही कारण है कि क्षेत्र में लोग उन्हें केवल एक पुलिस अधिकारी नहीं, बल्कि संकट की घड़ी में सहारा बनने वाले संवेदनशील इंसान के रूप में भी देखते हैं। छोटी बंसल की शादी में मिला यह सहयोग एक बार फिर यह संदेश दे गया कि जब पुलिस और समाज साथ खड़े हो जाएं, तब किसी गरीब बेटी की विदाई अभावों में नहीं, बल्कि सम्मान और खुशियों के साथ होती है।

गायत्री प्रज्ञापीठ बडखेरा कलार में संपन्न हुई भावभीनी श्रद्धांजलि सभा

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

हटा / समीपस्थ गायत्री प्रज्ञापीठ बरखेड़ा कलार में स्वर्गीय श्रीराम पटेल लंबरदार की पुण्य स्मृति में आयोजित श्रद्धांजलि सभा श्रद्धा संवेदना और सामाजिक जागरण हेतु सम्पन्न की गई । रिश्तेदारों ग्राम वासियों तथा गायत्री परिवार के कार्यकताओं ने एकत्रित होकर दिवंगत आत्मा के प्रति श्रद्धा अर्पित की और ईश्वर से उनकी शांति एवं सद्गति की प्रार्थना की कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया तत्पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से गायत्री मंत्र महामृत्युंजय मंत्र का पाठ कर दो मिनट का मोन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की सभा को संबोधित करते हुए गायत्री परिवार के जिला समन्वयक देवेंद्र प्रसाद बोहरे तहसील समन्वयक डॉक्टर रूप सिंह राजपूत पंडित महेश पचोरी हरिनारायण चौकरया तथा लीलाधर पटेल ने कहा कि किसी प्रियजन की सच्ची स्मृति केवल औपचारिक आयोजनों से नहीं बल्कि उनके आदर्शों को जीवन में उतारने से जीवित रहती है उन्होंने विशेष रूप से मृत्यु भोज जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने का भी आवाहन किया । अपव्यय के स्थान पर शिक्षा ,संस्कार , सेवा और जनकल्याण के कार्यों में संसाधनों का उपयोग करना चाहिए ।

कार्यक्रम का प्रभावशाली एवं गरिमामय संचालन पंडित दिनेश दुबे ने किया अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि जीवन क्षणभंगुर है किंतु श्रेष्ठकर्म , सदविचार और सेवा की भावना अमर रहती है उन्होंने सभी से समाज सुधार नैतिक जीवन और आध्यात्मिक मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया । श्रद्धांजलि सभा में अनूप श्रीवास्तव एडवोकेट प्रद्युमन सिंह राजपूत देवेंद्र चोकरया , नेताराम पटेल , लोकेंद्र प्रताप सिंह राजपूत , नर्मदा असाटी, हरगोविंद साव , महेश पटेल सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक परिजन एवं गायत्री परिवार के कार्यकर्ता उपस्थित रहे सभी ने पुष्पांजलि अर्पित कर दिवंगत आत्मा को नमन किया तथा शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

जनकल्याण शिविर में उठे जनसमस्याओं के मुद्दे, सरकारी नलों पर अवैध कब्जा हटाने की मांग

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

बटियागढ़। मध्य प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप जनपद पंचायत बटियागढ़ में आयोजित तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर में क्षेत्रवासियों ने विभिन्न समस्याओं एवं मांगों से संबंधित बड़ी संख्या में आवेदन प्रस्तुत किए। शिविर के दौरान कुल 2137 ऑनलाइन एवं ऑफलाइन आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से अधिकांश का निराकरण किया जा चुका है, जबकि शेष आवेदनों को संबंधित विभागों को कार्रवाई हेतु भेजा जा रहा है।

शिविर में पहुंचे ग्राम निवासी रूपेन्द्र सिंह ने बताया कि लगभग 12 दिन पूर्व उन्होंने विद्युत विभाग कार्यालय में अहिरवार बस्ती के ट्रांसफार्मर से जुड़ी समस्या तथा घरेलू विद्युत लाइन से सिंचाई पंप कनेक्शन दिए जाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया था, लेकिन अब तक उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसी विषय को लेकर उन्होंने जनकल्याण शिविर में पुनः आवेदन दिया है।

रूपेन्द्र सिंह ने ग्राम में सार्वजनिक जल व्यवस्था से जुड़ी गंभीर समस्या भी अधिकारियों के समक्ष रखी। उनका आरोप है कि गांव के कुछ सरकारी नलों और बोरों पर कुछ लोगों द्वारा अवैध कब्जा कर लिया गया है। कई स्थानों पर नल उखाड़कर निजी उपयोग के लिए

मोटर लगाई गई है, जिससे आम नागरिकों को मिलने वाली जलापूर्ति प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि पानी की सप्लाई बाधित होने पर पूरे क्षेत्र में पेयजल संकट उत्पन्न हो जाता है। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि यदि कब्जाधारियों द्वारा बोरवेल को खुला छोड़ दिया गया तो भविष्य में बच्चों या अन्य लोगों के गिरने जैसी दुर्घटनाएं हो सकती हैं। ऐसे किसी हादसे की स्थिति में जिम्मेदारी तय करना भी चुनौतीपूर्ण होगा। इसलिए उन्होंने प्रशासन से अवैध कब्जे हटाने तथा सार्वजनिक जल स्त्रोतों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। इस संबंध में जनपद पंचायत बटियागढ़ के मुख्य कार्य पालन अधिकारी अश्वनी सिंह ने बताया कि जनकल्याण शिविर में कुल 2137 आवेदन प्राप्त हुए हैं। अधिकांश आवेदनों का मौके पर अथवा निर्धारित प्रक्रिया के तहत निराकरण कर दिया गया है। शेष आवेदनों को संबंधित विभागों को भेजा जा रहा है और सभी प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान हो तथा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। जनकल्याण शिविर इसी उद्देश्य को लेकर आयोजित किए जा रहे हैं, जहां नागरिकों को अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर मिल रहा है।

अपनी ही जमीन पर बेगाने हुए किसान

समाज जागरण
विजय तिवारी अनूपपुर

कानून के अनुसार निजी भूमि पर जबरन खनन करना अपराध है, लेकिन अनूपपुर के किसान आज अपने ही खेतों में बेगाने हो गए हैं। सत्ता के रसूखदार नेताओं और कंपनी की यह सांठगांठ यदि समय रहते नहीं टूटी, तो न केवल किसानों का अस्तित्व मिट जाएगा, बल्कि पर्यावरण का भी अपूरणीय नुकसान होगा। क्या सरकार के कान पर जूं रेंगेंगी, या फिर ये किसान अपनी जमीन बचाने के लिए सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे? प्रशासनिक मिलीभगत का जीता-जागता प्रमाण कोतमा विकासखंड के बसखला में आयोजित जनसुनवाई के दौरान जब सरपंचों और जनपद अध्यक्ष ने खुलेआम रिपोर्ट न मिलने की बात कही, तो प्रदूषण विभाग के अधिकारी कंपनी के पक्ष की ही बातें सुनने में मशगूल रहे। ह्यजल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियमह्ल और वायु (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम के तहत पर्यावरण विभाग को स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करनी थी, लेकिन यहाँ अधिकारी स्वयं कंपनी के वकील की भूमिका में नजर आए। पारिस्थितिकी तंत्र और जल स्रोतों पर खतरा खनन क्षेत्र के पास मौजूद जल स्रोत और वन संपदा इस परियोजना से सीधे प्रभावित होंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि बिना विस्तृत पर्यावरणीय सुरक्षा योजना के खनन से अनूपपुर के भू-जल स्तर पर बुरा असर पड़ेगा और प्रदूषण बढ़ेगा। स्थानीय स्तर पर हो रहे विरोध के बावजूद अधिकारियों की संवेदनहीनता इसे और भी गंभीर बनाती है, क्योंकि यह सीधे तौर पर सतत विकास के लक्ष्यों का उल्लंघन है। न्याय की आस में जनता की दहाड़ अनूपपुर के किसान अब आर-पार की लड़ाई के मूड में हैं। जनसुनवाई में हुए प्रहसन और प्रशासन की पक्षपातपूर्ण कार्यप्रणाली ने ग्रामीणों का भरोसा तंत्र से पूरी तरह उठा दिया है। यदि सरकार ने इस पूरे प्रकरण की उच्च-स्तरीय निष्पक्ष जांच नहीं कराई, तो अनूपपुर की यह चिंगारी पूरे प्रदेश में जन-आंदोलन का रूप ले सकती है।

न्याय अब केवल एक शब्द नहीं, बल्कि किसानों के अस्तित्व और पर्यावरण को बचाने की अनिवार्य आवश्यकता बन गया है। लंच पैकेट में दिखा भेदभाव बताया जाता है की जनसुनवाई के दौरान जनप्रतिनिधियों को अपनी बातों को रखना में बार-बार टोका टाकी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों द्वारा की गई। वही जनप्रतिनिधियों का कहना था कि जब हमें अपनी बात पूर्णतया रखने का हक नहीं है तो हमें बुलाया ही क्यों गया। लंच पैकेट बांटने में भी प्रबंधन द्वारा भेदभाव किया गया और जिस भूमि एवं गांव में जनसुनवाई आयोजित की गई वहां के ग्रामीणों को दूसरा लंच दिया गया तो वीआईपी और प्रबंधन के लोगों को दूसरे प्रकार का लंच पैकेट प्रदान किया गया। जनसुनवाई के दौरान अनेक जनप्रतिनिधियों ने अपनी बात रखी और प्रबंधन द्वारा दिए गए जवाब से असंतुष्ट दिखे। और तो और जिस गांव गढ़ी में कोल ब्लॉक खोलना है वहां जनसुनवाई रुकना आयोजित ना करते हुए दूसरे गांव में किया गया। इसकी चर्चा भी पूरे क्षेत्र में व्याप्त थी कि गड़ी में ही क्यों जनसुनवाई आयोजित नहीं किया गया।

सूत्र बताते हैं कि जनसुनवाई कार्यक्रम का प्रचार प्रसार भी सही ढंग से नहीं किया गया जिसके कारण प्रभावित गांवों के लोग जनसुनवाई में नहीं पहुंच सके। जब अन्य गांव के माध्यम से उन्हें पता चला तो वहां गए भी लेकिन उन्हें अपनी बातें रखने का मौका भी नहीं दिया गया।

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती पर दिव्य आरती का आयोजन, प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया नमन

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

दमोह। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की जयंती के अवसर पर भगवती मानव कल्याण संगठन द्वारा दमोह के जबलपुर नाका स्थित महाराणा प्रताप चौक पर दिव्य आरती एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने महाराणा प्रताप जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया तथा उनके त्याग, शौर्य और राष्ट्रभक्ति के आदर्शों को स्मरण किया। कार्यक्रम का संचालन संभागीय सचिव संजय पटेल ने किया। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय को परमपूज्य गुरुवर के विचारों एवं वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी के जीवन, संघर्ष और राष्ट्र समर्पण की प्रेरणादायक गाथा से अवगत कराया। कार्यक्रम में मानक पटेल (जिला अध्यक्ष, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी, दमोह), चित्रा राजपूत (जिला अध्यक्ष, महिला मोर्चा, भगवती मानव कल्याण संगठन, दमोह), ओमवती अठ्या (संभागीय उपचार

मंत्री, भगवती मानव कल्याण संगठन, सागर) तथा शोभा सिंह राजपूत (प्रदेश अध्यक्ष, किसान मोर्चा, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी, मध्यप्रदेश) सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में मुकेश सिंह तोमर, जिला अध्यक्ष, भगवती मानव कल्याण संगठन, दमोह ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन आज भी राष्ट्रभक्ति, स्वाभिमान और संघर्ष की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी से उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

दिव्य आरती एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान संगठन के कार्यकताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और पूरा वातावरण महाराणा प्रताप जी के जयघोषों से गुंजायमान रहा।

बिना खदान स्वीकृति के निकल रहा मुरूम! आखिर किसके संरक्षण में चल रहा यह खेल?

समाज जागरण

प्राप्त जानकारी के अनुसार अनूपपुर जिले में एक भी मुरूम खदान स्वीकृत नहीं है, तो फिर धुरवासिन में दो-दो पोकलेन मशीनों से दिनदहाड़े मुरूम का उत्खनन कैसे हो रहा है? मुरूम कहां से आ रही है? परिवहन के लिए टीपी कौन जारी कर रहा है? क्या स्टोन क्रेशर की पर्चियों को ही टीपी बनाकर खनिज संपदा की खुली लूट की जा रही है? आखिर खनिज विभाग की नजर इस पर क्यों नहीं पड़ रही? स्थानीय लोगों का आरोप है कि जैतहरी-धुरवासिन सड़क निर्माण के नाम पर बड़े पैमाने पर मुरूम निकाली जा रही

है और वाहनों का संचालन कथित टीपी के सहारे किया जा रहा है। यदि जिले में कोई स्वीकृत मुरूम खदान नहीं है, तो यह पूरा खेल किस नियम के तहत चल रहा है? सबसे बड़ा सवाल – क्या खनिज विभाग कार्रवाई करेगा या फिर यह अवैध खनन यूं ही चलता रहेगा? जनता जवाब मांग रही है। प्रशासन को स्पष्ट करना होगा कि: खनन वैध है या अवैध? टीपी कहां से जारी हुई? जिम्मेदारों पर कार्रवाई कब होगी? सूत्र बताते हैं कि एक भाजपा नेता के क्रेशर से पर्ची दी जा रही है।

भारत शिक्षा दिवस कार्यक्रम की तैयारी हेतु बैठक सम्पन्न

समाज जागरण

शहडोल। आज स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय, शहडोल में भारत शिक्षा दिवस कार्यक्रम की तैयारी के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 2 जुलाई को शंभूनाथ विश्वविद्यालय, शहडोल में भारत शिक्षा दिवस कार्यक्रम आयोजित किए जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, सहभागिता तथा विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी उपस्थित सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु अपने सुझाव प्रस्तुत किए तथा आवश्यक दायित्वों का निर्धारण किया गया। बैठक में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के महाकौशल प्रांत सहसंयोजक एवं शहडोल संभाग प्रभारी मनीष शुक्ला जी, अनुज जी, अशोक सराफ जी, राजीव तिवारी जी, रामसुरेश जी, किशोर श्रीवास्तव जी सहित महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने संकल्प लिया कि भारत की शिक्षा परंपरा एवं राष्ट्रीय शिक्षा के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित भारत शिक्षा दिवस कार्यक्रम को भव्य एवं सफल बनाया जाएगा।

सोनभद्र में माफियाओं का खनन साम्राज्य! पुलिस - खनन - वन विभाग की मिलीभगत से बना अवैध बालू का अड्डा

प्रशासन मौन, अधिकारी गूंगे, बालू माफिया बेलगाम, दिन-रात चल रहा करोड़ों का गोरखधंधा, खतरे में नदियों का अस्तित्व

ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी/अवधेश कुमार गुप्ता/ समाज जागरण

सोनभद्र। जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में प्रशासनिक मिलीभगत से अवैध खनन का धंधा चरम पर है। इस समय सोनभद्र बालू माफियाओं का गढ़ बन चुका है,जहाँ पर दिन-रात भारी मशीनों से बालू निकाली जा रही है। खनन विभाग, पुलिस और प्रशासन – तीनों की आंखों के सामने यह सब कुछ हो रहा है, मगर कार्रवाई के नाम पर सन्नाटा पसरा है। स्थानीय लोगों ने खुलकर आरोप लगाया है कि अवैध बालू खनन का यह कारोबार ऊपर से नीचे तक बटे हुए कमीशन पर चल रहा है। अधिकारियों की मिलीभगत के बिना इतनी बड़ी मात्रा में खनन संभव ही नहीं। बालू से लदे ट्रक थानों के सामने से गुजरते हैं, नहीं है कोई रोकने वाला!

प्रतिदिन सैकड़ों ट्रक और ट्रैक्टर बालू लादकर निकलते हैं। ये वाहन विभिन्न थाना क्षेत्र एवं चौकी से होकर गुजरते हैं।चौंकाने वाली बात यह है कि इतने बड़े पैमाने पर परिवहन होने के बावजूद किसी गाड़ी को न रोका जाता है, न चालान होता है। स्थानीय जनता सवाल कर रही है – आखिर कौन है वो अदृश्य हाथ जो इन बालू माफियाओं की ढाल बना हुआ है?

पैसों का खेल,भ्रष्टाचार की जड़ में बैठा खनन विभाग

खनन विभाग को अवैध खनन की पूरी जानकारी है, फिर भी कोई सख्त कदम नहीं उठाया जा रहा। सूत्रों के मुताबिक, खनन और पुलिस विभाग के बीच मोटी रकम का लेनदेन होता है,जिसके बाद ट्रकों को खुली छूट मिल जाती है। यह पैसा बंदरबांट के रूप में ऊपर तक पहुँचता है, इसलिए किसी को कार्रवाई की हिम्मत नहीं होती।

नदियों का सौंदर्य नष्ट,

पर्यावरण पर संकट

अवैध खनन सिर्फ कानून तोड़ना नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ सीधा खिलवाड़ है। दिन-रात बालू निकालने से नदी की धाराएं बदल रही हैं, किनारे कट रहे हैं और जलजीव संकट में हैं। गांव के किसानों का कहना है कि पहले नदी का पानी खेतों तक पहुंचता था, अब सिर्फ गड्ढे और धूल बची है।

राजस्व को करोड़ों का नुकसान सरकार की नीतियों की उड़ रही धज्जियां इस खनन से प्रदेश सरकार को हर दिन लाखों का राजस्व नुकसान हो रहा है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि परमिट से होने वाला वैध खनन बेहद सीमित है, मगर जमीनी हकीकत में अवैध खनन 10 गुना अधिक चल रहा है। ट्रक बिना रॉयल्टी, बिना परमिट सड़कों पर दौड़ रहे हैं, और प्रशासन अपनी आंखें बंद किए बैठा है। सवाल वही – आखिर किसके संरक्षण में चल रहा यह अवैध कारोबार जब प्रशासन, पुलिस और खनन विभाग को सब कुछ पता है, तब कार्रवाई क्यों नहीं होती? क्या अधिकारी खुद इस गोरखधंधे के हिस्सेदार हैं? या फिर बालू माफिया इतने शक्तिशाली हो चुके हैं कि शासन की पकड़ से बाहर निकल गए हैं? स्थानीय जनता में आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है – यह सिर्फ अवैध खनन नहीं, बल्कि प्रशासन की नाकामी और भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा उदाहरण है।

अब जनता पूछ रही है – कब जागेगा सोया हुआ प्रशासन? हर दिन दर्जनों ट्रक बालू से लदे निकलते हैं, लेकिन विभागों की गाड़ियां नहीं निकलतीं। खनन माफिया का यह खेल तब तक नहीं रुकेगा जब तक ऊपर बैठे भ्रष्ट अधिकारियों पर शिकंजा नहीं कसता। लोग मांग कर रहे हैं कि CBI या STF की निगरानी में कार्रवाई की जाए, ताकि इस रैकेट का पदार्फाश हो सके। सोनभद्र सिर्फ एक जगह नहीं, यह प्रदेश में फैले भ्रष्टाचार की तस्वीर है। प्रशासन की चुप्पी, विभागों की सांठगांठ और माफियाओं की ताकत – तीनों मिलकर कानून को ठेंगा दिखा रहे हैं। अब जनता का एक ही सवाल है क्या यूपी में बालू माफिया प्रशासन से ज्यादा ताकतवर हो गए हैं ?

सहकारी योजनाओ का लाभ पाने के लिए समय से जमा करें ऋण : अजय कुमार

•~सहकारिता टीम का वसूली हेतु बभनी क्षेत्र मे सघन दौरा

अवधेश कुमार गुप्ता/ समाज जागरण

सोनभद्र। सहकारी बकाये की वसूली हेतु सहकारिता विभाग की वसूली टीम बुधवार को बभनी और खातो महुआ बीपैक्स क्षेत्र के भ्रमण पर रही। एडीसीओ दुद्धी अजय कुमार के नेतृत्व मे सहकारिता विभाग की टीम ने बकायेदारो और डिमांड कर्जदारो पर दबाव डाला।प्रयास का प्रतिफल भी संतोषजनक रहा। दिन भर मे लगभग पौने तीन लाख की वसूली हुई। एडीसीओ अजय कुमार ने ऋणी सदस्यो से कहा कि सहकारिता की योजनाओ का लाभ पाने के लिए आपको समय से अपने ऋणों का भुगतान करना होगा।

शाखा प्रबंधक नागेंद्र शर्मा ने कहा कि धरती पर सबसे सस्ता कर्ज जिला सहकारीबैंक और बीपैक्स देता है। इस सुविधा को जन जन तक पहुंचाने के लिए अन्नदाता को भी हमारा सहयोग करना होगा। टीम मे शाखाप्रबंधक बभनी नागेंद्र शर्मा, सचिव शिवप्रसाद इत्यादि रहे।

जिला कारागार में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस सप्ताह के तहत 18 जून को होगा योग एवं ध्यान शिविर का आयोजन

अवधेश कुमार गुप्ता/ समाज जागरण

सोनभद्र। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस सप्ताह एवं फिट इंडिया अभियान के अंतर्गत गुरमा जिला कारागार सोनभद्र में 18 जून 2026 को योग एवं ध्यान शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम जेल प्रशासन के सहयोग से धनवन्तरी पतंजलि योग संस्थान एवं सेवा भारती (उत्तर प्रदेश) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा। आयोजकों के अनुसार शिविर का उद्देश्य कारागार में निरुद्ध बंदियों को योग और ध्यान के माध्यम से मानसिक तनाव से राहत प्रदान करना, उनके शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाना तथा सकारात्मक जीवन मूल्यों के प्रति प्रेरित करना है। कार्यक्रम में जेल कर्मियों को भी योगाभ्यास कराया जाएगा। शिविर में योग गुरु एवं वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर आचार्य अजय कुमार पाठक विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। उनके निर्देशन में प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया जाएगा। आयोजकों का मानना है कि नियमित योग अभ्यास से आत्म विश्वास, अनु शासन और सकारा त्मक सोच का विकास होता है। कार्यक्रम के आयोजन में धनवन्तरी पतंजलि योग संस्थान के अध्यक्ष रमेश कुमार सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका है, जबकि सेवा भारती उत्तर प्रदेश की टीम भी आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग कर रही है। रमेश कुमार सिंह ने बताया कि योग केवल शारीरिक व्यायाम तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने की एक प्रभावी पद्धति है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह शिविर बंदियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। इस आशय की जानकारी जिला कारागार अधीक्षक सोनभद्र अरुण कुमार मिश्रा ने दी है।

न्यायालय के आदेश के ढाई साल बाद भी नहीं हुई जमीन की फाटबन्दी

• ~ पीड़ित महिला ने डीएम सोनभद्र व डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र को प्रार्थना पत्र देकर लगाई न्याय की गुहार

कानूनगो व लेखपाल द्वारा की जा रही हीलाहवाली डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन ने महिला को न्याय दिलाने का दिया आश्वासन

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। न्यायालय के आदेश के ढाई साल बाद भी जमीन की फाटबन्दी नहीं हुई। सिर्फ कानूनगो व लेखपाल द्वारा हीलाहवाली की जा रही है। पीड़ित महिला ने डीएम सोनभद्र व डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन ने मामले को गम्भीरता से लेते हुए महिला को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया है।

पीड़ित महिला मंजू देवी पुत्री सदाफल चौहान निवासी ग्राम मधुपुर, परगना अहरौरा, तहसील व थाना रॉबर्ट्सगंज, जिला सोनभद्र ने बीते 16 जून 2026 को डीएम को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि डिप्टी कलेक्टर रॉबर्ट्सगंज के न्यायालय ने 31 अक्तूबर 2023 को मौजा मधुपुर स्थित पिताजी की आराजी नम्बर 856/1 रकबा 0.2920 हेक्टेयर जमीन फाटबन्दी का स्पष्ट आदेश पारित किया गया है।जिसमें राजस्व निरीक्षक व लेखपाल को टीम के साथ मौके पर जाकर सीमांकन करने को कहा गया था। बावजूद इसके ढाई साल बीत जाने के बाद भी कोर्ट के आदेश का अनुपालन नहीं किया जा रहा है, बल्कि कानूनगो व लेखपाल द्वारा आदेश की अवहेलना की जा रही है। इतना ही नहीं पीड़िता के पिताजी की शिकायत पर राजस्व निरीक्षक द्वारा एक जून 2026 को नोटिस जारी की गई थी, जिसमें मधुपुर के

प्रधान के साथ 8 जून 2026 को सुबह 8 बजे नापी के लिए पहुंचने को निर्देशित किया गया था।लेकिन मौके पर राजस्व निरीक्षक व लेखपाल नहीं पहुंचे, जब फोन कर नापी के लिए बुलाया गया तो तरह तरह का बहाना बनाकर लगातार हीलाहवाली की जा रही है। पीड़िता के पिताजी बीमार हैं, जिसकी वजह से महिला होकर पैरवी करनी पड़ रही है। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र कार्यालय में बुधवार को पीड़ित महिला मंजू देवी ने एक शिकायती पत्र देकर कोर्ट के आदेश का अनुपालन कराए जाने की मांग की है। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन, सोनभद्र के महामंत्री राजेंद्र कुमार यादव एडवोकेट ने कहा कि महिला के शिकायती पत्र को एसोसिएशन ने संज्ञान में लिया है। महिला को न्याय दिलाने के लिए कटिबद्ध है।डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के मीडिया प्रभारी राजेश कुमार यादव एडवोकेट ने कहा कि न्यायालय के आदेश की खुली अवमानना है तथा एक गरीब महिला को न्याय से वंचित करने का प्रयास है। पूर्व महामंत्री प्रदीप कुमार मौर्य एड ने कहा कि उक्त प्रकरण में तत्काल हस्तक्षेप कर न्यायालय के आदेश का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए।

यहाँ एसोसिएशन स्पष्ट करता है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो अधिवक्ता समाज पीड़िता के समर्थन में विधिक एवं लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन के लिए बाध्य होगा। न्याय में देरी अन्याय के समान है।

इस अवसर पर एडवोकेट पवन कुमार सिंह, टीटू गुप्ता, मृगराज सिंह, अमित वर्मा, संतोष कुमार यादव, राकेश कुमार सिंह, विनीता, आकृति निर्भया, किरन सिंह, आदर्श देव पांडेय, शाहनवाज आलम खान आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

केवटा में बालक - बालिकाओं का कबड्डी प्रतियोगिता हुआ संपन्न

चोपन केंद्रीय विद्यालय के बालकों ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का किया नाम रोशन

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। ग्राम पंचायत केवटा में सावित्री बाई फुले स्पोर्टिंग क्लब, केवटा द्वारा एक दिवसीय भव्य कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों की खेल प्रतिभा को निखारना और उन्हें बेहतर मंच प्रदान करना रहा। आयोजन में बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया।बालक वर्ग में चोपन केंद्रीय विद्यालय की टीम ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि कुशी टीम ने शानदार मुकाबला करते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया।वहीं बालिका वर्ग में प्रकाश जीनियस की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन कर प्रथम स्थान अपने नाम किया, जबकि शिवको रॉक थंडर की टीम द्वितीय स्थान पर रही। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने खेल भावना, अनु शासन और जोश का बेहतरीन परिचय दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मारकुंडी ग्राम प्रधान उधम सिंह यादव रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में केवटा ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सुरेन्द्र देव पाण्डेय तथा राज्य कर्म चारी गोपाल उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास का माध्यम है, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता भी विकसित करता है। आयोजक सेंसई ओम प्रकाश ने बताया कि इस सफल आयोजन में सावित्री बाई फुले स्पोर्टिंग क्लब, केवटा के सभी साथियों ने कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग किया। उन्होंने कहा कि बच्चों ने पूरे टूनामेंट के दौरान बेहद शालीनता, अनुशासन और खेल भावना के साथ भाग लिया, जो भविष्य में क्षेत्र के खेल विकास के लिए शुभ संकेत है। आयोजन को सफल बनाने में भोजपुरी सिंगर धीरज धनी, चंदन राव, अभिनव, छोटू , संतकुमार , असरफी लाल एवं लवकुश भारती सहित कई लोगों का विशेष योगदान रहा।

फेसबुक पर फर्जी बैंक विज्ञापन दिखाकर 12 लाख की साइबर ठगी, अंतरराज्यीय गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

सोनभद्र। साइबर अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत सोनभद्र साइबर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने फेसबुक पर बैंक के नाम से फर्जी विज्ञापन दिखाकर 12 लाख रुपये की साइबर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए झारखंड से दो शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल के पर्यवेक्षण में की गई। जानकारी के अनुसार, आजमगढ़ निवासी एवं

वर्तमान में जिला चिकित्सालय सोनभद्र परिसर में रहने वाले डॉ. प्रेम बहादुर गौतम ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके फेसबुक अकाउंट पर इंडसइंड बैंक के नाम से पेंशनरों से संबंधित एक विज्ञापन और लिंक दिखाई दिया। बैंक की आधिकारिक सेवा समझकर उन्होंने लिंक को खोला और अपनी बैंकिंग एवं व्यक्तिगत जानकारी साझा कर दी। इसके बाद साइबर अपराधियों ने इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से उनके खाते से 5-5 लाख रुपये के दो और 2 लाख रुपये का एक ट्रांजेक्शन कर कुल 12 लाख रुपये निकाल लिए। मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक धीरेन्द्र कुमार चौधरी के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस ने बैंक खातों का विश्लेषण, मोबाइल नंबरों की लोकेशन ट्रैकिंग, डिजिटल साक्ष्यों का परीक्षण, सर्विलांस और मुखबिर तंत्र की सहायता से आरोपियों की पहचान की। इसके बाद टीम झारखंड के कोडरमा जिले पहुंची और दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान धीरज कुमार और रवि मेहता निवासी कोडरमा, झारखंड के रूप में हुई है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी लोगों को विभिन्न प्रलोभन देकर उनके नाम से बैंक खाते खुलवाते थे। खाते से संबंधित डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड और अन्य बैंकिंग दस्तावेज अपने पास रख लेते थे। इसके बाद साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि इन्हीं खातों में मंगवाकर निकाल लेते थे।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक पीओएस मशीन, एक चार पहिया वाहन, दर्जनों डेबिट एवं क्रेडिट कार्ड तथा चार एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी हुई है।

वोर्टेक्स कप 2026 का खिताब आर्यन बिल्ली ओबरा के नाम, सुपर किंग को 6 विकेट से हराया

समाज जागरण

सोनभद्र। ओबरा के अंबेडकर स्टेडियम में आयोजित वोर्टेक्स कप 2026 रात्रिकालीन टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का रोमांचक फाइनल मुकाबला आर्यन बिल्ली ओबरा ने जीत लिया। टीम ने सुपर किंग को 6 विकेट से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी आर्यन बिल्ली ओबरा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सुपर किंग को 8 ओवर में 9 विकेट पर मात्र 42 रन पर रोक दिया। जवाब में आर्यन बिल्ली ओबरा ने 7 ओवर में 4 विकेट खोकर 43 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। विजेता टीम के खिलाड़ी चंद्रप्रकाश को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। पुरस्कार वितरण समारोह

में समाजसेवी रमेश सिंह की ओर से विजेता टीम को ₹51,000 तथा वोर्टेक्स की ओर से उपविजेता सुपर किंग को ₹25,000 की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। मुख्य अतिथि प्रतिनिधि दीपक केशरी और तस्लीम खान सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। आयोजनकर्ता राजेश पंडित ने प्रतियोगिता की सफलता पर सभी खिलाड़ियों, दर्शकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। विजेता कप्तान मनोज कुमार ने टीम की मेहनत को जीत का श्रेय दिया, जबकि सुपर किंग के कप्तान प्रदीप शर्मा ने विजेता टीम को बेहतर प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

ओम चौराहे पर चला बुलडोजर, नाली निर्माण में बाधा बने अतिक्रमण हटे

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

ओबरा/ सोनभद्र। स्थानीय नगर पंचायत के वार्ड संख्या 15 स्थित ओम चौराहे पर नाली निर्माण को लेकर चल रहा विवाद प्रशासनिक कार्रवाई के बाद सुलझ गया। बुधवार को नायब तहसीलदार रजनीश यादव, लेखपाल अमित कुमार सिंह, नगर पंचायत कर्मियों और ओबरा थाना पुलिस की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाया गया। इस कार्रवाई में नाली निर्माण की जद में आ रहे मकान, बाउंड्रीवाल और दुकानें शामिल थीं। स्थानीय लोगों के अनुसार, ठेकेदार नाली निर्माण कार्य मनमाने तरीके से करा रहा था। नाली का निर्माण मकानों, बाउंड्रीवालों और दुकानों की जद में आ रहा था, फिर भी काम जारी रखा गया। इससे प्रभावित लोगों ने नगर पंचायत ओबरा एसडीएम को लिखित शिकायत देकर कार्य रुकवाया था। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि आपत्तियों और शिकायतों के बावजूद ठेकेदार ने दोबारा जबरन काम शुरू कर दिया। इसके बाद कुछ ग्रामीण नगर पंचायत ओबरा पहुंचे और अधिकारियों को

मामले से अवगत कराया। प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच कर कार्रवाई शुरू की। नगर पंचायत द्वारा संबंधित लोगों को पहले ही अतिक्रमण हटाने के निर्देश देते हुए नोटिस जारी किए गए थे। हालांकि, नोटिस के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया। इसके बाद नायब तहसीलदार के नेतृत्व में राजस्व टीम, नगर पंचायत और पुलिस बल की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाया गया, जिससे नाली निर्माण कार्य का मार्ग प्रशस्त हो गया। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि सार्वजनिक हित और विकास कार्यों में बाधा डालने वाले अतिक्रमणों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि नगर पंचायत के विकास कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जाएगा।

बीजपुर थाने में मिशन शक्ति केंद्र भवन का शिलान्यास, महिलाओं को मिलेगी त्वरित सहायता

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'मिशन शक्ति' के तहत सोनभद्र के बीजपुर थाना परिसर में बुधवार को 'मिशन शक्ति केंद्र' भवन का शिलान्यास किया गया। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देश पर थानाध्यक्ष राजेश सिंह ने भूमि पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर थानाध्यक्ष राजेश सिंह ने बताया कि थाना परिसर में स्थापित यह केंद्र महिलाओं और बालिकाओं के लिए एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा। इसके माध्यम से उन्हें त्वरित सहायता, कानूनी परामर्श, सुरक्षा संबंधी सहयोग और अपनी समस्याओं के समाधान के लिए एक सुरक्षित व सहज वातावरण मिलेगा। उन्होंने कहा कि महिलाएं बिना किसी संकोच के अपनी बात रख सकेंगी और उन्हें समयबद्ध तरीके से आवश यक सहायता प्राप्त होगी। यह केंद्र महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रभावी कदम है, जो महि लाओं के अधिकारों की रक्षा और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम में एनटीपीसी रिहंद के लॉ ऑफिसर प्रदीप कुमार, प्रबंधक पवन कुमार मिश्रा, राजेंद्र शाह, मुकेश कुमार, पवन दुबे, मिशन शक्ति केंद्र प्रभारी उपनिरीक्षक कमलाकांत पांडे, महिला आरक्षी प्रियंका एवं निहारिका पांडे सहित अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों ने मिशन शक्ति केंद्र की स्थापना को महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए एक सराहनीय पहल बताया।

19वें मुंबई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में बुसान: नेक्स्ट वेव शो में उभरते एशियाई सिनेमा की प्रस्तुति

चुनिंदा लघु फिल्में विविध विषयों और विशिष्ट कथा शैलियों को दशार्ती हैं 19वां मुंबई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (MIFF) प्रस्तुत करता है बुसानः नेक्स्ट वेव बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (BIFF) जो एशिया के सबसे प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों में से एक है की प्रतिनिधि लघु फिल्मों का एक विशेष प्रदर्शन। बुसान ने एक समृद्ध फिल्म संस्कृति और जीवंत घरेलू फिल्म उद्योग के बल पर फिल्मों का शहर के रूप में अपनी मजबूत प्रतिष्ठा स्थापित की है। बुसान अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव और बुसान अंतरराष्ट्रीय लघु फिल्म महोत्सव जैसे प्रसिद्ध आयोजनों का केंद्र होने के नाते, यह शहर स्क्रीनिंग, सामुदायिक कार्यक्रमों, उद्योग भागीदारी पहल और कार्यशालाओं का एक समृद्ध तंत्र प्रदान करता है जो उभरते फिल्म निमार्ताओं की जरूरतें पूरी करते हैं। बुसानः नेक्स्ट वेव 19वें मुंबई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के इस खंड में पांच फिल्में प्रदर्शित की गई हैं जो उत्कृष्ट और अनूठी सिनेमाई शैलियों के माध्यम से विविध विषयों को तलाशती हैं।

फिल्म ए मेन हू टेक्स पिक्चर्स ऑफ फ्लॉवर्स' फोटोग्राफर जंग म्युंग किम की कहानी है, जो 40 से अधिक वर्षों तक पूरे कोरिया में घूमकर जंगली फूलों की तस्वीरें खींचता है। गंभीर बीमारी से जूझते हुए भी, उसे अपने काम में आनंद और जीने का मकसद मिलता है। यह फिल्म एक ऐसे व्यक्ति का मार्मिक चित्रण है, जिसका प्रकृति और फोटोग्राफी के प्रति जुनून उसके जीवन को अर्थ प्रदान करता है।

सर्पदंश से बुजुर्ग महिला की मौत, परिवार में मचा कोहराम

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

सोनभद्र। बीजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत जरहां के टोला हड़बड़िया में मंगलवार शाम सर्पदंश से 71 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, टोला हड़बड़िया निवासी सुखमनिया (71 वर्ष) पत्नी नान्हक मंगलवार शाम स्नान के बाद अपने घर के आंगन में खड़ी थीं। इसी दौरान एक विषैले सर्प ने उन्हें डस लिया। सर्पदंश के बाद उनकी हालत बिगड़ गई और वे अचेत होकर गिर पड़ीं। परिजनों ने तत्काल उन्हें एनटीपीसी रिहंद स्थित धन्वंतरी चिकित्सालय पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। ग्राम प्रधान की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को रात में मोर्चरी में रखवाया। बुधवार सुबह परिजनों की उपस्थिति में पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी भेज दिया गया। मृतका के पुत्र राजा राम ने स्थानीय थाने में तहरीर दी है। उन्होंने प्रशासन से आर्थिक सहायता और मुआवजा दिलाने की मांग की है। पुलिस मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई कर रही है।

सतत जीविकोपार्जन योजना लाभार्थियों की बेटियों के कौशल विकास प्रशिक्षण का शुभारंभ

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी सतत जीविकोपार्जन योजना (एसजेवाई) के तहत लाभार्थी जीविका दीदियों के बच्चों को हुनरमंद बनाकर रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में पहल शुरू की गई है। इसी कड़ी में बुधवार

को जीविका एवं ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) के संयुक्त तत्वावधान में कपड़ा सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

जीविका की जिला परियोजना प्रबंधक (डीपीएम) अनुराधा चंद्रा ने बताया कि अत्यंत निर्धन परिवारों से आने वाली सतत जीविकोपार्जन योजना की लाभार्थी जीविका दीदियों की बेटियों को कौशल प्रशिक्षण देकर परिवार की आय बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चरणबद्ध तरीके से जिले के सभी सातों प्रखंडों में एसजेवाई लाभार्थी परिवारों के बच्चों का कौशल विकास किया जाएगा।

कार्यक्रम के तहत किशनगंज सदर प्रखंड के एसजेवाई लाभार्थी परिवारों की 30 युवतियों के लिए 31 दिवसीय निःशुल्क आवासीय कपड़ा सिलाई प्रशिक्षण शुरू किया गया है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को कुशल प्रशिक्षकों की देखरेख में सिलाई-कढ़ाई और वस्त्र निर्माण से संबंधित व्यावहारिक जानकारी दी जाएगी।

डीपीएम ने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली युवतियों को आगे चलकर "जीविका दीदी का सिलाई घर" जैसे कार्यक्रमों से जोड़कर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके अलावा इच्छुक युवतियां स्वयं का स्वरोजगार शुरू कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर भी बन सकेंगी।

उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में जिले के शेष छह प्रखंडों में भी एसजेवाई लाभार्थी परिवारों के बच्चों को उनकी रुचि एवं योग्यता के अनुसार कपड़ा सिलाई, ब्यूटीशियन, कंप्यूटर संचालन सहित विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा।

जीविका का उद्देश्य अत्यंत गरीब परिवारों के बच्चों को कौशल विकास से जोड़कर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना है, ताकि उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो सके और वे आत्मनिर्भर बन सकें।

महुआ शराब के विवाद में युवक की संदिग्ध मौत, आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

दैनिक समाज जागरण, संवाददाता

चांडिलः चांडिल थाना क्षेत्र के सालगाडीह गांव में महुआ शराब पीने के दौरान हुए विवाद के बाद एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान सालगाडीह निवासी छुटू लोहार के रूप में हुई है। घटना के बाद गांव में चर्चा और आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

जानकारी के अनुसार मंगलवार शाम छुटू लोहार भादुडीह निवासी मानिक मंडल के घर गया था, जहां दोनों महुआ शराब का सेवन कर रहे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों का आरोप है कि कहासुनी बढ़ने पर मानिक मंडल ने पहले गर्म पानी फेंका और फिर पत्थर तथा लाठी-डंडे से हमला कर दिया, जिससे छुटू गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल अवस्था में उसे तत्काल इलाज के लिए जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार बताया जा रहा है।

सूचना मिलने पर चांडिल पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस सतर्क है और क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी गई है।

कपाली ओपी को मिला नया प्रभारी, अविनाश कुमार संभालेंगे कमान

समाज जागरण, संवाददाता

चांडिल : जिले के चांडिल थाना अंतर्गत कपाली ओपी में बड़ा प्रशासनिक बदलाव करते हुए पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने अविनाश कुमार को नया ओपी प्रभारी नियुक्त किया है। यह नियुक्ति पूर्व ओपी प्रभारी धीरेंजन कुमार के निलंबन के बाद की गई है।

गौरतलब है कि आदिवासी युवती से कथित मारपीट के चर्चित मामले में लापरवाही और विवादों को लेकर पुलिस अधीक्षक ने तत्कालीन ओपी प्रभारी धीरेंजन कुमार को निलंबित कर दिया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अविनाश कुमार को कपाली ओपी की जिम्मेदारी सौंपी है।

नवनियुक्त ओपी प्रभारी अविनाश कुमार के सामने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने, अपराध नियंत्रण करने तथा जनता का पुलिस पर भरोसा और अधिक सुदृढ़ करने की चुनौती होगी। पुलिस सूत्रों के अनुसार उन्हें लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन, शांति व्यवस्था कायम रखने और जनसरोकार से जुड़े मामलों में सक्रिय भूमिका निभाने का निर्देश दिया गया है। पुलिस विभाग में इस बदलाव को जवाबदेही और अनुशासन सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। साथ ही यह स्पष्ट संदेश भी दिया गया है कि कर्तव्य निर्वहन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि अविनाश कुमार इससे पूर्व आमदा ओपी प्रभारी और तिरुलडीह थाना प्रभारी के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनकी पहचान एक तेज-तर्रार और कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी के रूप में रही है, जिसके कारण उनकी नियुक्ति को लेकर क्षेत्र में सकारात्मक चर्चा हो रही है।

शहीद वायुसेना अधिकारी के मुआवजे को लेकर विवाद, पिता ने उठाए सवाल

समाज जागरण

जहानाबाद। बिहार के जहानाबाद जिले के बनवरिया गांव निवासी शहीद वायुसेना अधिकारी शुभम कुमार की विमान दुर्घटना में शहादत के बाद सरकारी मुआवजे और अन्य लाभों को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। शहीद के पिता अमरेंद्र शर्मा ने सरकार और प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए लाभ वितरण प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं।

जानकारी के अनुसार, राज्य सरकार की ओर से शहीद के परिजनों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता के तहत 20 लाख रुपये की राशि प्रदान की गई है। अधिकारियों का कहना है कि यह राशि शुभम कुमार की पत्नी श्रेया राय को दी गई है।

किशनगंज में सिपाही भर्ती परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न, दो अभ्यर्थी हिरासत में

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो, किशनगंज।

17 जून। केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती), बिहार द्वारा विज्ञापन संख्या-03/2025 के तहत मद्य निषेध सिपाही, कक्षपाल एवं चलंत दस्ता सिपाही के पदों पर नियुक्ति के लिए बुधवार को जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर लिखित परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा दोनों पालियों में शांतिपूर्ण, स्वच्छ एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हुई। हालांकि, एक ही भर्ती परीक्षा में दोबारा शामिल होने के आरोप में दो अभ्यर्थियों को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

अनुमंडल पदाधिकारी अनिकेत कुमार के अनुसार, किशनगंज अनुमंडल के 10 परीक्षा केंद्रों पर कुल 4,584 अभ्यर्थियों को परीक्षा के लिए आवंटित किया गया था। प्रथम पाली में 1,907 अभ्यर्थी उपस्थित हुए, जबकि 2,677 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। वहीं द्वितीय पाली में 1,923 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए और 2,661 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

परीक्षा के सफल संचालन के लिए सभी केंद्रों पर दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं सुरक्षा बलों की तैनाती की गई थी। प्रशासनिक अधिकारियों ने लगातार परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अनुमंडल पदाधिकारी ने परीक्षा को पूरी तरह शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित बताया।

इसी दौरान दस्तावेजों एवं पहचान पत्रों के सत्यापन के क्रम में दो अभ्यर्थियों की गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं। पुलिस को सूचना मिली थी कि दोनों अभ्यर्थी भर्ती परीक्षा के पूर्व चरण में भी शामिल हो चुके हैं और वर्तमान चरण में दोबारा परीक्षा दे रहे हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार स्वयं परीक्षा केंद्र पहुंचे और मामले की जांच कराई।

जांच के बाद समस्तीपुर निवासी सुजीत कुमार को किशनगंज गर्ल्स हाई स्कूल परीक्षा केंद्र से तथा मुंगेर जिले के बिशनपुरा निवासी सुमन कुमार को जगन्नाथ मध्य विद्यालय परीक्षा केंद्र से हिरासत में लिया गया। दोनों को पूछताछ के लिए सदर थाना लाया गया।

पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार ने बताया कि सत्यापन के दौरान यह जानकारी सामने आई कि दोनों अभ्यर्थी भर्ती परीक्षा के पूर्व चरण में भी शामिल हुए थे। जांच में पता चला कि उन्होंने क्रमशः मोतिहारी और अररिया परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा दी थी। पूछताछ में दोनों ने दोबारा परीक्षा में शामिल होने की बात स्वीकार की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सदर एसडीपीओ-1 खुसरू सिराज भी जांच में जुटे हुए हैं। पुलिस पूरे मामले की गहन पड़ताल कर रही है तथा जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उधर, एसडीएम ने सभी परीक्षा केंद्रों से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त बताया है।

मुहर्रम को सौहार्द और शांति के साथ मनाने की अपील, ईचागढ़ थाना में शांति समिति की बैठक संपन्न

समाज जागरण, संवाददाता

ईचागढ़ : आगामी मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं भाईचारे के वातावरण में संपन्न कराने को लेकर बुधवार को ईचागढ़ थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी वरुण यादव ने की, जबकि मुख्य रूप से एसडीपीओ शिव प्रकाश कुमार उपस्थित रहे।

बैठक में मुहर्रम के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने, आपसी सद्भाव कायम रखने तथा पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर एसडीपीओ शिव प्रकाश कुमार ने कहा कि मुहर्रम त्याग, बलिदान और सत्य के लिए संघर्ष की याद दिलाने वाला पर्व है। उन्होंने सभी समुदायों से आपसी सहयोग और भाईचारे की भावना के साथ पर्व मनाने की अपील की। साथ ही पंचायत प्रतिनिधियों, समाजसेवियों, मुहर्रम कमेटी एवं शांति समिति के सदस्यों से प्रशासन का सहयोग करने का आग्रह किया।

थाना प्रभारी वरुण यादव ने कहा कि मुहर्रम के दौरान शांति भंग करने वाले तत्वों और सोशल मीडिया पर भ्रामक अथवा सौहार्द बिगाड़ने वाले संदेशों पर प्रशासन की विशेष नजर रहेगी। उन्होंने उपस्थित लोगों से क्षेत्र में शांति एवं सौहार्द बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

बैठक में मुखिया अभिराम हेम्ब्रम, गंगामनी देवी, ग्राम प्रधान मुरलीधर मिश्रा, माणिक घोष, झामुमो प्रखंड सचिव अमित सिन्हा, अनिल सिंह, पंचानन पातर, ललित घोष, रायुब अंसारी, सुरजन स्वांसी सहित कई जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

चांडिल-कांड्रा सड़क की बदहाली पर ग्रामीणों का प्रेस कॉन्फ्रेंस, बड़े आंदोलन की चेतावनी

सांसद, विधायक और प्रशासन पर उपेक्षा का आरोप, कहा- नहीं मिला किसी का सहयोग

समाज जागरण, संवाददाता

चांडिलः चांडिल-कांड्रा सड़क की जर्जर स्थिति को लेकर बुधवार को बुद्धा एकेडमी स्कूल परिसर में ग्रामीणों द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। प्रेस वार्ता में आंदोलन का नेतृत्व कर रहे ग्रामीणों ने सड़क की बदहाल स्थिति पर चिंता जताते हुए जनप्रतिनिधियों और प्रशासन पर उदासीनता का आरोप लगाया।

ग्रामीणों ने कहा कि चांडिल-कांड्रा सड़क की खराब हालत किसी से छिपी नहीं है। सड़क की मरम्मत और निर्माण की मांग को लेकर पिछले कई महीनों से लगातार आंदोलन और ज्ञापन सौंपे जा रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है।

ग्रामीणों के अनुसार 17 अक्टूबर 2025 को प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) को ज्ञापन सौंपा गया था। इसके बाद 24 नवंबर 2025 को अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) को भी मांग पत्र दिया गया। 12 दिसंबर 2025 को सड़क निर्माण की मांग को लेकर पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहीं 30 मार्च 2026 को पथ निर्माण विभाग, परिवहन विभाग एवं उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा गया। 15 अप्रैल 2026 को लगभग 1500 महिला एवं पुरुषों की भागीदारी के साथ प्रखंड कार्यालय का घेराव भी किया गया था।

ग्रामीणों ने बताया कि 14 जून 2026 को सांसद से मुलाकात के लिए समय लिया गया था। सांसद द्वारा शाम 4 बजे मिलने का समय निर्धारित किया गया था। इसके लिए चांडिल गोलचक्कर में करीब 40 महिला एवं पुरुष एकत्रित हुए थे, लेकिन उनसे मुलाकात नहीं हो सकी। ग्रामीणों ने इसे क्षेत्र की जनसमस्याओं के प्रति जनप्रतिनिधियों की उदासीनता बताया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में वक्ताओं ने कहा कि सड़क आंदोलन को अब तक न तो स्थानीय सांसद का सहयोग मिला, न विधायक का और न ही प्रशासन एवं पथ निर्माण विभाग की ओर से कोई संतोषजनक पहल हुई। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द सड़क निर्माण की दिशा में कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में रुदिया पंचायत की मुखिया सुबोधनी महली, आशुदेव महतो, कृष्ण चंद्र महतो, ज्योतिलाल महली, तारापदो गोराई, कृष्ण चंद्र बेरा, हाराधन महतो, विष्णु महतो समेत अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

मां-बेटे की मौत के बाद बदली सोच, ग्रामीणों ने मृत्यु भोज का किया सामूहिक बहिष्कार

समाज जागरण

पूर्णिया। जिले के मरंगा बिंद टोला वार्ड संख्या-8 के ग्रामीणों ने एक सराहनीय और ऐतिहासिक पहल करते हुए मृत्यु भोज प्रथा का सामूहिक बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से संकल्प लेते हुए पंचनामा तैयार किया और भविष्य में गांव में किसी भी परिवार द्वारा मृत्यु भोज आयोजित न करने का फैसला लिया।

बताया जाता है कि कुछ दिन पूर्व गांव के एक परिवार में मां और बेटे की मृत्यु हो गई थी। इलाज के दौरान परिवार पर पहले ही भारी आर्थिक बोझ पड़ चुका था और कर्ज का दबाव बढ़ गया था। ऐसे में मृत्यु भोज को लेकर सामाजिक दबाव भी परिवार की चिंता का कारण बन रहा था। इस घटना ने ग्रामीणों को झकझोर कर रख दिया और उन्हें इस परंपरा पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित किया।

पीड़ित परिवार की स्थिति को देखते हुए गांव के बुद्धिजीवियों और समाजसेवियों ने बैठक आयोजित की। इसमें सुरेंद्र यादव, दिनेश यादव, प्रेमचंद यादव, उमेश यादव, प्रदीप यादव, अरुण यादव, मिथिलेश यादव तथा पूर्व वार्ड पार्षद ललन यादव सहित कई ग्रामीण शामिल हुए। चर्चा के बाद आमसभा में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि गांव में अब कोई भी परिवार मृत्यु भोज का आयोजन नहीं करेगा।

निर्णय को औपचारिक रूप देने के लिए पंचनामा तैयार किया गया, जिस पर दर्जनों ग्रामीणों ने हस्ताक्षर कर अपनी सहमति दर्ज कराई। ग्रामीणों का कहना है कि किसी प्रियजन की मृत्यु के बाद परिवार पहले ही गहरे शोक और मानसिक तनाव से गुजर रहा होता है। ऐसे समय में मृत्यु भोज की परंपरा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर अतिरिक्त बोझ डालती है, जिसके लिए कई बार लोगों को कर्ज लेना या संपत्ति तक बेचनी पड़ती है।

पूर्व वार्ड पार्षद ललन यादव ने कहा कि मृत्यु भोज जैसी कुरीति समाज पर अनावश्यक बोझ है। उन्होंने स्वयं संकल्प लिया कि भविष्य में अपने परिवार में भी मृत्यु भोज का आयोजन नहीं करेंगे।

सहयोग शिविर में आधार केंद्र पर अवैध वसूली की शिकायत, विधायक ने संचालक को लगाई फटकार

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो, किशनगंज।

कोचाधामन प्रखंड परिसर में आयोजित जनसुनवाई सह सहयोग शिविर के दौरान आधार केंद्र में अनियमितता एवं अवैध वसूली का मामला सामने आने पर स्थानीय विधायक सरवर आलम ने कड़ा रुख अपनाया। शिविर में पहुंचे लोगों ने विधायक से शिकायत करते हुए आरोप लगाया कि आधार से संबंधित कार्यों के लिए निर्धारित प्रक्रिया को दरकिनार कर मनमाने ढंग से राशि वसूली जा रही है। लोगों ने बताया कि इस प्रकार की शिकायतें पहले भी कई बार सामने आ चुकी हैं, लेकिन अब तक स्थिति में कोई ठोस सुधार नहीं हुआ है, जिससे आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

शिविर के दौरान एक महिला ने विधायक के समक्ष शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि आधार कार्ड बनवाने के लिए उससे निर्धारित शुल्क से अधिक राशि वसूल की गई। महिला की शिकायत सुनते ही विधायक ने मौके पर ही नाराजगी जताई और संबंधित कर्मी से जवाब-तलब किया। शिकायत को लेकर मौजूद लोगों ने भी अवैध वसूली के आरोपों की पुष्टि करते हुए कार्रवाई की मांग की।

मामले को गंभीरता से लेते हुए विधायक सरवर आलम ने आधार केंद्र के संचालक को कड़ी फटकार लगाई तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) एवं संबंधित अधिकारियों को तत्काल जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकारी कार्यालयों एवं जनसेवा केंद्रों में भ्रष्टाचार, लापरवाही तथा अवैध वसूली किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विधायक ने चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में प्रखंड कार्यालय या किसी भी सरकारी सेवा से जुड़े कार्य में रिश्वतखोरी अथवा अवैध वसूली की शिकायत मिलने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनता को सरकारी सेवाएं पारदर्शी, सरल एवं भ्रष्टाचारमुक्त तरीके से उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आम लोगों की समस्याओं का त्वरित एवं निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के पात्र लाभुकों तक पहुंचाया जाए। विधायक ने दो टूक शब्दों में कहा कि जनता के साथ अन्याय, शोषण या अवैध वसूली करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

"नशा मुक्त भारत अभियान विकसित भारत की पहचान" विषय पर नशा मुक्त सप्ताह का शुभारंभ

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

अंतरराष्ट्रीय मादक द्रव्य दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी विरोधी दिवस (26 जून) के अवसर पर जिले में आयोजित होने वाले "नशा मुक्त सप्ताह" कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलवार को समाहरणालय परिसर में सामूहिक शपथ ग्रहण के साथ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला पदाधिकारी विशाल राज के निर्देश पर जिला पंचायत राज पदाधिकारी जफर आलम की अध्यक्षता में किया गया।

विभागीय निर्देश के अनुसार जिले में 17 जून से 26 जून तक "नशा मुक्त सप्ताह" मनाया जाएगा। इस वर्ष अभियान की थीम "नशा मुक्त भारत अभियान, विकसित भारत की पहचान" निर्धारित की गई है। अभियान का उद्देश्य युवाओं सहित समाज के सभी वर्गों को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना है।

इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मियों ने नशामुक्ति की शपथ लेते हुए स्वयं किसी भी प्रकार के मादक पदार्थों का सेवन नहीं करने तथा अपने परिवार, मित्रों, सहकर्मियों एवं समाज के अन्य लोगों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। शपथ के माध्यम से नशे के विरुद्ध जन-जागरूकता फैलाने और नशामुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संदेश दिया गया।

नशा मुक्त सप्ताह के दौरान जिले के सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों, सरकारी कार्यालयों एवं अन्य संस्थानों में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान के तहत सामूहिक शपथ ग्रहण, निबंध लेखन, स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, जागरूकता रैली, मानव श्रृंखला, योग कार्यक्रम, सेमिनार, सोशल मीडिया अभियान, हस्ताक्षर अभियान, जागरूकता शिविर, मैराथन तथा खेलकूद प्रतियोगिताओं सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

इन कार्यक्रमों के माध्यम से विशेष रूप से युवाओं एवं विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। जिला प्रशासन का मानना है कि नशे के विरुद्ध जनभागीदारी और जागरूकता ही इस सामाजिक बुराई के उन्मूलन का सबसे प्रभावी माध्यम है। इसी उद्देश्य से पूरे सप्ताह विभिन्न विभागों के समन्वय से व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

कार्यक्रम में वरीय कोषागार पदाधिकारी चंदन कुमार, वरीय उपसमाहर्ता-सह-सहायक निदेशक, जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग श्रीति कुमारी, सहायक कोषागार पदाधिकारी नौशाद आलम सहित समाहरणालय के विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

जिला प्रशासन ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे नशा मुक्त सप्ताह के तहत आयोजित कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लें और नशामुक्त, स्वस्थ, जागरूक एवं विकसित भारत के निर्माण में अपना सक्रिय योगदान दें।

दीदी नीलम आनंद की 21वीं पुण्यतिथि 'संकल्प दिवस' के रूप में मनाई गई

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) शिव शिष्यता के जनक साहब श्री हरीन्द्रानंद जी की अर्धांगिनी दीदी नीलम आनंद जी की 21वीं पुण्यतिथि मंगलवार को 'संकल्प दिवस' के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर औरंगाबाद शहर के रमेश चौक स्थित महादेव मंदिर परिसर में शिव शिष्य परिवार ने श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीदी के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर हुई। स्थानीय गुरु भाई शिव पूजन सिंह ने कहा कि शिव गुरु कार्य के लिए त्याग और समर्पण के कारण दीदी नीलम आनंद सदैव याद की जाएंगी। उन्होंने साहब श्री के साथ मिलकर शिव गुरु कार्य को गति दी। लौकिक जीवन में भी उन्होंने आर्थिक, मानसिक और शारीरिक हर तरह से लोगों की मदद की और महादेव गुरु का अलख जगाया। शिव पूजन सिंह ने कहा कि दीदी हमेशा महादेव कार्य के लिए चिंतित रहती थीं और लोगों को इस काम में सहभागिता देने को प्रेरित करती थीं। उन्होंने कहा था कि जो लोग महादेव गुरु का काम ईमानदारी से करेंगे, उनके जीवन के कांटे वे चुन लेंगी। आज भी परेशानी में दीदी को याद करने पर भक्तों के दुख दूर होते हैं। गुरु भाइयों ने दीदी द्वारा महादेव का शिष्य बनने के लिए दिए गए तीन सूत्रों को निष्ठा और ईमानदारी से पालन करने का संकल्प लिया। मंच का संचालन देव के गुरु भाई अर्जुन सिंह ने किया। कार्यक्रम में संजय सिंह, पिंटू कांस्यकार, अनूप सोनी, शिव जनम बाबू, अजीत कुमार सिंह, दिलीप कुमार सिंह, उपेंद्र सिंह, चंद्रकांता बहन, प्रमिला बहन, पुष्पा बहन, ऊषा बहन, विभा बहन सहित हजारों शिव शिष्य परिवार मौजूद रहे।

देशी शराब के साथ 3 तस्कर गिरफ्तार, भेजा गया जेल

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) नबीनगर प्रखंड के बड़ेम थाना पुलिस ने 2 शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से 15 लीटर देशी शराब बरामद की है।

गिरफ्तार अभियुक्त सुरेन्द्र पासवान पिता स्व. धनेश्वर पासवान, निवासी तेतरहड़ और विशेश्वर राम, पिता स्व. बिन्नी राम,निवासी तिवारीडीह दोनों थाना क्षेत्र बड़ेम, जिला - औरंगाबाद के रहने वाले हैं।थाना कांड संख्या 51/26, के तहत प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर दोनों को शराब के साथ रंगे हाथ पकड़ा गया इधर एनटीपीसी खैरा थाना पुलिस ने तस्कर संटू चौधरी रोहतास जिले के नासरीगंज थाना क्षेत्र दरखाप गांव निवासी को 14 लीटर देशी छ्वीली शराब के साथ थाना मोड़ के समीप से गिरफ्तार किया गया।थानाध्यक्ष परमजीत कुमार मंडल ने बताया कि मद्य निषेध अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पटना सिविल कोर्ट में यातायात की समस्या का स्थायी समाधान, लोक अदालत ने सुनाया महत्वपूर्ण फैसला

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ पटना सिविल कोर्ट परिसर के आसपास लंबे समय से व्याप्त यातायात अव्यवस्था और अवैध पार्किंग से अब जल्द ही आम नागरिकों व अधिवक्ताओं को राहत मिलने वाली है। स्थायी लोक अदालत, पटना ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए इस दिशा में प्रभावी पंचाट (एवार्ड) पारित किया है। वादी श्री प्रभास चन्द्र शर्मा ने पी०एल०ए० वाद संख्या 28/2025 के माध्यम से सिविल कोर्ट के समीप स्थित ह्यस्कूल वाली गलीह्न और गेट संख्या-3 के पास अनियंत्रित वाहनों की पार्किंग व आवागमन में होने वाली बाधा का मुद्दा उठाया था। सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों के बीच सौहार्दपूर्ण सहमति बनी, जिसके आधार पर अदालत ने आदेश जारी किया।स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष सत्येंद्र पाण्डेय और सदस्य रेशमा प्रसाद व संजय कुमार शुक्ला की पीठ ने अपने निर्णय में कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। स्कूल वाली गली के समीप अब वन-वे (एकांगी) यातायात व्यवस्था लागू की जाएगी। सिविल कोर्ट के पास और गेट संख्या-3 वाली गली में वाहनों की क्रमबद्ध पार्किंग सुनिश्चित करने के लिए विशेष रूप से पुलिस बल और संबंधित पदाधिकारियों की तैनाती की जाएगी। यातायात नियंत्रण हेतु ट्रैफिक पुलिस को आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। ट्रायल प्वाइंट संख्या-1037 (दिनांक 11.06.2026) की टिप्पणियों को पंचाट का अभिन्न अंग माना गया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह व्यवस्था न्यायालय आने वाले वादकारियों, अधिवक्ताओं, विद्यार्थियों और स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा व सुविधा को ध्यान में रखते हुए की गई है। विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत पारित यह पंचाट अंतिम और सभी पक्षों पर बाध्यकारी होगा। इस ऐतिहासिक समझौते पर वादी प्रभास चंद्र शर्मा, उनके अधिवक्ता मिथिलेश कुमार गुप्ता और प्रतिवादी पक्ष के अधिकृत अधिकारी के. के. मण्डल ने हस्ताक्षर किए। इस फैसले से कोर्ट परिसर के आसपास की अराजकता खत्म होने और यातायात सुगम होने की उम्मीद जगी है।

पटना का नाम फिर होगा 'पाटलिपुत्र', मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने किया बड़ा ऐलान

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ बिहार की राजधानी पटना का नाम बदलकर उसके प्राचीन नाम 'पाटलिपुत्र' करने की सुगबुगाहट तेज हो गई है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को फुलवारी शरीफ के नदियावां में आयोजित 'सहयोग-सह-जन कल्याण शिविर' के दौरान इस दिशा में बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राजधानी की गौरवशाली ऐतिहासिक पहचान को पुनर्स्थापित करने के लिए इसे 'पाटलिपुत्र' नाम देने पर गंभीरता से विचार कर रही है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि पटना न केवल बिहार की राजधानी है, बल्कि यह मगध साम्राज्य की राजधानी के रूप में विश्वभर में प्रतिष्ठित रही है। उन्होंने कहा कि पाटलिपुत्र का नाम बिहार की सभ्यता, संस्कृति और प्राचीन इतिहास का प्रतीक है। इस नाम को वापस लाने से नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़ने का अवसर मिलेगा और राज्य की सांस्कृतिक पहचान को एक नई मजबूती प्राप्त होगी।सम्राट चौधरी ने जानकारी दी कि लंबे समय से उठ रही इस मांग पर सरकार अब सक्रिय कदम उठाने जा रही है। जल्द ही इस संबंध में प्रस्ताव राज्य मंत्रिमंडल के समक्ष लाया जाएगा, जिसके बाद विधिवत प्रक्रिया शुरू की जाएगी। ऐतिहासिक साक्ष्यों के अनुसार, अजातशत्रु द्वारा बसाई गई यह नगरी मौर्य और गुप्त साम्राज्य के काल में शिक्षा, प्रशासन और राजनीति का विश्वस्तरीय केंद्र थी।मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद राजधानी का नाम बदलने की चर्चा ने राजनीतिक और सामाजिक हलकों में हलचल मचा दी है। जानकारों का मानना है कि यदि राज्य सरकार कैबिनेट से प्रस्ताव पारित कर केंद्र के पास भेजती है और वहां से मंजूरी मिल जाती है, तो आने वाले समय में पटना का नाम बदलकर आधिकारिक रूप से 'पाटलिपुत्र' हो सकता है। यह कदम राज्य के पर्यटन और सांस्कृतिक गौरव को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है।

पटना में ज्ञान बिंदु जीएस एकेडमी के निदेशक रौशन आनंद की गिरफ्तारी मामला, NHRC ने पटना SSP को जारी किया नोटिस

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ ज्ञान बिंदु जीएस एकेडमी के निदेशक रौशन आनंद की गिरफ्तारी का मामला अब एक नए और गंभीर मोड़ पर पहुंच गया है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) ने इस प्रकरण को संज्ञान में लेते हुए पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) को नोटिस जारी किया है। आयोग ने दो सप्ताह के भीतर पूरे मामले की विस्तृत और तथ्यात्मक रिपोर्ट तलब की है। यह कार्रवाई मानवाधिकार कार्यकर्ता विशाल रंजन दफ्तुआर द्वारा 10 जून को आयोग को भेजे गए एक पत्र के बाद की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि रौशन आनंद की गिरफ्तारी की प्रक्रिया एकतरफा थी और इस दौरान मानवाधिकारों का स्पष्ट उल्लंघन हुआ। शिकायतकर्ता का तर्क है कि पुलिस ने बिना पर्याप्त साक्ष्यों के कार्रवाई की और गिरफ्तारी के दौरान संवैधानिक प्रक्रियाओं की अनदेखी की गई। इसके अतिरिक्त, पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि रौशन आनंद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं, फिर भी उनकी स्थिति पर उचित ध्यान नहीं दिया गया।गौरतलब है कि रौशन आनंद की गिरफ्तारी कदमकुआं थाना क्षेत्र में दर्ज एक प्राथमिकी के आधार पर हुई थी, जो कोचिंग संस्थानों के बीच विवाद से जुड़ी बताई जाती है। इस गिरफ्तारी के बाद से ही शैक्षणिक, सामाजिक और राजनीतिक गलियारों में पक्ष-विपक्ष के कई दावे किए जा रहे हैं। एक ओर पुलिस प्रशासन का दावा है कि पूरी कार्रवाई कानूनी दायरे में रहकर और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर की गई है, वहीं दूसरी ओर शिकायत कर्ता पक्ष इसे मनमानीपूर्ण और अन्यायपूर्ण बता रहा है।मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 की धारा 12 के तहत प्राप्त अधिकारों का उपयोग करते हुए आयोग ने स्पष्टीकरण मांगा है कि क्या गिरफ्तारी के दौरान सभी कानूनी नियमों का पालन किया गया था। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि NHRC का यह कदम किसी को दोषी या निर्दोष ठहराने के लिए नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए है कि किसी नागरिक के मौलिक अधिकारों का हनन न हो। अब सभी की निगाहें पटना पुलिस द्वारा भेजी जाने वाली रिपोर्ट पर टिकी हैं। इस रिपोर्ट में गिरफ्तारी की परिस्थितियां, साक्ष्यों की प्रकृति और अपनाई गई कानूनी प्रक्रियाओं का ब्यौरा होगा। आयोग इसी रिपोर्ट के आधार पर भविष्य की कार्रवाई और जांच की दिशा तय करेगा। यह मामला पुलिस कार्रवाई और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन को लेकर एक बड़ी बहस का केंद्र बन गया है।

पटना में कारगिल चौक पर सड़क दुर्घटना के बाद हंगामा, कार चालक और पिता के साथ मारपीट

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ राजधानी के व्यस्ततम इलाकों में शुमार कारगिल चौक पर मंगलवार देर रात हुई सड़क दुर्घटना ने उग्र रूप ले लिया। एक तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से एक युवक घायल हो गया, जिसके बाद आक्रोशित भीड़ ने कानून को हाथ में लेते हुए कार चालक और उसके पिता के साथ जमकर मारपीट की। घटना के बाद इलाके में काफी देर तक अफरा-तफरी और तनाव का माहौल बना रहा। गांधी मैदान थाना के पुलिस अवर निरीक्षक अभिषेक कुमार के अनुसार, कार में सवार पिता-पुत्र मरीन ड्राइव से घर लौट रहे थे। कारगिल चौक के पास अचानक सामने ई-रिक्शा और मोटरसाइकिल आ जाने के कारण चालक ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, जिससे गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया और एक युवक चपेट में आ गया। दुर्घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने चालक और उसके पिता को गाड़ी से बाहर खींच लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, करीब 20-25 लोगों ने दोनों के साथ बर्बर मारपीट की, जिससे वे अचेत हो गए। सूचना मिलते ही पहुंची गांधी मैदान थाने की पुलिस को भीड़ को शांत कराने में भारी मशक्कत करनी पड़ी। आक्रोशित लोगों ने पुलिस टीम के साथ भी धक्का-मुक्की की। अतिरिक्त पुलिस बल की मदद से पुलिस ने घायलों को छुड़ाया और तत्काल गार्डिनर अस्पताल में भर्ती कराया, जहाँ से परिजन उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल ले गए। वहीं, दुर्घटना में घायल युवक को इलाज के लिए पीएमसीएच भेजा गया है। भीड़ ने कार को भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के वास्तविक कारणों और मारपीट में शामिल उपद्रवियों की पहचान की जा रही है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि किसी भी दुर्घटना की स्थिति में कानून को हाथ में न लें और तत्काल पुलिस को सूचना दें। इस घटना ने एक बार फिर सड़क पर कानून-व्यवस्था और भीड़ की हिंसा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पटना के पालीगंज में 'प्रखंड सहयोग शिविर' में नहीं पहुंचे लाभार्थी, प्रचार के अभाव में रही मायूसी

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ बिहार सरकार के 'विकसित भारत-समृद्ध बिहार' संकल्प के तहत बुधवार को जिले के पालीगंज प्रखण्ड स्थित लालगंज सेहरा हाई स्कूल में आयोजित 'प्रखंड सहयोग-सह-जन-कल्याण शिविर' फीका रहा। केंद्र और राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर में अपेक्षित लाभुक नहीं पहुंचे, जिससे शिविर में सन्नाटा पसरा रहा। शिविर के सफल आयोजन के लिए जो सक्रियता दिखनी चाहिए थी, वह नदारद रही। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें शिविर के आयोजन की कोई पूर्व सूचना नहीं थी। स्कूल परिसर में भीड़ देखकर जब वे वहां पहुंचे, तब उन्हें कार्यक्रम के बारे में पता चला। कार्यक्रम के प्रति लोगों की बेरुखी का मुख्य कारण प्रचार-प्रसार का अभाव माना जा रहा है। वहीं, भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप ने भी लोगों को घरों से बाहर नही निकलने पर मजबूर कर दिया, जिसका असर शिविर में आने वाली भीड़ पर स्पष्ट रूप से दिखा। शिविर की व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष उत्तम कुमार ने इसे महज एक 'खानापूर्ति' करार दिया। स्थानीय निवासी नवल किशोर और गोपाल प्रसाद ने कहा कि सरकार की मंशा तो अच्छी है कि आम लोगों को दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें, लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों की उदासीनता के कारण आम जनता तक इसकी जानकारी ही नहीं पहुँची। भीड़ कम होने के बावजूद शिविर में अधिकारियों की टीम पूरी तत्परता के साथ मौजूद रही। इसमें पालीगंज के डीसीएलआर जनक कुमार, अंचलाधिकारी महेश कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी, बिजली विभाग के कनीय अभियंता रंजीत कुमार सहित स्वास्थ्य, जनवितरण और जीविका विभाग के कर्मी उपस्थित थे।

पटना के नदियावां में बोले सीएम सम्राट चौधरी

बिहार में कानून का राज, महिलाओं की सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने फुलवारी शरीफ के नदियावां गांव में आयोजित 'सहयोग-सह-जन कल्याण शिविर' को संबोधित करते हुए राज्य के विकास और सुशासन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिहार में अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपना रही है। मुख्यमंत्री ने कानून-व्यवस्था पर जोर देते हुए कहा कि राज्य में कानून का राज है। यदि कोई भी व्यक्ति कानून को हाथ में लेने का प्रयास करेगा, तो उसके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अपराधियों में कानून का भय और आम जनमानस में सुरक्षा का भाव होना चाहिए। इस उद्देश्य से पुलिस को आधुनिक संसाधनों से लैस किया जा रहा है और तकनीक का प्रयोग बढ़ाया जा रहा है। महिलाओं की सुरक्षा को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में बताते हुए उन्होंने कहा कि उत्पीड़न की घटनाओं के प्रति प्रशासन को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। आर्थिक सशक्तिकरण पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि 'जीविका' के माध्यम से लाखों महिलाओं को स्वावलंबी बनाया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य आने वाले समय में एक करोड़ महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाना है ताकि वे परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर सकें।शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी घोषणा करते हुए सम्राट चौधरी ने नदियावां मध्य विद्यालय को प्लस-टू विद्यालय का दर्जा देने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे 'आदर्श मॉडल स्कूल' विकसित कर रही है, जहां गरीब-अमीर सभी वर्गों के बच्चे साथ मिलकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करेंगे। इन स्कूलों में स्मार्ट क्लास, विज्ञान प्रयोगशालाएं और खेल सुविधाएं होंगी। साथ ही, प्रखंड स्तर पर मेडिकल और इंजीनियरिंग जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए भी अनुकूल वातावरण तैयार किया जाएगा। अंत में, उन्होंने आम जनता से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने और 'विकसित बिहार' के संकल्प को पूरा करने के लिए सरकार की विकास यात्रा में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

बिहार में धार्मिक पर्यटन को मिलेगी नई उड़ान- सम्राट चौधरी, सभी प्रमुख स्थलों को कॉरिडोर से जोड़ेगी सरकार

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ बिहार को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए राज्य सरकार ने एक महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है। फुलवारी शरीफ के नदियावां गांव में आयोजित 'सहयोग-सह-जन कल्याण शिविर' को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने घोषणा की कि बिहार के सभी प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों को आधुनिक 'कॉरिडोर' से जोड़कर विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार आस्था, अध्यात्म और इतिहास की पावन भूमि है, लेकिन अब तक इसे वह पहचान नहीं मिली जिसकी यह हकदार थी। सरकार अब मां मुंडेश्वरी मंदिर (कैमूर), हरिहरनाथ मंदिर (सोनपुर), विष्णुपद मंदिर (गया) और नालंदा व विक्रमशिला जैसे ऐतिहासिक धरोहरों को विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस करने जा रही है। उन्होंने कहा कि इन स्थलों को बेहतर सड़क संपर्क और आधुनिक आधारभूत संरचना से जोड़कर एक विशेष 'धार्मिक पर्यटन सर्किट' बनाया जाएगा, ताकि पर्यटकों को एक ही यात्रा में कई ऐतिहासिक स्थलों का सुगम भ्रमण मिल सके। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने में बिहार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। पर्यटन के विकास से राज्य की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी, जिसका सीधा लाभ होटल, हस्तशिल्प और स्थानीय व्यापार को मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि विक्रमशिला विश्वविद्यालय के पुनर्स्थापन की प्रक्रिया को गति दी जा रही है, जिससे बिहार की प्राचीन गौरवशाली शैक्षणिक परंपरा पुनर्जीवित होगी। समारोह में उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने 'सहयोग-सह-जन कल्याण शिविर' को सुशासन की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। उन्होंने कहा कि पहले लोग सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने को मजबूर थे, लेकिन अब शिविर के माध्यम से 17 प्रमुख सरकारी योजनाओं का लाभ एक ही छत के नीचे मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य सरकार ने वृद्धजन, दिव्यांग और विधवा पेंशन की राशि 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये कर दी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि तकनीकी दिक्कतों के कारण पेंशन से वंचित लोगों को चिन्हित कर तत्काल लाभ पहुँचाया जाए। साथ ही, उन्होंने लोगों से स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए 'आयुष्मान भारत' कार्ड बनवाने की विशेष अपील की।

मांगो को लेकर शिक्षकों का प्रदर्शन, मानसून सत्र में विधानसभा घेराव की चेतावनी

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)बिहार राज्य प्रारंभिक शिक्षक संघ के राज्यव्यापी आह्वान पर जिला इकाई औरंगाबाद के शिक्षकों ने मंगलवार को जोरदार प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष रमेश कुमार सिंह के नेतृत्व में अपनी मांगो के समर्थन में शिक्षक राजेंद्र पार्क से पुरानी जीटी रोड होते हुए समाहरणालय गेट के पास धरना पर बैठ गए। प्रमुख मांगो में शिक्षकों की प्रोन्नति और ऐच्छिक स्थानांतरण, नियोजित शिक्षकों का 4 माह से लंबित वेतन का भुगतान, पूर्ण वेतनमान और पुरानी पेंशन और सभी कोटि के शिक्षकों को हर माह 1 तारीख को वेतन का भुगतान है।धरना को संबोधित करते हुए प्रदेश सचिव धनंजय सिंह ,रमेश सिंह, जिला सचिव विनय यादव ने कहा कि 20 साल से शिक्षा दे रहे नियोजित शिक्षक विभाग की दोहरी नीति से त्रस्त हैं। तेज गर्मी में भी शिक्षक सड़क पर उतरने को मजबूर हैं, ये सिस्टम पर तमाचा है। प्रोन्नति और कालबद्ध वेतन उन्नयन नहीं होने से शिक्षक आर्थिक-मानसिक परेशानी झेल रहे हैं।संघ ने मांगें नहीं मानने पर मानसून सत्र के दौरान बिहार विधानसभा घेराव करने का ऐलान किया। नेताओं ने एडीएम अनुग्रह कुमार सिंह, डीईओ सुरेंद्र कुमार,डीपीओ स्थापना भोला कर्ण को 26 सूत्री मांग पत्र सौंपा।प्रदर्शन में सुनील कुमार सिंह, उदय कुमार सिंह, सुधीर कुमार सिंह, नीतीश कुमार, भारत भूषण,मनोज कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक शामिल हुए।

पटना जिले के गौरीचक के मुसनापर में खड़ी तीन गाड़ियों में लगी भीषण आग

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ राजधानी पटना के गौरीचक थाना क्षेत्र अंतर्गत मुसनापर गांव में बुधवार सुबह एक भयावह घटना सामने आई, जिसने स्थानीय लोगों को स्तब्ध कर दिया। गांव में एक साथ खड़ी तीन गाड़ियां अचानक भीषण आग की चपेट में आ गईं। आग इतनी विकराल थी कि देखते ही देखते तीनों वाहन जलकर पूरी तरह राख हो गए। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बुधवार सुबह स्थानीय लोगों ने अचानक एक वाहन से धुंआ निकलते देखा। कुछ ही पलों में आग ने रौद्र रूप धारण कर लिया और देखते ही देखते लपटें पास में खड़ी अन्य दो गाड़ियों तक जा पहुंचीं। स्थानीय ग्रामीणों ने अपनी जान जोखिम में डालकर बाल्टियों और उपलब्ध संसाधनों की मदद से आग पर काबू पाने की भरपूर कोशिश की, लेकिन आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि वे इसे रोक पाने में असमर्थ रहे। घटना की सूचना मिलते ही अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत गौरीचक पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचित किया। दमकल की गाड़ियां जब तक मौके पर पहुंचीं, तब तक तीनों वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो चुके थे। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद शेष आग पर पूरी तरह काबू पाया, जिससे आसपास के घरों और क्षेत्रों में आग को फैलने से रोक लिया गया। घटनास्थल पर पहुंचे गौरीचक थाना के अपर थानाध्यक्ष रवी कुमार ने बताया कि आग लगने के कारणों का अभी तक सटीक पता नहीं चल सका है। हालांकि, स्थानीय लोग प्रथम दृष्टया इसे शॉर्ट सर्किट का नतीजा मान रहे हैं। पुलिस टीम मामले की गहराई से जांच कर रही है और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस आसपास के लोगों से भी पूछताछ कर रही है ताकि घटना के सही कारणों का खुलासा हो सके। प्रशासन ने इस घटना को एक चेतावनी के रूप में लेते हुए वाहन मालिकों से अपील की है कि वे समय-समय पर अपने वाहनों की तकनीकी जांच करवाते रहें और उचित सुरक्षा मानकों का पालन करें। फिलहाल पुलिस आग से हुए नुकसान का आकलन करने में जुटी है। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में वाहनों की सुरक्षा को लेकर चर्चा का बाजार गर्म है।

पटना में बेली रोड पर मेट्रो निर्माण के लिए यातायात में बड़ा बदलाव, 22 जून से एक लेन रहेगी बंद

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ राजधानी की लाइफलाइन कही जाने वाली बेली रोड पर यात्रा करने वाले वाहन चालकों को अब अतिरिक्त सावधानी बरतनी होगी। पटना मेट्रो रेल परियोजना के निर्माण कार्य को गति देने के लिए प्रशासन ने 22 जून से आयकर गोलंबर से गोल्फ क्लब (पटेल भवन) तक नेहरू पथ की एक लेन को पूरी तरह बंद करने का निर्णय लिया है। मेट्रो स्टेशन और ट्रैक निर्माण के चलते उठाए गए इस कदम का सीधा असर शहर की यातायात व्यवस्था पर पड़ेगा।यातायात पुलिस अधीक्षक (प्रभार) सतीश कुमार ने बताया कि इस बदलाव को सुचारु रूप से लागू करने के लिए प्रशासन दो चरणों में ट्रायल करेगा। पहला परीक्षण 20 जून को सुबह 11 बजे और दूसरा परीक्षण 21 जून को व्यस्त यातायात के दौरान किया जाएगा। इन ट्रायल के माध्यम से प्रशासन उन मार्गों की पहचान करेगा जहाँ दबाव बढ़ सकता है, ताकि समय रहते अतिरिक्त प्रबंध किए जा सकें। नई यातायात योजना के अनुसार, आयकर गोलंबर से चिड़ियाघर और दानापुर जाने वाली एक लेन बंद होने से यहाँ केवल निजी वाहनों को प्राथमिकता मिलेगी। व्यावसायिक और मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह रोक रहेगी। इन वाहनों को अब वैकल्पिक मार्ग से होकर गुजरना होगा। ये वाहन वीरचंद पटेल पथ, आर ब्लॉक, हार्डिंग रोड, हवाई अड्डा मार्ग और डुमरा चौकी होते हुए पुनः बेली रोड पर आ सकेंगे। वहीं, पटेल भवन से आयकर गोलंबर की ओर आने वाली लेन में भी केवल निजी वाहनों को ही अनुमति होगी। यातायात विशेषज्ञों का मानना है कि इस रूट डायवर्जन के कारण वीरचंद पटेल पथ और हार्डिंग रोड जैसे प्रमुख मार्गों पर वाहनों का भारी दबाव बढ़ सकता है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा की योजना पहले से बनाएं और यदि संभव हो तो वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। हालांकि, निर्माण के दौरान होने वाली असुविधा को देखते हुए लोगों से धैर्य रखने का आग्रह भी किया गया है। पटना मेट्रो शहर के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना है, जिसके पूर्ण होने पर सार्वजनिक परिवहन में क्रांतिकारी बदलाव आएगा। फिलहाल, 22 जून से शुरू होने वाला यह बदलाव यातायात प्रबंधन के लिए एक बड़ी परीक्षा साबित होगा।

पटना में राबड़ी आवास विवाद और सुरक्षा कटौती पर गरमाई बिहार की सियासत

आमने-सामने सरकार और लालू परिवार

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ बिहार की राजधानी पटना में 10 सर्कुलर रोड स्थित पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के सरकारी आवास को खाली कराने का नोटिस और लालू परिवार की सुरक्षा व्यवस्था में बदलाव का मुद्दा राज्य की राजनीति में बड़ा सियासी तूफान बनकर उभरा है। यह मामला अब पूरी तरह से प्रशासनिक दायरे से निकलकर राजनीतिक प्रतिशोध के आरोप-प्रत्यारोप में तब्दील हो गया है। भवन निर्माण विभाग ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास खाली करने का निर्देश दिया है। विभाग का तर्क है कि उन्हें पहले ही 39 हार्डिंग रोड पर नया सरकारी आवास आवंटित किया जा चुका है, बावजूद इसके पुराने आवास पर कब्जा बरकरार है। हालांकि, राबड़ी देवी ने सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि वे आवास खाली नहीं करेंगी और सरकार को बलपूर्वक कार्रवाई की चुनौती दी है। वहीं, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दोटूक लहजे में कहा कि सरकारी आवास किसी की निजी संपत्ति नहीं होती और नियमों का पालन सभी को करना होगा। आवास विवाद के साथ-साथ लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी की सुरक्षा व्यवस्था में कटौती ने भी आग में घी डालने का काम किया है। लालू यादव ने इसे राजनीतिक प्रतिशोध बताते हुए नीतीश कुमार सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। विरोध स्वरूप राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव ने अपनी सुरक्षा व्यवस्था लौटाने की घोषणा कर दी है, जिसके बाद उनके आवास पर समर्थकों का जमावड़ा लग गया है। सांसद मीसा भारती ने भी कहा है कि उन्हें सुरक्षा की आवश्यकता नहीं है और उनका परिवार निर्धारित समय में आवास खाली कर देगा।राजद का आरोप है कि विपक्ष की आवाज दबाने के लिए सरकार इस तरह के दबाव वाले कदम उठा रही है। दूसरी ओर, सरकार इसे केवल नियमों के पालन की प्रक्रिया बता रही है। तेज प्रताप यादव ने इस दौरान मर्यादित भाषा के प्रयोग की अपील की है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह विवाद आने वाले समय में राज्य के राजनीतिक माहौल को और अधिक तनावपूर्ण बना सकता है। फिलहाल, सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या लालू परिवार प्रशासन के निदेर्शों का पालन करेगा या यह सियासी संघर्ष और गहराएगा।

पटना के बाढ़ में ट्रेन की चपेट में आने से युवक का हाथ कटा

एम्बुलेंस में देरी को लेकर आक्रोश

समाज जागरण

पटना/ जिले के बाढ़-दानापुर रेलखंड पर मंगलवार देर रात एक हृदयविदारक हादसा हुआ। अथमलगोला और बाढ़ रेलवे स्टेशन के बीच अचुवाड़ा हाल्ट के निकट एक अज्ञात युवक ट्रेन की चपेट में आ गया। इस भीषण दुर्घटना में युवक का एक हाथ पूरी तरह कट गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटनास्थल पर युवक को लहूलुहान और दर्द से कराहते देख स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाई। उन्होंने तुरंत डायल-112 पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों की मदद से घायल को बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया।घायल को अस्पताल से पटना भेजे जाने के दौरान प्रशासनिक लापरवाही का मामला सामने आया। आरोप है कि एम्बुलेंस चालक ने सुरक्षा गार्ड की मांग करते हुए मरीज को ले जाने में करीब आधे घंटे की देरी की। इस दौरान अस्पताल में मौजूद लोगों ने भारी नाराजगी जताई। लोगों का कहना था कि जीवन-मरण के संघर्ष में फंसी जान के लिए प्रशासनिक औपचारिकताएं आड़े नहीं आनी चाहिए। भारी विरोध के बाद अंततः बिना गार्ड के ही एम्बुलेंस को पटना के लिए रवाना किया गया। घटना के बाद से क्षेत्र में रेलवे ट्रैक की सुरक्षा और आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। घायल युवक की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के थानों और गुमशुदगी के मामलों की जांच कर रही है ताकि परिजनों तक सूचना पहुंचाई जा सके। रेलवे पुलिस और स्थानीय प्रशासन मामले की विस्तृत जांच कर रहा है कि आखिर युवक ट्रैक तक कैसे पहुंचा। फिलहाल, पीएमसीएच में घायल का इलाज जारी है और चिकित्सकों की टीम उसकी स्थिति पर निरंतर निगरानी बनाए हुए है।

CM से मिलने जा रहे जदयू नेताओं व किसानों को पुलिस ने लिया हिरासत में, थाने पर हुआ हंगामा

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ फुलवारी शरीफ के नदियावां में बुधवार को आयोजित 'सहयोग शिविर' के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलकर अपनी मांगों को रखने जा रहे जदयू नेताओं और किसानों को पुलिस ने एहतियातन हिरासत में ले लिया। इस कार्रवाई से नाराज समर्थकों ने परसा बाजार थाने पहुंचकर जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया, जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। जानकारी के अनुसार, पुनपुन प्रखंड के किसान और जदयू कार्यकर्ता 'सेंट्रलाइज्ड टाउनशिप परियोजना' के लिए हो रहे भूमि अधिग्रहण से जुड़ी समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी बात रखना चाहते थे। पुलिस को इसकी भनक लगते ही मंगलवार रात से ही एहतियाती कार्रवाई शुरू कर दी गई। बुधवार सुबह जदयू के जिला ग्रामीण सचिव ओम प्रकाश सिंह, राजेश कुमार, मनीष कुमार, पप्पू कुमार, संजय सिंह और टुट्ठ कुमार समेत कई कार्यकताओं को हिरासत में लेकर परसा बाजार थाना लाया गया। उन्हें कार्यक्रम की समाप्ति तक थाने में ही रोककर रखा गया। अपने नेताओं की हिरासत की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में किसान और समर्थक परसा बाजार थाने पहुंच गए और नारेबाजी शुरू कर दी। प्रदर्शन कारियों का कहना था कि वे कोई विरोध प्रदर्शन नहीं करना चाहते थे,

सपा नेता राहुल अवाना पर दलित परिवार की जमीन हड़पने का आरोप, पीड़ित ने लगाई न्याय की गुहार

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा, 17 जून। समाजवादी पार्टी के नेता राहुल अवाना पर एक दलित परिवार की भूमि पर अवैध कब्जा करने के प्रयास का आरोप लगाया गया है। बुधवार को सेक्टर-29 स्थित नोएडा मीडिया क्लब में आयोजित प्रेसवार्ता में गाजियाबाद निवासी अधिवक्ता सुभाष चंद ने यह आरोप लगाते हुए प्रशासन से न्याय दिलाने की मांग की।

सुभाष चंद ने बताया कि उनके पिता स्वर्गीय नत्थी सिंह पथिक ने वर्ष 1989-90 में भंगेल क्षेत्र में अपने बच्चों के लिए 2,117 वर्गगज भूमि खरीदी थी। उनका दावा है कि बाद में राहुल अवाना के दादा ओमप्रकाश ने अपने पुत्रों के नाम 200-200 वर्गगज के चार प्लॉट खरीदे थे। उन्होंने कहा कि भूमि के एक हिस्से का अधिग्रहण नोएडा प्राधिकरण द्वारा किए जाने के बाद शेष भूमि को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ।

प्रेसवार्ता में सुभाष चंद ने आरोप लगाया कि राहुल अवाना और उनके परिवार की ओर से भूमि पर दावा किया गया, जिसके संबंध में न्यायालय में वाद दायर हुआ। उन्होंने दावा किया कि न्यायालय ने उनके परिवार के पक्ष में फैसला सुनाया तथा बाद में दायर अपील भी 28 फरवरी 2025 को खारिज कर दी गई। पीड़ित पक्ष के अनुसार, न्यायालय के आदेशों के बाद उन्होंने जिला प्रशासन से भूमि पर कब्जा दिलाने की मांग की। उनका कहना है कि एसडीएम दादरी द्वारा जांच के बाद राजस्व विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए थे, लेकिन अब तक उन्हें भूमि का वास्तविक कब्जा नहीं मिल सका है। सुभाष चंद ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में इलाहाबाद उच्च न्यायालय का भी दरवाजा खटखटाया, जहां से संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा में मामले का निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। उनका आरोप है कि उप जिलाधिकारी द्वारा उनके पक्ष में आदेश पारित किए जाने और मेड़बंदी की तिथि तय होने के बावजूद कार्रवाई नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि उनका परिवार पिछले कई वर्षों से न्याय के लिए संघर्ष कर रहा है और प्रशासन को न्यायालय के आदेशों का पालन सुनिश्चित कराना चाहिए। प्रेसवार्ता में उन्होंने निष्पक्ष कार्रवाई कर भूमि पर कब्जा दिलाने की मांग की।

हालांकि, इस मामले में राहुल अवाना या उनके परिवार की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। उनके पक्ष का बयान प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा। – संदीप गर्ग, नोएडा

जनगणना-2027 के प्रथम चरण की सफलता पर जिलाधिकारी ने अधिकारियों को दी बधाई

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा, 17 जून। जनगणना-2027 के प्रथम चरण के सफलतापूर्वक संपन्न होने पर कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनगणना कार्य से जुड़े सभी चार्ज अधिकारियों, सहायक चार्ज अधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया।

जिलाधिकारी ने जनगणना कार्य में योगदान देने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए उनके समर्पण, समन्वय और परिश्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के जनगणना निदेशालय द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप जनपद में प्रथम चरण के सभी कार्य समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित तरीके से पूरे किए गए हैं। बैठक में भवन सूचीकरण, प्रशासनिक तैयारियों, अभिलेखों के संधारण, मानचित्रों के अद्यतनकरण तथा चार्ज एवं सर्किल संबंधी व्यवस्थाओं सहित विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि प्रथम चरण से संबंधित सभी अभिलेखों और आंकड़ों का व्यवस्थित संधारण सुनिश्चित किया जाए तथा आगामी चरण की तैयारियां समय से पूरी की जाएं। उन्होंने कहा कि जनगणना राष्ट्र निर्माण और

विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का महत्वपूर्ण आधार है। इसलिए आगामी चरणों में भी पूर्ण शुद्धता, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व के साथ कार्य किया जाए।

बैठक के दौरान अधिकारियों से सुझाव भी प्राप्त किए गए तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व एवं जिला जनगणना अधिकारी अजीत कुमार सिंह, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी नोएडा वंदना त्रिपाठी सहित नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना विकास प्राधिकरण के चार्ज अधिकारी, सहायक चार्ज अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

श्याम गुप्ता, अध्यक्ष, फुटपाथ व्यापारी एवं आरडब्ल्यूए प्रतिनिधि, ग्राम बरौला

"हमें सूत्रों के माध्यम से जानकारी मिल रही है कि ग्राम बरौला के कुछ हिस्सों में जनगणना का कार्य नहीं हुआ है। हनुमान मूर्ति की ओर का क्षेत्र और सेक्टर क्षेत्र जनगणना प्रक्रिया में शामिल किए गए, लेकिन बुध बाजार की तरफ स्थित गांव के हिस्से को कथित रूप से छोड़ दिया गया। ऐसी भी आशंका जताई जा रही है कि पुराने आंकड़ों के आधार पर रिपोर्ट भेज दी गई हो।

यदि यह सही है तो यह अत्यंत गंभीर मामला है, क्योंकि जनगणना के आंकड़े ही विकास योजनाओं, सरकारी सुविधाओं और नागरिक अधिकारों का आधार होते हैं। हम जिला प्रशासन, जनगणना विभाग एवं संबंधित अधिकारियों से मांग करते हैं कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और ग्राम बरौला की जनगणना की वास्तविक स्थिति सार्वजनिक की जाए।

गांव के प्रत्येक परिवार और प्रत्येक मोहल्ले की सही गणना सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई भी नागरिक सरकारी योजनाओं और सुविधाओं से वंचित न रहे।"

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।
न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज मे।

गुरु अर्जुन देव जी के शहीदी दिवस पर 18 जून को लगेगी विशाल छबील, नोएडा पंजाबी समाज करेगा सेवा आयोजन

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा, 17 जून। मानवता, सेवा और समर्पण के प्रतीक पंचम पातशाह श्री गुरु अर्जुन देव जी महाराज के पावन शहीदी दिवस के अवसर पर नोएडा पंजाबी समाज द्वारा 18 जून को बॉटनिकल गार्डन के निकट विशाल छबील एवं प्रसाद वितरण सेवा का आयोजन किया जाएगा।

संस्था की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार कार्यक्रम सुबह 10 बजे से प्रारंभ होगा और प्रभु इच्छा तक जारी रहेगा। इस दौरान राहगीरों, यात्रियों एवं आमजन को ठंडा शरबत और प्रसाद वितरित किया जाएगा। आयोजन का उद्देश्य गुरु अर्जुन देव जी की शिक्षाओं–मानव सेवा, त्याग, सहिष्णुता और परोपकार–का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है।

नोएडा पंजाबी समाज के अध्यक्ष राजीव अजमानी ने बताया कि संस्था पिछले कई वर्षों से इस सेवा परंपरा का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु और नागरिक इस सेवा का लाभ उठाते हैं। इस वर्ष के आयोजन में सांसद डॉ. महेश शर्मा, विधायक पंकज सिंह सहित कई जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, समाजसेवियों एवं समाज के सदस्यों के शामिल होने की संभावना है।

उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे इस पुण्य अवसर पर उपस्थित होकर गुरु साहिब की शिक्षाओं से प्रेरणा लें और सेवा कार्य में सहभागी बनें। नोएडा पंजाबी समाज के महासचिव रणधीर सिंह ने बताया कि संस्था समाज सेवा, सांस्कृतिक गतिविधियों और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लगातार सामाजिक दायित्वों का निर्वहन कर रही है। – संवाददाता,

ब्रिगेडियर राजेश गुप्ता ने किया एनसीसी प्रशिक्षण शिविर का निरीक्षण, कैडेटों को राष्ट्रीय एकता का दिया संदेश

समाज जागरण/

मथुरा, 17 जून। सामवेद गुरुकुलम बालिका सैनिक स्कूल, वृन्दावन में आयोजित 11 यूपी बटालियन एनसीसी के संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (CATC-40) के पांचवें दिन बुधवार को सेवा विषयक प्रशिक्षण गतिविधियों का विधिवत संचालन किया गया। दिन की शुरूआत शारीरिक दक्षता परीक्षण, ड्रिल एवं हथियार संचालन प्रशिक्षण के साथ हुई।

शिविर का मुख्य आकर्षण एनसीसी ग्रुप मुख्यालय अलीगढ़ के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर राजेश गुप्ता का निरीक्षण रहा। उन्होंने शिविर की प्रशिक्षण गतिविधियों, अनुशासन, प्रशासनिक व्यवस्थाओं, आवास, भोजन एवं सुरक्षा प्रबंधों का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कैडेटों से संवाद कर उनके अनुभव जाने तथा

उन्हें अनुशासन, नेतृत्व, सेवा और राष्ट्रभक्ति के मूल्यों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

ब्रिगेडियर गुप्ता ने विभिन्न प्रशिक्षण स्थलों का भ्रमण कर प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त किया और अधिकारियों, एएनओ, पीआई स्टाफ तथा कैडेटों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन, समयपालन और टीम भावना बनाए रखने का संदेश भी दिया।

प्रशिक्षण अधिकारी हुकम सिंह ने राष्ट्रीय एकता विषय पर कैडेटों को संबोधित करते हुए आपसी भाईचारे, समानता, संविधान के प्रति सम्मान और विभिन्न खतरों से बचाव एवं प्रतिक्रिया के उपायों की जानकारी दी। इसके बाद साइबर सुरक्षा विषय पर एक विशेष अतिथि व्याख्यान भी आयोजित किया गया।

सायंकालीन सत्र में टेंट पिचिंग प्रशिक्षण के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम, रस्साकशी, निबंध लेखन एवं लाइन एरिया प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें कैडेटों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर कैंप एडजुटेंट कैप्टन गोविंद, कैंप क्वार्टर मास्टर लेफ्टिनेंट राज कुमार, प्रशिक्षण अधिकारी हुकम सिंह, मीडिया प्रभारी लेफ्टिनेंट कपिल कौशिक, लेफ्टिनेंट अशोक कुमार, डॉ. हीरा रॉय, सीटीओ रुपाली ठाकरे, सूबेदार मेजर राजविंदर सिंह सहित समस्त जेसीओ एवं पीआई स्टाफ उपस्थित रहे।
– संवाददाता, मथुरा

‘कौशल संवाद सम्मेलन’: यूपी को ‘स्किल हब’ बनाने के लिए नीति, नियत और नए नतीजों पर हुआ मंथन

सम्मेलन में जुटे कौशल विकास के सभी इंडस्ट्री ट्रेनिंग पार्टनर्स

मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने किया ‘कौशल संवाद सम्मेलन’ का शुभारंभ

मिशन निदेशक पुलकित खरे के नेतृत्व में यूपी के हुनर को निखारने की दिशा में एक और मजबूत पहल

समाज जागरण

लखनऊ, 17 जून 2026 । उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन मुख्यालय में बुधवार को ‘कौशल संवाद सम्मेलन’ का आयोजन किया गया। सम्मेलन का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग डॉ. हरिओम एवं मिशन निदेशक पुलकित खरे ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में प्रदेश भर के कौशल विकास से जुड़े इंडस्ट्री ट्रेनिंग पार्टनर्स, प्रशिक्षण प्रदाता, उद्योग प्रतिनिधि एवं स्टेक होल्डर्स शामिल हुए।

सम्मेलन का उद्देश्य कौशल विकास से जुड़े सभी पक्षों के बीच सार्थक संवाद स्थापित कर योजनाओं को अधिक प्रभावी, उद्योगोन्मुखी एवं युवाओं की रोजगार आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना था। इस अवसर पर प्रशिक्षण गुणवत्ता, उद्योग सहभागिता, रोजगार, अप्रेंटिसशिप, उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रमों में इनोवेशन जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा एवं विचार-विमर्श किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने कहा कि कौशल विकास केवल प्रमाणपत्र देने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि युवाओं को रोजगार और आत्मनिर्भरता से जोड़ने का अभियान है। उन्होंने कहा कि उद्योगों को अपनी मानव संसाधन आवश्यकताओं की स्पष्ट मैपिंग करनी चाहिए और जिला स्तर पर उद्योगों तथा कौशल संस्थानों के बीच मजबूत समन्वय विकसित होना चाहिए। उन्होंने उद्योग प्रशिक्षण साझेदारों की संख्या बढ़ाने, अप्रेंटिसशिप और इंटर्नशिप को प्रोत्साहित करने तथा स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देने पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि कौशल विकास कार्यक्रमों में उद्यमिता को भी समान महत्व दिया जाना चाहिए। युवाओं को केवल नौकरी के लिए नहीं, बल्कि स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने के लिए भी तैयार करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विभाग युवाओं की हैंडहोल्डिंग, बैंकिंग सहायता और उद्यमिता मार्गदर्शन के माध्यम से उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मिशन निदेशक पुलकित खरे ने कहा कि कौशल विकास मिशन की सफलता तभी सुनिश्चित होगी जब सभी स्टेक होल्डर्स एक साझा मंच पर आकर अपने अनुभव, चुनौतियां और सुझाव साझा करें। उन्होंने बताया कि पिछले एक वर्ष में उद्योग प्रशिक्षण साझेदारों की संख्या में वृद्धि हुई है, लेकिन प्रदेश जैसे बड़े राज्य में अभी भी अधिक उद्योगों को प्रशिक्षण प्रक्रिया से जोड़ने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि उद्योगों को केवल प्रशिक्षित मैन वर्कफोर्स की मांग करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें प्रशिक्षण प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार बनना होगा। उद्योग यदि स्वयं प्रशिक्षण में भागीदारी करेंगे तो उन्हें अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप कुशल वर्कफोर्स उपलब्ध होगा। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान ड्रॉपआउट दर कम करने के लिए बेहतर काउंसलिंग, अभिभावकों से संवाद और प्रशिक्षण के बाद उपलब्ध अवसरों की स्पष्ट जानकारी देने पर भी जोर दिया।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले इंडस्ट्री ट्रेनिंग पार्टनर्स सम्मानित

सम्मेलन में डिजिटल लर्निंग, लाभार्थी फीडबैक, प्रशिक्षण गुणवत्ता, ब्लेंडेड लर्निंग, उद्योग-आधारित प्रशिक्षण मॉडल और जिला स्तर पर मांग एवं आपूर्ति की मैपिंग जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रतिभागियों ने अपने सुझाव प्रस्तुत किए, जिन पर विभागीय अधिकारियों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए आवश्यक सुधारों का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के दौरान UPSDM के साथ लंबे समय से जुड़े और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले इंडस्ट्री ट्रेनिंग पार्टनर्स को सम्मानित भी किया गया। इनमें स्किल्ड टेलरिंग इंस्टीट्यूट बाय रेमंड, JITM Skills Private Limited (Healthcare), VLCC Healthcare (Beauty & Wellness), U2L Learning Solutions Limited तथा Nalanda Engicon Private Limited शामिल रहे।

टीएमयू यूपी की उत्कृष्ट छह विश्वविद्यालयों में शामिल, 12-बी मान्यता बरकरार

समाज जागरण

मुरादाबाद। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी (टीएमयू) ने एक बार फिर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रमाण देते हुए उत्तर प्रदेश की उन चुनिंदा निजी विश्वविद्यालयों में स्थान बनाए रखा है, जिन्हें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की प्रतिष्ठित 12-बी मान्यता प्राप्त है। हाल ही में यूजीसी द्वारा जारी जानकारी के अनुसार प्रदेश की 53 निजी विश्वविद्यालयों में से केवल छह विश्वविद्यालयों के पास ही यह मान्यता है, जिनमें टीएमयू भी शामिल है।

यूजीसी की 12-बी मान्यता किसी भी विश्वविद्यालय के लिए गुणवत्ता, शैक्षणिक संसाधनों और शोध क्षमता का महत्वपूर्ण प्रमाण मानी जाती है। यह मान्यता मिलने के बाद विश्वविद्यालय को केंद्रीय वित्तीय सहायता, शोध परियोजनाओं, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों और अन्य विकास कार्यों के लिए अनुदान प्राप्त करने का अवसर मिलता है।

टीएमयू को वर्ष 2021 में यह मान्यता प्राप्त हुई थी। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति सुरेश जैन ने इसे संस्थान के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा था कि 12-बी का दर्जा विश्वविद्यालय के बड़े सपनों को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

टीएमयू के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अक्षत जैन ने कहा कि कुलाधिपति सुरेश जैन और ग्रुप वाइस चेयरमैन मनीष जैन की दूरदृष्टि, उच्च स्तरीय शोध, नवाचार और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने की सोच का ही परिणाम है कि विश्वविद्यालय आज इस मुकाम पर पहुंचा है।

विशेषज्ञों के अनुसार 12-बी मान्यता प्राप्त करने के लिए किसी विश्वविद्यालय को यूजीसी अधिनियम की धारा 2(एफ) के तहत मान्यता, पर्याप्त शैक्षणिक अवसंरचना, योग्य संकाय, आधुनिक प्रयोगशालाएं, समृद्ध पुस्तकालय और अन्य आवश्यक सुविधाओं की कसौटी पर खरा उतरना पड़ता है। इसके बाद यूजीसी की विशेषज्ञ समिति परिसर का निरीक्षण करती है और संतुष्ट होने पर 12-बी का दर्जा प्रदान करती है।

गौरतलब है कि वर्ष 2008 में जैन अल्पसंख्यक संस्थान के रूप में स्थापित टीएमयू में देशभर के विभिन्न राज्यों से छात्र शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। आधुनिक सुविधाओं, वैश्विक स्तर के इंफ्रास्ट्रक्चर और अनुभवी शिक्षकों के कारण विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में लगातार अपनी पहचान मजबूत कर रहा है।

6 फरवरी के बाद पहली बार हाथरस पहुंचे पंकज धवरैय्या

बोले- यूजीसी के काले कानून के खिलाफ जारी रहेगा संघर्ष

समाज जागरण/संदीप गर्ग

हाथरस। सामाजिक कार्यकर्ता पंकज धवरैय्या छह फरवरी के बाद पहली बार अपने गृह जनपद हाथरस पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि यूजीसी के कथित "काले कानून" के विरोध में उनका उत्तर प्रदेश प्रवास अभी जारी रहेगा।

उन्होंने कहा कि शिक्षा, समाज और देशहित से जुड़े मुद्दों को लेकर वे प्रदेशभर में जनजागरण अभियान चला रहे हैं। इसी क्रम में सहारनपुर से सोनभद्र तक विभिन्न जनपदों की यात्रा कर लोगों से संवाद किया जाएगा।

पंकज धवरैय्या ने कहा कि उनका उद्देश्य शिक्षा व्यवस्था, युवाओं के अधिकारों और जनहित के मुद्दों को लेकर आम लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि समाज और देशहित के लिए यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने समर्थकों और सामाजिक कार्यकताओं से अपील की कि वे जनहित के मुद्दों पर जागरूकता फैलाने में सहयोग करें तथा सकारात्मक बदलाव के लिए एकजुट होकर कार्य करें।

जयपुर थप्पड़कांड: अभिजीत दीपके को थप्पड़ मारने के आरोपियों को मिली जमानत

समाज जागरण/संदीप गर्ग

जयपुर। सोशल मीडिया पर चर्चित मामले में कॉकरोच नेता अभिजीत दीपके को कथित तौर पर थप्पड़ मारने के आरोप में गिरफ्तार किए गए राकेश गुर्जर, अजय शर्मा, रोहित शर्मा और कुलदीप सिंह शेखावत को अदालत से जमानत मिल गई है। जानकारी के अनुसार, सभी आरोपियों को 20 हजार रुपये के निजी मुचलके (बॉन्ड) पर जमानत प्रदान की गई है।

बताया जा रहा है कि यह मामला जयपुर में हुई उस घटना से जुड़ा है, जिसमें अभिजीत दीपके को कुछ ही सेकंड में कई थप्पड़ मारे जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। मामले की जांच और कानूनी प्रक्रिया जारी है।

जूस पी रहे कोटेदार को पुलिस ने उठाया, फतेहपुर में पुलिस पर गंभीर आरोप; जांच की मांग

समाज जागरण

फतेहपुर। जहानाबाद थाना क्षेत्र के अमौली चौराहे से एक मामला सामने आया है, जिसमें कानपुर नगर के एक राशन कोटेदार ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कोटेदार का कहना है कि वह चौराहे पर जूस पी रहा था, इसी दौरान पुलिसकर्मियों ने शक के आधार पर उसे रोक लिया और बाद में थाने ले जाया गया।

पीड़ित के अनुसार, थाने ले जाने के बाद उसे घंटों तक बैठाए रखा गया और उसके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। आरोप है कि इस दौरान उसका मोबाइल फोन भी छीन लिया गया और उसे लॉकअप में बंद कर दिया गया।

कोटेदार ने आरोप लगाया कि पुलिस द्वारा दबाव बनाकर उससे एक बयान पर हस्ताक्षर करवाए गए, जिसमें उसे नशे की हालत में पुलिस से अभद्रता करने वाला बताया गया। पीड़ित का

कहना है कि उसने जब इस बयान का विरोध किया तो उसके साथ मारपीट भी की गई।

इसके अलावा, पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि जब उसे बाद में मोबाइल फोन वापस किया गया तो उसमें रखी नकदी गायब थी। रुपये वापस मांगने पर उसे कथित तौर पर झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी गई।

मामले के सामने आने के बाद स्थानीय स्तर पर पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो गए हैं। पीड़ित ने उच्चाधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

फिलहाल इस पूरे प्रकरण पर पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यह मामला पुलिस जवाबदेही और नागरिक अधिकारों से जुड़े गंभीर सवाल खड़े करता है।

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।
न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज मे।

मेरठ SSP का औचक निरीक्षण: महिला थाने में लापरवाही उजागर, 19 पुलिसकर्मियों का ट्रांसफर

मेरठ। मेरठ में एसएसपी अविनाश पांडेय ने रविवार को मॉर्निंग वॉक के दौरान अचानक महिला थाने का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान थाने की स्थिति देखकर उन्होंने सख्त नाराजगी जताई।

सूचना के अनुसार, निरीक्षण के समय थाने में केवल एक महिला पुलिसकर्मी मौजूद मिली, जो कथित तौर पर सो रही थी। एसएसपी ने मौके पर क्राइम रजिस्टर देखा और बिना कुछ अधिक कहे थाने से लौट गए। बाद में जब उन्होंने कार्यालय पहुंचकर संबंधित क्राइम रजिस्टर मंगवाया तो थाने में हड़कंप मच गया। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिसके बाद यह स्पष्ट हुआ कि एसएसपी स्वयं थाने का निरीक्षण कर चुके थे।

इस लापरवाही के बाद प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए 19 महिला पुलिसकर्मियों का जिले के विभिन्न थानों में तबादला कर दिया गया है।

ऐसे 5 फर्मेंटेड फूड जिनसे मजबूत होती है गट हेल्थ, डाइट में करें शामिल

हमारी सेहत का सीधा रिश्ता पेट से जुड़ा होता है. अगर पेट सही न हो तो शरीर में समस्याएं आने लगती हैं. लेकिन वहीं, अगर पाचन तंत्र सही तरीके से काम कर रहा हो तो जरूरी पोषक तत्व भी मिल जाते हैं और इम्यूनिटी सिस्टम भी मजबूत रहता है. इसके अलावा एनर्जी और मूड भी बेहतर रहता है. लेकिन आज कल लोगों की डाइट काफी अनहेल्दी हो गई है. बाहर का जंक फूड खा-खाकर लोगों ने अपनी गट हेल्थ बिगाड़ ली है, जिससे गैस, कब्ज और ब्लोटिंग की समस्या होना आम हो गया है.

गट हेल्थ को बेहतर बनाने के लिए कई ऐसी चीजें हैं जिन्हें आप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं, जिनमें सबसे असरदार हैं फर्मेंटेड फूड्स. ये ऐसे फूड्स है जिनमें नेचुरली बैक्टीरिया (प्रोबायोटिक्स) की संख्या बढ़ती है. जो पाचन को सुधारने में मदद करते हैं. चलिए जानते हैं किन फर्मेंटेड फूड को आप अपनी डाइट में शामिल करके गट हेल्थ को बेहतर बना सकते हैं.

चेडर चीज़ का करें सेवन

चेडर चीज़ स्वाद में तो लाजवाब होती ही है, साथ ही पोषक तत्वों से भरपूर भी होती है. इसमें प्रोटीन, फैट, कैल्शियम, फास्फोरस और विटामिन के2 भी पाया जाता है. इसमें कैल्शियम होने की वजह से हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाता है. वहीं, विटामिन के5 हार्ट हेल्थ को हेल्दी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. इतना ही नहीं, ये आंतो के कामकाज को भी बेहतर बनाने में हेल्प करता है, जिससे पाचन बेहतर रहता है.

प्रोबायोटिक अचार भी है लिस्ट में

गट हेल्थ को बेहतर बनाने के लिए प्रोबायोटिक अचार भी काफी फायदेमंद होता है. इसमें बैक्टीरिया (प्रोबायोटिक) होता है जो अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाने का काम करता है. हालांकि, ध्यान रखें कि सिर्फ फर्मेंटेड और नमक के पानी में बने अचार ही प्रोबायोटिक्स प्रदान करते हैं और गट हेल्थ को बेहतर बनाने में हेल्पफुल हैं.

किमची भी है अच्छा ऑप्शन

किमची पत्ता गोभी के पत्ते से बनी कोरिया की एक बेहद पॉपुलर डिश है. इसे भी फर्मेंट करके बनाया जाता है, जिसकी वजह से इसमें प्रोबायोटिक्स होते हैं जो आंत में अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाते हैं और पाचन को बेहतर करते हैं. इसका सेवन करने से कब्ज , गैस और पेट से जुड़ी कई समस्याओं से राहत मिलती है.

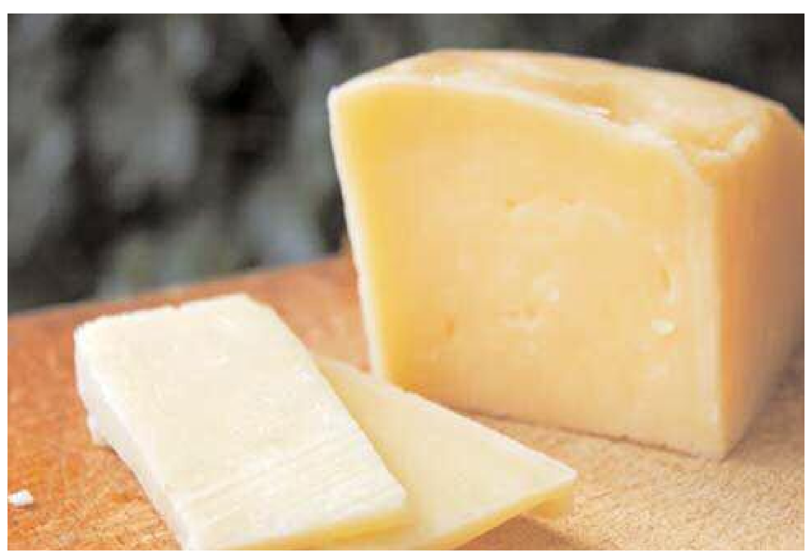

दही भी है फायदेमंद

NCBI की रिसर्च के मुताबिक, दही भी गट हेल्थ को बेहतर बनाने में मददगार है. इसमें मौजूद प्रोबायोटिक अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाते हैं. इससे पाचन दुरुस्त होता है और गट माइक्रोबायोम को बैलेंस करता है. दही में मौजूद Lactobacillus और Bifidobacterium इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में हेल्प करते हैं.

गट हेल्थ के लिए कांजी

कांजी भी गट हेल्थ के लिए एक बेनिफिशियल ड्रिंक है. इसमें नेचुरली प्रोबायोटिक पाए जाते हैं, जो आंत में अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाते हैं और पाचन को दुरुस्त करने में मदद करते हैं. इससे पेट से जुड़ी कई समस्याओं से राहत मिलती है. ये ड्रिंक एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर से भरपूर होती है, जो आंत को हेल्दी बनाए रखने में मदद करते हैं.

फेस्टिव सीजन में मिठाई बनाते समय अपनाएं ये टिप्स

फेस्टिवल सीजन यानी घर में खुशियां, रौनक और सबसे जरूरी मिठाइयों की मिठास. दिवाली से लेकर भाई दूज सभी त्यौहार या किसी खास अवसर पर कुछ लोग घर पर मिठाई बनाते हैं. हालांकि कई बार मिठाइयों का स्वाद या टेक्सचर सही नहीं आता, जिससे पूरी मेहनत पर पानी फिर जाता है. ऐसे में मिठाई बनाते समय आपको इन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए.

धनतेरस से फेस्टिव सीजन की शुरुआत हो जाएगी और भाई दूज तर देशभर में इसकी धूम देखने को मिलेगी. इस दौरान सभी अपनों घरों को डेकोरेट करते हैं. हर खुशी, सौभाग्य और फेस्टिवल के मौके पर लोग एक दूसरे का मुंह मीठा करवाते हैं. सभी तरह के त्यौहार और पूजा में भी मिठाइयां को भाग भगवान को लगाया जाता है और प्रसाद के रूप में यह बहुत महत्वपूर्ण होती है. इसी तरह दिवाली पर भी लोग एक दूसरे से घर मिठाइयां और गिफ्ट्स देने जाते हैं. मिठाइयों की दुकानों में इस दौरान बहुत भीड़ देखने को मिलती है, उसी तरह कई जगहों से मिलावट की खबरें में सामने आती हैं.

मिठाई बनाते समय कुछ मिलावटखोर अपने फायदे के लिए इसमें मिलावट करते हैं. जिसे खाने के बाद व्यक्ति की सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है. ऐसे में कई लोग घर पर मिठाई बनाने के बारे में सोचते हैं. लेकिन मिठाई का टेस्ट सही नहीं आ पाता है. दरअसल कई बार छोटी-छोटी गलतियों की वजह से स्वाद या बनावट खराब हो जाती है. इसलिए मिठाई बनाते समय आपको इन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए.

सही क्वालिटी के इंग्रीडिएंट्स

सबसे जरूरी बात कि मिठाई बनाने में उपयोग किए जाने वाले इंग्रीडिएंट्स जैसे कि दूध, खोया, मावा, घी, बेसन, चीनी और ड्राई फ्रूट्स यह सभी अच्छी क्वालिटी के हों. बासी या फिर खराब इंग्रीडिएंट्स मिठाई का स्वाद बिगड़ सकते हैं. ताजा दूध और मावा, ताजा देसी घी और साफ चीनी का उपयोग करें. आप बिना मसाले वाले गुड़ का भी उपयोग कर सकते हैं.

सही क्वांटिटी

मिठाई या फिर कोई भी खाने की चीज बनाते समय इंग्रीडिएंट्स को नाप तौल कर डालना बहुत मायने रखता है. सभी को देखकर रेसिपी के अनुसार माप कर ही डालें. कोई चीज ज्यादा या कम होने से स्वाद खराब हो सकता है. जैसे कि लड्डू बनाते समय घी कम डाला को वह सख्त बनेंगे और ज्यादा डालने से वह बहुत ज्यादा सॉफ्ट बन सकते हैं.

चीनी की चाशनी का सही टेक्सचर

रसगुल्ला, बर्फी, गुलाब जामुन और जलेबी जैसी मिठाइयों के लिए चाशनी जरूर बनाई जाती है. ऐसे में पहले इसे बनाने की विधि को सही से समझें. 1 तार वाली चाशनी का उपयोग गुलाब जामुन, जलेबी और इमरती और मीठी बूंदी के लिए किया जाता है, तो मिठाई चाशनी को एब्जॉर्ब कर लेती हैं. वहीं 2 तार चाशनी यूज , गुझिया, मठरी और शकर पारे में डाला जाते हीं, जो परोसते समय ऊपर चढ़ाई जाती है. 3 तार चाशनी का उपयोग बूरा, बर्फी या बताशे बनाने के लिए किया जाता है.

खोया या मावा घर पर बनाएं

अगर संभल हो तो खोया या मावा बाजार से लाने की बजाय घर पर बनाएं. यह ज्यादा ताजा और शुद्ध होता है और इससे मिठाई का स्वाद भी बेहतर होगा. दूध को धीमी आंच पर लगातार चलाते हुए गाढ़ा करें. जब तक वह मावे जैसा गाढ़ा न हो जाए, पकाते रहें. ध्यान रखें दूध कढ़ाई पर न चिपके.

ज्यादा मात्रा में न बनाएं

अगर आप पहली बार कोई मिठाई बना रहे हैं, तो कम मात्रा में बनाएं. इसका स्वाद और टेस्चर चेक करें. इससे इंग्रीडिएंट्स खराब नहीं होंगे और आप उसमें सुधार भी कर सकेंगे. मिठाई को एयरटाइट कंटेनर में रखें. मिठाई बनाते समय बर्तन और किचन की सफाई का विशेष ध्यान रखें.

अपनाएं ये टिप्स

ज्यादातर मिठाइयां धीमी आंच पर पकाई जाती हैं. जिससे कि उनका स्वाद खराब न हो. खोया या बेसन को भूनते समय आंच कम रखें, वरना यह जल सकता है. घी में तले वाली मिठाइयां जैसे कि गुलाब जामुन को धीमी आंच पर ही तलें, ताकि वो अंदर तक ठीक से पक जाए. इसके साथ ही सही बर्तन का उपयोग करें.